3 राजधानी
अब गरीब लोग भी पियेंगे आरओ का पानी

6 अभिमत
डिजिटल युग में भारतीय संस्कृति

10 विदेश
इमरान खान की गिरफ्तारी पर रोक

11 राष्ट्रीय
केंद्रीय मंत्री के आवास पर फिर हुआ हमला

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 11 अंक 258
नई दिल्ली, मंगलवार, 25 जुलाई, 2023
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

विराट का गले लगाना सपने जैसा : मुकेश कुमार
स्पोर्ट्स-12

मणिपुर पर संसद में नहीं टूटा गतिरोध सरकार तैयार, चर्चा होने दे विपक्ष: शाह

आप के संजय सिंह शेष सत्र के लिए निलंबित, प्रधानमंत्री के बयान पर अड़ा विपक्ष

● दोनो ही सदनो मे प्रश्नकाल और शून्यकाल हंगामे की भेट चढ़ गए

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

संसद के मानसून सत्र में लगातार तीसरे दिन सोमवार को मणिपुर हिंसा मुद्दे पर गतिरोध बरकरार रहा तथा विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वक्तव्य और चर्चा की मांग करते हुए भारी हंगामा किया, वहीं राज्यसभा में अशोभनीय आचरण के लिए आप सदस्य संजय सिंह को वर्तमान सत्र के शेष हिस्से के लिए निलंबित कर दिया गया। विपक्षी सदस्यों के हंगामे और नारेबाजी के कारण लोकसभा एवं राज्यसभा तीन-तीन बार के स्थगन के बाद पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। दोनों ही सदनों में प्रश्नकाल एवं शून्यकाल हंगामे की भेंट चढ़ गए।

इससे पहले सदन की कार्यवाही शुरू होने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने जैसे ही प्रश्नकाल शुरू करने को कहा, वैसे ही कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस सहित कुछ विपक्षी दलों के सदस्य मणिपुर मुद्दे को उठाने लगे।

इस दौरान लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि हम शुरू से ही कह रहे हैं कि मणिपुर के हालात को देखते हुए प्रधानमंत्री (नरेन्द्र मोदी) स्वत: संज्ञान लेते हुए बयान दें। इस पर लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने कहा कि अधीर रंजन चौधरी जिस विषय को उठा रहे हैं, उस पर सारा सदन चर्चा करना चाहता है। सरकार ने भी कहा है। आप आज 12 बजे से चर्चा शुरू करें। उन्होंने कहा कि इस पर कौन जवाब देगा, यह तय करना विपक्ष काम नहीं है और संबंधित विभाग के मंत्री जवाब दे सकते हैं। विपक्षी सदस्य इससे संतुष्ट नहीं हुए और आसन के समीप आकर नारेबाजी करने लगे। सदन के उपनेता और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हम पहले ही कह चुके हैं कि चर्चा करने को पूरी तरह से तैयार हैं, लेकिन प्रतिपक्ष इस बात को स्वीकार नहीं कर रहा है।

उन्होंने कहा कि मणिपुर जैसी घटना पर चर्चा के लिए जिस तरह की गंभीरता होनी चाहिए, विपक्ष उतना गंभीर नहीं है। वहीं, संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री इस विषय पर पहले ही अपनी पीड़ा व्यक्त कर चुके हैं, सदन के उपनेता राजनाथ सिंह कह चुके हैं कि सरकार चर्चा को तैयार है।

उन्होंने कहा कि जब सरकार तैयार है तो विपक्ष चर्चा से क्यों भाग रहा है? उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र के अनेक सदस्यों ने चर्चा कराने का आग्रह किया है, लेकिन विपक्ष चर्चा करना नहीं चाहता। इनकी मंशा सिर्फ कार्यवाही बाधित करने की है।

विपक्षी सदस्यों के शोर-शराबे और नारेबाजी के बीच लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने प्रश्नकाल को आगे बढ़ाया। इस दौरान वन एवं पर्यावरण मंत्रालय, जनजातीय कार्य मंत्रालय और वित्त मंत्रालय के प्रश्न लिए गए। कुछ सदस्यों (शेष पेज 9)

विपक्षी दलों का संसद परिसर में पूरी रात धरना देने का निर्णय

आप सांसद संजय सिंह के निलंबन के खिलाफ इंडिया घटक दल हुए लामबंद

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के घटक दलों के नेता मणिपुर के विषय पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बयान की मांग और आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह के निलंबन के खिलाफ सोमवार को संसद परिसर में धरने पर बैठ गए। इंडिया के घटक दलों का कहना है कि उनके नेताओं का यह धरना पूरी रात चलेगा।विपक्षी नेताओं का यह धरना सोमवार को दिन के समय शुरू हुआ। वरिष्ठ विपक्षी नेताओं ने बताया कि यह धरना पूरी रात जारी रहेगा और मंगलवार को भी होगा। संजय सिंह को सोमवार को उच्च सदन में हंगामा और आसन के निर्देशों का उल्लंघन करने को लेकर वर्तमान मानसून सत्र की शेष अवधि तक के लिए निलंबित कर दिया गया। (शेष पेज 9)

होने दे विपक्ष: शाह

● संसद में गतिरोध तोड़ने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृहमंत्री अमित शाह व संसदीय मंत्री प्रल्हाद जोशी के साथ किया मंथन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लोकसभा में विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी के बीच ही गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि सरकार मणिपुर हिंसा जैसे बेहद संवेदनशील मुद्दे पर चर्चा को तैयार है और विपक्ष से आग्रह है कि वे चर्चा होने दें और सच्चाई सामने आने दें। गतिरोध को दूर करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और संसदीय मंत्री प्रल्हाद जोशी के साथ चर्चा की।

इससे पहले सदन में गृहमंत्री शाह ने कहा कि सदस्यों से आग्रह है कि बहुत संवेदनशील मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ओर के सदस्यों ने चर्चा की मांग की है। मैं सदन में चर्चा के लिए तैयार हूं। उन्होंने हैरत जताते हुए कहा कि उन्हें नहीं मालूम कि विपक्ष संसद में चर्चा क्यों नहीं होने दे रहा है? गृह मंत्री ने कहा कि मेरा विपक्ष के नेताओं से आग्रह है कि चर्चा होने दें और इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर पूरे देश के सामने सच्चाई आने दें। उनके इस वक्तव्य के बाद भी विपक्षी सदस्यों का हंगामा जारी रहा। सरकार द्वारा विपक्ष की इस मांग को मानने की संभावना नहीं है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मणिपुर मुद्दे पर सदन में बयान देना चाहिए क्योंकि संसद में गतिरोध को खत्म करने के लिए उसने विपक्ष के साथ बातचीत की है। सूत्र बताते हैं कि अगर विपक्ष गृह मंत्री के जवाब से सहमत हो जाता है तो बहस के संचालन को नियंत्रित करने वाले नियमों पर जोर दिया जा सकता है।

गतिरोध को सुलझाने के प्रयास में, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और प्रह्लाद जोशी ने कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की, लेकिन वह इस बात पर जोर देते रहे कि प्रधानमंत्री को मणिपुर पर संसद में बयान देना चाहिए, कहीं और नहीं। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने यहां भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष के सभी सदस्यों से मणिपुर से संबंधित मुद्दों पर चर्चा या बहस शुरू करने की अपील की है। शाह ने संसद में बार-बार कहा कि गृह मामलों के प्रभारी मंत्री के रूप में वह कुछ तथ्यों को प्रकाश में लाना चाहेंगे।ईरानी ने आरोप लगाया कि चौंकाने वाली बात यह है कि विपक्षी दल तथ्यों को सामने नहीं आने देने की जिद कर रहे हैं। मणिपुर का मुद्दा आंतरिक और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा है। जब गृह मंत्री उनसे आकर चर्चा करने को कह रहे हैं तो मणिपुर हिंसा के ऐसे कौन से तथ्य हैं, जिन्हें कांग्रेस छिपाना चाहती है।

ट्विटर की नीली चिड़िया उड़ी, एक्स बना नया लोगो

लंदन। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर को नया लोगो मिल गया है। अब नीली चिड़िया की जगह काले-सफेद रंग के एक्स ने ले ली है। ट्विटर के मालिक एलन मस्क ने इसकी घोषणा की। उन्होंने पिछले साल 44 अरब डॉलर में ट्विटर को खरीदा था। इसके बाद उन्होंने साइट में कई बदलाव किए हैं। मस्क ने सोमवार को अपने ट्विटर अकाउंट का लोगो बदल दिया। ट्विटर के डेस्कटॉप वर्जन पर बदला हुआ लोगो दिखने लगा है, लेकिन फोन ऐप पर अब भी चिड़िया ही दिखाई दे रही है। मस्क ने अपने प्रशंसकों से लोगो के बारे में सुझाव देने और एक लोगो चुनने के लिए कहा था। उन्होंने रविवार देर रात ट्वीट करके बताया था कि वह लोगो में बदलाव सोमवार को ही करना चाहते हैं। मस्क ने लिखा था, और जल्द ही हम ट्विटर ब्रांड तथा सभी चिड़ियों को अलविदा कह देंगे। मस्क से जब पूछा गया कि जब लोगो बदल जाएगा तब ट्वीट को क्या कहा जाएगा, तो उन्होंने कहा कि इसे एक्स कहा जाएगा।

ऋण वसूली मामलों में कठोर कदम न उठाएं बैंक:सीतारमण

नई दिल्ली (पीएनएस)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि सरकारी और निजी, सभी बैंकों को निर्देश दिया गया है कि ऋण वसूली की प्रक्रिया में कठोर कदम नहीं उठाए जाने चाहिए और इस तरह के मामलों में संवेदनशीलता से निपटना चाहिए।वित्त मंत्री ने लोकसभा में प्रश्नकाल में छोटे कर्जदारों द्वारा लिए गए ऋण के पुन: भुगतानावसूली से संबंधित एक प्रश्न पर हस्तक्षेप करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, मैंने इस तरह की शिकायतें सुनी हैं कि कुछ बैंक किस तरह कड़ाई से ऋण वसूली के लिए कार्रवाई करते हैं। सरकार ने सरकारी और निजी, सभी बैंकों को निर्देश दिया है कि जब कर्ज की वसूली की प्रक्रिया की बात होती है तो कठोर कदम नहीं उठाए जाने चाहिए और बैंकों को ऐसे मामलों में संवेदनशीलता रखते हुए मानवीयता के साथ प्रयास करने चाहिए।

कर्मचारी भविष्य निधि पर 2022-23 के लिए 8.15 प्रतिशत ब्याज दर की पुष्टि

नई दिल्ली (भाषा)सरकार ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि योजना के तहत जमा पर 8.15 प्रतिशत ब्याज दर की पुष्टि की है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने 28 मार्च 2023 को 2022-23 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) जमा पर 8.15 प्रतिशत की दर से ब्याज देने का फैसला किया था। इस तरह ईपीएफओ ने अपने छह करोड़ से अधिक सदस्यों के लिए ब्याज में मामूली बढ़ोतरी की, जो इससे पहले 8.10 प्रतिशत थी। सोमवार को जारी एक आधिकारिक आदेश के अनुसार ईपीएफओ ने अपने क्षेत्रीय कार्यालयों को 2022-23 के लिए ईपीएफ पर 8.15 प्रतिशत की दर से ब्याज सदस्यों के खातों में जमा करने के लिए कहा है। यह आदेश ब्याज दर पर वित्त मंत्रालय की सहमति के बाद आया। अब ईपीएफओ के क्षेत्रीय कार्यालय ग्राहकों के खाते में ब्याज डालेंगे।

ज्ञानवापी परिसर में वैज्ञानिक सर्वे पर रोक

● न्यायालय ने कहा, 26 जुलाई शाम पांच बजे तक प्रभावी रहेगा आदेश

● एएसआई की टीम ने वैज्ञानिक सर्वे रोका

भाषा। नई दिल्ली/वाराणसी

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के विस्तृत वैज्ञानिक सर्वेक्षण पर 26 जुलाई को शाम पांच बजे तक रोक लगा दी और कहा कि (सर्वेक्षण के) आदेश को चुनौती देने के लिए कुछ समय दिया जाना चाहिए। वाराणसी की एक अदालत ने गत शुक्रवार को एएसआई को यह पता लगाने के लिए ज्ञानवापी परिसर का वैज्ञानिक सर्वेक्षण करने का निर्देश दिया था कि मस्जिद का निर्माण वहां पहले मौजूद मंदिर पर किया गया था या नहीं।

ज्ञानवापी मस्जिद की अंजुमन इंतजामिया मस्जिद (एआईएम) की ओर से मामले की तत्काल सुनवाई के लिए दायर याचिका पर शीर्ष अदालत ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय को निर्देश दिया कि वह बुधवार शाम को यथास्थिति संबंधी उसके आदेश की समाप्ति से पहले मस्जिद समिति की अर्जी पर सुनवाई करे। सर्वोच्च न्यायालय का यह आदेश उस समय आया, जब एएसआई की 30-सदस्यीय टीम वैज्ञानिक सर्वेक्षण के लिए मस्जिद के अंदर थी। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा, हम याचिकाकर्ताओं को संविधान के अनुच्छेद-227 के तहत अपने अधिकार क्षेत्र का प्रयोग करते हुए और उचित सुनवाई के लिए वाराणसी के विद्वान जिला न्यायाधीश के आदेश को चुनौती देने के वास्ते उच्च न्यायालय का रुख करने की अनुमति देते हैं। उसने कहा, इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि जिला अदालत का आदेश 21 जुलाई को शाम 4.30 बजे पारित किया गया था और एएसआई सर्वेक्षण सोमवार को शुरू किया गया, हमारी राय है कि याचिकाकर्ताओं को उचित राहत देने के अनुरोध को लेकर उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने के लिए कुछ समय दिया जाना चाहिए। पीठ ने कहा, हम निर्देश देते हैं कि जिला न्यायाधीश के आदेश पर 26 जुलाई को शाम पांच बजे तक अमल नहीं किया जाएगा। अगर याचिकाकर्ता इस अवधि में अनुच्छेद-27 के तहत याचिका या आवेदन के साथ उच्च न्यायालय का रुख करता है, तो उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार-न्यायपालिका यह सुनिश्चित करेंगे कि इसे एक उचित पीठ के समक्ष सूचिबद्ध किया जाए, ताकि यथास्थिति संबंधी आदेश समाप्त होने से पहले इस पर सुनवाई हो सके। पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को मस्जिद परिसर में सर्वेक्षण के लिए मौजूद एएसआई अधिकारियों को फौरन आदेश के बारे में सूचित करने का निर्देश दिया। सुनवाई की शुरुआत में, मस्जिद समिति का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ (शेष पेज 9)

क्विक न्यूज

मोदी आईईसीसी परिसर कल राष्ट्र को समर्पित करेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को प्रगति मैदान मे अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी-सह-सम्मेलन केन्द्र (आईईसीसी) परिसर राष्ट्र को समर्पित करेगे।प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सोमवार को एक बयान मे यह जानकारी दी। इस परिसर मे सितंबर मे जी-20 नेताओ की बैठक प्रस्तावित है। सरकार ने जनवरी, 2017 मे प्रगति मैदान के पुनर्विकास के लिए भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) के प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए राष्ट्रीय राजधानी मे विश्वस्तरीय आईईसीसी स्थापित करने पर सहमति जताई थी। पीएमओ ने कहा कि देश मे बैठकों, सम्मेलनो और प्रदर्शनियो की मेजबानी के लिए एक विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा तैयार करने संबंधी प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण ने प्रगति मैदान मे आईईसीसी की अवधारणा को मूर्तरूप दिया है।इस परियोजना को लगभग 2700 करोड़ रुपए की लागत से एक राष्ट्रीय परियोजना के रूप मे विकसित किया गया था। लगभग 123 एकड़ के परिसर क्षेत्र के साथ, आईईसीसी परिसर को भारत के सबसे बड़े एमआईसीई (बैठकें, प्रोत्साहन, सम्मेलन और प्रदर्शनी) गंतव्य के रूप मे विकसित किया गया है।

हर नागरिक को पासपोर्ट रखने का अधिकार

दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा-प्राधिकारी महज दुरुपयोग की आशंका पर नवीनीकरण से इनकार नहीं कर सकते

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि पासपोर्ट रखना हर नागरिक का कानूनी अधिकार है और प्राधिकारी महज़ पासपोर्ट के दुरूपयोग की आशंका पर इसका नवीनीकरण करने से इनकार नहीं कर सकते।

अदालत ने यह टिप्पणी पासपोर्ट में उल्लेखित जन्मतिथि में बदलाव करने का आग्रह करने वाले भारतीय नागरिक की याचिका पर सुनवाई के दौरान की। उ%च न्यायालय ने कहा कि यात्रा दस्तावेज़ से इनकार करना एक नागरिक के अधिकारों को गंभीर रूप से बाधित करता है और अधिकारी कानून में बताए गए आधार पर ही पासपोर्ट का नवीनीकरण करने से इनकार कर सकते हैं या इसे रद्द कर सकते हैं।मौजूदा मामले में अधिकारियों ने याचिकाकर्ता के पासपोर्ट को जन्मतिथि के साथ अपडेट करने से इस आधार पर इनकार कर दिया था कि सुधार का दावा वास्तविक नहीं लगता है। पासपोर्ट प्राधिकरण के वकील ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता को पहला पासपोर्ट जारी किए हुए करीब 14 साल बीत चुके हैं और अगर इसका नवीनीकरण किया जाता है या नई जन्मतिथि के साथ फिर से जारी किया जाता है तो वह यात्रा दस्तावेज का दुरुपयोग कर सकता है।अदालत ने आपत्ति को खारिज करते हुए रेखांकित किया कि अधिकारियों ने याची के नवीनीकृत आवेदन को खारिज करने का कोई आधार नहीं बताया और आवेदन को वैध सरकारी दस्तावेजों के साथ भरा गया था। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद ने हाल के एक आदेश में कहा, हर नागरिक के पास पासपोर्ट रखने का कानूनी अधिकार है और इसे कानून के मुताबिक ही छीना जा सकता है। अधिकारी कानून के तहत बताई गई प्रक्रिया का पालन करने के लिए बाध्य हैं और कानून में उल्लेखित आधार के तहत ही पासपोर्ट को नवीनीकृत करने से इनकार कर सकते हैं या पासपोर्ट को रद्द कर सकते हैं। आदेश में कहा गया है कि मौजूदा मामले में प्रतिवादी ने सिर्फ यह आशंका जताई है कि 11 फरवरी 2003 और दो जुलाई 2007 को जन्म प्रमाण पत्र के आधार पर जारी किए गए पहले के पासपोर्ट का दुरुपयोग किया गया हो सकता है जो पासपोर्ट जारी करने से इनकार का वैध कारण नहीं है। अदालत ने कहा है कि याचिकाकर्ता के माता-पिता द्वारा गलत जन्मतिथि देकर की गई गलती के लिए याचिकाकर्ता को जिम्मेदार नहीं ठहरा सकते हैं। पासपोर्ट का नवीनीकरण करने से इनकार करने के आदेश को खारिज करते हुए अदालत ने निर्देश दिया कि याची की ओर से पेश किए गए दस्तावेजों के मुताबकि, याचिकाकर्ता को बदली हुई जन्मतिथि के साथ नया पासपोर्ट जारी किया जाए।

कनाडा में भारतीय छात्र की हिंसक हमले के बाद मौत

टोरंटो। कनाडा में खाना पहुंचाने वाली कंपनी के कर्मचारी के रूप में काम करने वाले एक 24 वर्षीय भारतीय छात्र की हिंसक हमले के कुछ दिन बाद मौत हो गई। हमलावर भारतीय छात्र से कार छीनने की कोशिश कर रहे थे। मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। सी टी वी न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, गुरविंदर नाथ 9 जुलाई को देर रात 2 बजकर करीब 10 मिनट पर मिसिसॉगा के ब्रिटानिया और क्रेडिटव्यू रोड पर पिज्जा पहुंचा रहा था। तभी कुछ अज्ञात संदिग्धों ने उससे झगड़ा किया और उसका वाहन चुराने की कोशिश की। पील रीजनल पुलिस के होमीसाइड ब्यूरो के निरीक्षक फिल किंग ने कहा, जांचकर्ताओं का मानना है कि इसमें कई संदिग्ध शामिल हैं और पीड़ित को इस क्षेत्र में बुलाने के लिए खाना मंगवाया था। उन्होंने बताया कि जांचकर्ताओं ने हमले से पहले मंगाए गए पिज्जा (शेष पेज 9)

दिल्ली सरकार आरआरटीएस को दे 415 करोड़ रुपये: सुप्रीम कोर्ट

● दिल्ली को अलवर और पानीपत से जोड़ने वाली परियोजना से हाथ खीचने पर अदालत ने सरकार को लगाई फटकार, कहा- दो महीने में दें रकम

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय राजधानी को अलवर और पानीपत से जोड़ने के लिए प्रस्तावित रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) के दो गलियारों में अपने हिस्से का धन देने से हाथ खींचने पर सोमवार को दिल्ली सरकार को फटकार लगाई। शीर्ष अदालत ने इसके साथ ही दिल्ली सरकार को दो महीने के भीतर आरआरटीएस परियोजना के लिए 415 करोड़ रुपए देने का आदेश दिया। दिल्ली सरकार ने आरआरटीएस परियोजना के लिए धन देने में असमर्थता व्यक्त की थी, जिसके बाद शीर्ष अदालत ने उसे पिछले तीन वर्षों में विज्ञापनों पर खर्च किए गए धन को रिकॉर्ड पर रखने का निर्देश दिया था।आरआरटीएस परियोजना के तहत दिल्ली से उत्तर प्रदेश के मेरठ तक, राजस्थान के अलवर तक और हरियाणा के पानीपत तक तीन सेमी हाईस्पीड रेल गलियारों का निर्माण किया जाना है। दिल्ली-मेरठ गलियारे के पहले चरण का काम लगभग पूरा हो गया है।

न्यायमूर्ति एस. के. कौल और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की पीठ ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा गत तीन साल में विज्ञापनों पर खर्च की गई करीब 1,100 करोड़ रुपए की राशि को रेखांकित करते हुए टिप्पणी की कि अरविंद केजरीवाल सरकार धन मुहैया कराने के लिए बाध्य है, क्योंकि इस परियोजना से जुड़े अन्य राज्य भी भुगतान कर रहे हैं। पीठ ने कहा कि विज्ञापन पर (शेष पेज 9)

सार्वजनिक सूचना

ICICI Bank | शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लि., तृतीय तल, प्लॉट नंबर 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली–110005

निम्नलिखित कर्जदार/रों ने उनके द्वारा बैंक से प्राप्त की गई ऋण सुविधाओं के मूलधन और ब्याज के भुगतान में चूक की है और ये ऋण अनार्जक आस्तियों (एनपीए) के रूप में श्रेणीबद्ध किए गए हैं। उनको, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 (2) के अधीन एक सूचना उनके अंतिम ज्ञात पतों पर प्रेषित की गई थी, हालांकि यह सुपुर्द नहीं की जा सकी और इसलिए एतद्द्वारा उनको इस सार्वजनिक सूचना द्वारा अधिसूचित किया जा रहा है।

क्र. सं.	कर्जदार/सह–कर्जदार/गारंटर का नाम (ऋण खाता संख्या) एवं पता	प्रत्याभूत आस्ति/प्रवर्तित की जाने वाली आस्ति का सम्पत्ति पता	प्रेषित सूचना की तिथि/सूचना की तिथि तक बकाया राशि	एनपीए तिथि
1.	शीनी डेविड स्टीफन, सुरेश एन, फ्लैट नंबर 124, तृतीय तल, डीडीए एलआईजी, सरिता विहार, दिल्ली–110076 खाता नंबर :– LBDEL00005383701	डीडीए एलआईजी, फ्लैट नंबर 124, तृतीय तल, मदनपुर खादर, सरिता विहार, दिल्ली–110076	08–04–2022 रू. 51,50,213.83/–	09–01–2022
2.	प्रिया भाटिया, नितिन जैन, सी–8/82, यमुना विहार गुरूद्वार, दिल्ली–110053 खाता नंबर :– LBDEL00002374109	फ्लैट नंबर 2104, 21वां तल, टावर टी–8, प्लॉट नंबर एससी01/ए–2, "लोटस एरीना", स्थित प्लॉट एससी–01/ए2, स्पोर्ट्स सिटी, सेक्टर–79, नोएडा–201301	13–05–2023 रू. 41,48,404.00/–	03–02–2023
3.	राखी कुमारी, अच्युतानंद झा, टेलीओस सीएनसी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, आलोक पंकज, 1402, 14वां तल, मैया मार्वल, राज नगर एक्सटेंशन, गाजियाबाद–201017 खाता नंबर :– LBDEL00005455811	फ्लैट नंबर 1402, 13वां तल, (छत के अधिकार नहीं), मल्टी स्टोरी बिल्डिंग, मैया मार्वल, नूर नगर, राज नगर एक्सटेंशन, एनएच–58, परगना लोनी, तहसील एवं जिला गाजियाबाद–201001	13–05–2023 रू. 34,17,046.00/–	25–02–2023
4.	मनप्रीत सिंह, किरण राजपाल, 28, नवजीवन विहार, मालवीय नगर, आदचीनी, दिल्ली–110048 खाता नंबर :– LBNOD00001522599	अपार्टमेंट नंबर 88, 8वां तल, बिल्डिंग नंबर 104, डीएलएफ सिल्वर ओक अपार्टमेंट्स, डीएलएफ सिटी फेज–1, ग्राम चकरपुर एवं सिकंदरपुर घोसी, गुरूग्राम, हरियाणा	13–05–2023 रू. 38,81,196.88/–	08–02–2023
5.	देवी शरण चौहान, पम्मी चौहान, फ्लैट नंबर 736, जय श्री बालाजी ट्रेडर्स, टावर नंबर 09, रिवर हाइट्स, गाजियाबाद–201001 खाता नंबर :– LBGHZ00003511039	फ्लैट नंबर ए–1009, 10वां तल, "प्लैटीनम 321", टावर ए, खसरा नंबर 897, एनएच–58, राज नगर एक्सटेंशन, गाजियाबाद	13–05–2023 रू. 28,59,240.54/–	03–02–2023
6.	सुशील कुमार आर्य, रत्ना आर्य, 186, लक्ष्मी बाई नगर, टाइप–4, दिल्ली, नई दिल्ली–110023 खाता नंबर :– LBDEL00002992431	फ्लैट नंबर 1505, टावर डी, 15वां तल, मिस्टी हाइट्स, प्लॉट नंबर जीएच–01, सेक्टर निकटस्थ टेकजोन–4, स्पोर्ट्स सिटी, ग्रेटर नोएडा, नोएडा–201307	13–05–2023 रू. 25,18,151.00/–	03–02–2023
7.	संजीव कुमार, किरण देवी, सुखपाल सिंह, फ्रंटियर एचक्यू, बीएसएफ कश्मीर, निकट न्यू एयरपोर्ट, श्रीनगर, हुमहमा, बडगाम, जम्मू एवं कश्मीर–190001 खाता नंबर :– LBDEL00002891967	फ्लैट नंबर 706, 7वां तल, टावर सी, बुलंद कैलिस्टो, प्लॉट नंबर जीएच–02बी–1, सेक्टर–10, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्ध नगर, नोएडा–201301	13–05–2023 रू. 12,17,960.42/–	03–02–2023
8.	सौरभ गुप्ता, गौरव गुप्ता, बी–135, द्वितीय तल, सेक्टर–55, नोएडा, उत्तर प्रदेश–201301 खाता नंबर :– LBNOD00002026573	फ्लैट नंबर 501, 5वां तल, टावर ई–3, यूनिहोम्स फेज–2, प्लॉट नंबर जीएचपी–0001, सेक्टर–117, नोएडा–201305	13–05–2023 रू. 10,35,548.00/–	08–02–2023
9.	नेहा सिंह, राजन सिंह, लोटस ड्रीम प्रोजेक्ट ऐंड डेवलपर्स प्रा. लि., फ्लैट नंबर डी/303, ट्यूलिप आइवरी, सेक्टर–70, बादशाहपुर, गुरूग्राम, हरियाणा/ खाता नंबर :–एलबीजीयूआर00004404822	मकान नंबर 633/4, खसरा नंबर 292 मिन, प्राइवेट हिमसिटी, कंचनपुर, मठिहारी चिन्हट, लखनऊ–227105	13–05–2023 रू. 74,99,814.00/–	03–02–2023
10.	नेहा सिंह, रंजन सिंह, फ्लैट नंबर डी/303, ट्यूलिप आइवरी, सेक्टर–70, बादशाहपुर, गुरूग्राम–122001, हरियाणा/खाता नंबर :–एलबीजीयूआर00004221845	फ्लैट नंबर बी21/302, तृतीय तल, टावर बी–21, ट्यूलिप वायलेट, सेक्टर–69, गुरूग्राम, हरियाणा–122001	13–05–2023 रू. 22,73,693.13/–	03–02–2023
11.	राजीव अरोड़ा, आकृति अरोड़ा, एच नंबर बी 184 ए, न्यू पालम विहार फेज–1, निकट ग्लोबल पब्लिक स्कूल, गुरूग्राम, हरियाणा–122001/ खाता नंबर :–एलबीजीयूआर00005074388	फ्लैट नंबर डी–7103, द्वितीय तल, आरएलएफ दि पार्क, ब्लॉक डी, सेक्टर–54, भिवाडी	13–05–2023 रू. 9,03,683.01/–	27–02–2023
12.	पंकुर त्यागी, अभिषेक त्यागी, सुमन लता त्यागी, ए–54 ए, नंद ग्राम पी/ओ मरियम नगर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश–201001 खाता नंबर :– LBGHZ00004960883	फ्लैट नंबर 54 ए, भू तल, ब्लॉक–ए, नंद निकुंज, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश–201001	06–05–2023 रू. 15,85,340.33/–	03–02–2023
13.	अरूण कुमार राम, सरोज कुमारी, फ्लैट नंबर डी–703, प्लॉट नंबर 1, गनीनाथ अपार्टमेंट, सेक्टर–5, द्वारका, दिल्ली–110075 खाता नंबर :– LBDEL00002044703	फ्लैट नंबर 137, द्वितीय तल, सेक्टर–4, स्प्रिंगवुड एन्क्लेव, वेव सिटी, एनएच–24, गाजियाबाद–201001	13–05–2023 रू. 45,02,882.00/–	31–01–2016
14.	कमलेश चंद्र, फ्लैट नंबर 506, हिंडन हाइट्स अपार्टमेंट्स, सेक्टर–4, वैशाली, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश–201010 खाता नंबर :– LBNOD00001498847	फ्लैट नंबर 506, प्लॉट नंबर 21, हिंडन हाइट्स, सेक्टर–4, वैशाली, गाजियाबाद,	13–05–2023 रू. 11,02,048.61/–	08–02–2023
15.	आलोक मिश्रा, लक्ष्मी कांत मिश्रा, 32, गजारिया, प्रताप गढ़–229406, उत्तर प्रदेश–201010 खाता नंबर :– LBNOD00005315336	फ्लैट नंबर 505, द्वितीय तल, ब्लॉक ए, सेक्टर एमयू–II, ग्रेटर नोएडा, नोएडा–201310	13–05–2023 रू. 14,84,365.49/–	03–02–2023
16.	अनुपमा कुमारी, अमरेन्द्र कुमार, एच नंबर डी–112, गली नंबर 4, ओम एन्क्लेव पार्ट–II, निकट शनि मंदिर, सेक्टर–12, फरीदाबाद, हरियाणा–121003 खाता नंबर :– LBNOD00002195181	फ्लैट नंबर एन/यूएच–507, 5वां तल, टावर एन, अर्बन होम्स, ग्राम शाहपुर बम्हेटा, एनएच–24, गाजियाबाद	13–05–2023 रू. 12,78,535.00/–	03–02–2023
17.	विकास चंद्र मिश्रा, मानसुई ट्रेडिंग प्रा. लि., शशांक मंजरी, एच नंबर 7/3, सेक्टर–40, निकट हुडा मार्किट, गुरूग्राम–122001/ खाता नंबर :–एलबीजीयूआर00005076957	प्लॉट नंबर 779, बेसमेंट और अपर ग्राउंड फ्लोर, सेक्टर–40, अर्बन एस्टेट, गुरूग्राम–122001	13–05–2023 रू. 1,19,37,844.66/–	07–02–2023
18.	अश्वनी कुमार, मनीष कुमार, एच नंबर 4027, अपर ग्राउंड लोर, सैनिक कालोनी, सेक्टर–49, फरीदाबाद–121001/ खाता नंबर :–एलबीएफडीबी00005151560	प्लॉट नंबर 4002, ब्लॉक के, तल 4, सेक्टर–49, छत के अधिकार एवं सभी अधिकार सहित, सैनिक कालोनी, फरीदाबाद–121001	13–05–2023 रू. 38,73,968.00/–	27–02–2023
19.	रत्नेश चन्द्र झा, नीतू मिश्रा, एच नंबर 602, गंगा–04, जलालपुर सिटी, राम जय पाई पथ बानापुर, पटना, बिहार–801503 खाता नंबर :– LBNOD00002326658	फ्लैट नंबर एम/यूएच–1112, 11वां तल, टावर एम, अर्बन होम्स, ग्राम शाहपुर बम्हेटा, एनएच–24, परगना डासना, गाजियाबाद	13–05–2023 रू. 13,42,762.00/–	25–02–2023
20.	इरफान खान, कलकत्ता हरियाणा ट्रांसपोर्ट कम्पनी, सलीमुद्दीन, अफसाना, 6230, चतुर्थ तल, पक्की गली, बाड़ा हिन्दू राव, दिल्ली–110006/ LBDEL00005030156	फ्लैट नंबर 2 ए, द्वितीय तल (फ्रंट साइड), केएमसी प्रिमाइसेज नंबर 15, ब्रॉड स्ट्रीट, पुलिस स्टेशन करेया, कोलकाता–700019	13–05–2023 रू. 61,74,595.00/–	03–02–2023
21.	मनोज कुमार, किरण बाला, एच नंबर 839/13, बहादुरगढ़, झज्जर, हरियाणा–124507/ LBXBA00005905375	खेवट नंबर 670/579, खतौनी नंबर 1234, खाता नंबर 905, खसरा नंबर 775, 776 मौजा बहादुरगढ़, भगत सिंह कालोनी, रोहतक, हरियाणा	21–06–2023 रू. 8,70,107/–	03–06–2023
22.	मोहम्मद यूनुस रजा, मोहम्मद शावेज, फ्लैट नंबर 26ए पाकेट ए, एलआईजी डीडीए फ्लैट, न्यू जाफराबाद, शाहदरा, दिल्ली–110032/ LBDEL00004984167	सम्पत्ति सं. बी–64 (प्लॉट नंबर बी–64, ब्लॉक बी) तृतीय तल, छत के अधिकार सहित, ब्लॉक बी, डीडीए कालोनी, न्यू जाफराबाद इलाका, शाहदरा, दिल्ली	12–06–2023 रू. 10,84,906/–	03–08–2022
23.	मोहम्मद शहजाद, राशिदा मलिक, मकान नंबर 03, गली नंबर 01, गेझा, तिलपताबाद, निकट शिव मंदिर, सेक्टर–93, नोएडा–201304 खाता नंबर LBNOD00004964064	दुकान नंबर ओ–977, 9वां तल, विंग बी, गौड़ सिटी सेंटर, स्थित गौड़ सिटी प्लॉट नंबर जीएच–01, सेक्टर–4, ग्रेटर नोएडा, नोएडा–201307, उत्तर प्रदेश	08–06–2023 रू. 5,75,991.72/–	06–05–2022
24.	प्रदीप चावला, विकास भटनागर, मोनिका चावला, मैक्सामस फार्मा प्रा. लि., एच नंबर 23, तृतीय तल, राजीव एन्क्लेव, पाकेट–II, सेक्टर–5, रोहिणी, दिल्ली–110085/ LBDEL00002422012	सम्पत्ति सं. 37, द्वितीय तल, छत के अधिकार नहीं, पाकेट 3, ई ब्लॉक, सेक्टर–7, रोहिणी, दिल्ली–110085	08–06–2023 रू. 46,22,335/–	31–01–2021
25.	रमनीत सिंह खरबंदा, जतिन्दर खरबंदा, कवलजीत कौर, आई–20, लाजपत नगर–I, दिल्ली–110024/ LBDEL00000367674	डीडीए लैट्स–489, भू तल, एसएफएस–II, सेक्टर–22, एमआईजी लैट, पाकेट–1, द्वारका, नई दिल्ली–110045	10–06–2023 रू. 39,63,070/–	26–10–2003
26.	आरती, मुकेश कुमार, एच नंबर 479 एफएफ, गेट नंबर 5, सेक्टर–29, हरियाणा, फरीदाबाद–121005/ खाता नंबर :–एलबीएफडीबी00004906934	फ्लैट नंबर ए2–706, 7वां तल, हैबीटैट–78 सेक्टर–78, हरियाणा, फरीदाबाद–121001	12–06–2023 रू. 21,03,199/–	06–04–2023
27.	जय प्रकाश पांडे, संजू पांडे, ए–520, सेक्टर–47, उत्तर प्रदेश, नोएडा–201301/ LBDEL00002017836	फ्लैट नंबर बी–909, 9वां तल, टावर बी, एवीजे हाइट्स, प्लॉट नंबर जीएच–12/2, सेक्टर–जीटा–1, गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, ग्रेटर नोएडा–201307	12–06–2023 रू. 10,38,458/–	11–04–2023
28.	नीरज गुप्ता, राखी बुबना, नवकॉम टेक्नोलॉजीज, सी–7/130, सेक्टर–8, रोहिणी, दिल्ली, दिल्ली –110085 खाता नंबर :– LBDEL00002030314	सम्पत्ति सं. 280, सम्पूर्ण द्वितीय तल (छत का अधिकार नहीं), ब्लॉक सी, छत/टेरेस का अधिकार नहीं, प्रशांत विहार आवासीय स्कीम, प्रशांत विहार (स्टिल्ट पार्किंग लोर के 1/4 अविभाजित हिस्सा तथा कॉमन सुख–सुविधाओं के अधिकार के साथ नीचे भूमि का यथानुपात फ्रीहोल्ड अधिकार) , दिल्ली–110085	12–06–2023 रू. 21,22,308.98/–	10–04–2023
29.	पंकज शुक्ला, बबली द्विवेदी, 13/224, प्रथम तल, वसुंधरा, उत्तर प्रदेश, गाजियाबाद–201012 खाता नंबर :– LBNOD00002060108	फ्लैट नंबर एफ–0608, "स्प्रिंगव्यू हाइट्स" स्थित क्रीसेंट पार्क टाउनशिप, एनएच–24, उत्तर प्रदेश, गाजियाबाद–201001	12–06–2023 रू. 18,04,123/–	03–04–2023
30.	कमल कुमार, सतेन्द्र सिंह, फ्लैट–2050, मंगोलिया टावर, गौड़ सौंदर्यम, जीएच–05 सी, सेक्टर–टेकजोन–4, दिल्ली–110016 खाता नंबर :– LBDEL00005195931	फ्लैट नंबर 2608, 25वां तल, ब्लॉक ट्यूलिप, "गौड़ सौंदर्यम", प्लॉट नंबर जीएच–05 सी, सेक्टर–टेकजोन–4, गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, ग्रेटर नोएडा–201307	12–06–2023 रू. 41,18,618/–	08–04–2023
31.	मनीष सौरव, सोमा राज, बी–2/85, प्रथम तल, सेक्टर–16, रोहिणी, नई दिल्ली–121007 खाता नंबर :– LBDEL00003195875	फ्लैट नंबर टी–9/503, 5वां तल, टावर 9, "सनवर्ल्ड ऐरिस्टा", स्थित जीएच–01/सी, सेक्टर–168, फेज–II, गौतमबुद्ध नगर, नोएडा–201301	12–06–2023 रू. 67,07,252/–	03–04–2023
32.	निशा कुमारी, मनीष कुमार, बी 94, द्वितीय तल, सेक्टर–48, नोएडा, जी बी नगर, नोएडा खाता नंबर :– LBNOD00002962269	यूनिट नंबर जी–1608, टावर जी, 16वां तल, "फ्यूचर एस्टेट", प्लॉट नंबर जीएच–16 ई, सेक्टर–1, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्ध नगर–201307, उत्तर प्रदेश	12–06–2023 रू. 26,20,646.34/–	06–04–2023
33.	शशि भूषण उपाध्याय, सुरभि उपाध्याय, लॉरिएट क्लोदिंग, ए–29, सेक्टर–67, नोएडा–201301 खाता नंबर :– LBDEL00004928446	फ्लैट नंबर 2003, 20वां तल, टावर यू, "दि हाइड पार्क", स्थित जीएच–003, सेक्टर–78, गौतमबुद्ध नगर, नोएडा–201301	16–06–2023 रू. 79,10,941.96/–	06–04–2023
34.	राजेश कुमार नागर, सीमा नागर, बी–49, एमआईजी फ्लैट्स, दिल्ली–110096 खाता नंबर :– LBGUR00004707923	मकान नंबर 413, ब्लॉक ए, सेक्टर–03, जिला गौतमबुद्ध नगर, ग्रेटर नोएडा–201307	16–06–2023 रू. 47,98,950.26/–	06–04–2023
35.	संजीव रंजन दास, सुमिता दास, ई–112 बी, सेक्टर–12, प्रताप विहार, विजय नगर, गाजियाबाद–201010 खाता नंबर :– LBDEL00002364358	फ्लैट नंबर 1129, 11वां तल, एमआईजी–1 सिद्धि टावर, महागुन मंत्रा–II, स्थित प्लॉट नंबर जीएच–01, सेक्टर–10, गौतमबुद्ध नगर, ग्रेटर नोएडा–201307	16–06–2023 रू. 24,90,318/–	03–04–2023
36.	साक्षी सक्सेना, सविता सक्सेना, 75, श्रेष्ठ विहार, तृतीय तल, आनंद विहार, ईस्ट दिल्ली–110092 खाता नंबर :– LBDEL00005573062	फ्लैट नंबर टी 6–1702, 17वां तल, एस डिवाइनो, स्थित प्लॉट नंबर जीएच–14ए, सेक्टर–1, ग्रेटर नोएडा वेस्ट–201301	16–06–2023 रू. 10,19,095/–	06–04–2023
37.	राज शर्मा/कुमकुम शर्मा/राम जतन विश्वकर्मा, फ्लैट नंबर 32, द्वितीय तल, ब्लॉक बी–18, पाकेट–1, सेक्टर–34, रोहिणी बरवाला, दिल्ली–110039/ LBDEL00002404274	फ्लैट नंबर 32, द्वितीय तल, पाकेट–1, ब्लॉक बी–18, सेक्टर–34, रोहिणी, दिल्ली–110085	16–06–2023 रू. 9,22,449/–	06–03–2023
38.	सीमा भंडारी, संजय भंडारी, डीजेए अपार्टमेंट्स, प्लॉट नंबर 1 ए, फ्लैट नंबर 515, सेक्टर–13, द्वारका, दिल्ली– 110075 खाता नंबर – एलबीजीएचजैड00001246637	फ्लैट नंबर जे 603, छठा तल, प्लूमेरिया गार्डन एस्टेट, ग्रेटर नोएडा–201308	16–06–2023 रू. 6,81,583.55/–	03–04–2023
39.	आईटीई इंजीनियर्स प्रा. लि., अश्वनी कुमार अरोड़ा, आशा अरोड़ा, प्लॉट नंबर 1678, सेक्टर–9, हरियाणा, फरीदाबाद–121002/ खाता नंबर :–एलबीएफडीबी00005164908	प्लॉट नंबर 1678, सेक्टर–009, अर्बन एस्टेट, हरियाणा, फरीदाबाद–121001	19–06–2023 रू. 27,18,943.36/–	06–04–2023
40.	आशीष शर्मा, यूनिक कूलिंग सॉल्यूशन्स प्रा. लि., अंजू कुमारी, फ्लैट नंबर सी–802, ट्यूलिप सेक्टर–89, गुरूग्राम–122505/ खाता नंबर LBDEL00004964169	फ्लैट नंबर बी 1/1202, 12वां तल, टावर नंबर बी 1, "ट्यूलिप एस", स्थित राजस्व ग्राम हयातपुर, सेक्टर–89, गुरूग्राम–122505	24–06–2023 रू. 49,88,210.36/–	06–03–2023
41.	दीपक कुमार मिश्रा, रेखा मेहता, फ्लैट नंबर 204, द्वितीय तल, आरती अपार्टमेंट, ब्लॉक–ए, अनंगपुर डेरी, सेक्टर–37, फरीदाबाद, हरियाणा–121003 खाता नंबर – एलबीजीएचजैड00005174102	अपार्टमेंट नंबर सी 207, द्वितीय तल, टावर सी, मलबरी काउंटी, स्थित ग्राम मुजेड़ी, सेक्टर–70, तहसील बल्लभगढ़, फरीदाबाद, हरियाणा–121001	24–06–2023 रू. 18,08,469/–	11–04–2023
42.	कृष्ण कुमार, रेखा शर्मा, एच नंबर 613, 12 मीटर रोड, सेक्टर–65, बल्लभगढ़, फरीदाबाद–121002 खाता नंबर – एलबीएफडीबी00005337380	प्लॉट नंबर 499, सेक्टर–65, अर्बन एस्टेट हुडा, फरीदाबाद, हरियाणा–121001	24–06–2023 रू. 9,73,440/–	12–09–2022
43.	कृष्ण कुमार, रेखा शर्मा, विष्णु दत्त कौशिक, एच नंबर 613, 12 मीटर रोड, सेक्टर–65, बल्लभगढ़, फरीदाबाद–121002 खाता नंबर – एलबीएफडीबी00002946348	प्लॉट नंबर 499, सेक्टर–65, अर्बन एस्टेट हुडा, फरीदाबाद, हरियाणा–121001	24–06–2023 रू. 10,34,995/–	12–09–2022
44.	प्रवीण प्रताप सिंह, शीतल, मकान नंबर 529, द्वितीय तल, ऑर्चिड लैंड, सेक्टर–51, गुरूग्राम–122001/ खाता नंबर LBDEL00005375230	अपार्टमेंट नंबर ए, टावर नंबर ईएफ–29, भू तल और प्रथम तल, एक्सक्लूसिव फ्लोर, प्रिमांती बिल्डिंग, सेक्टर–72, गुरूग्राम–122001	26–06–2023 रू. 2,74,34,454/–	08–04–2023
45.	विक्रम सिंह, जोगिन्दर कौर, ए 7/80 81, प्रथम तल, सेक्टर–17, रोहिणी, दिल्ली–110089/ LBDEL00004926270	सम्पत्ति सं. 80 एवं 81, सम्पूर्ण प्रथम तल, छत के अधिकार नहीं, ब्लॉक ए, पाकेट–7, सेक्टर–17, रोहिणी आवासीय स्कीम, रोहिणी, दिल्ली–110085	26–06–2023 रू. 18,75,397/–	06–03–2023
46.	अन्नपूर्णा श्रीवास्तव, अन्नपूर्णा श्रीवास्तव, सन्वी श्रीवास्तव (चूंकि नाबालिग) कानूनी स्वाभाविक संरक्षक अन्नपूर्णा श्रीवास्तव के माध्यम से, समृद्ध श्रीवास्तव (चूंकि नाबालिग) कानूनी स्वाभाविक संरक्षक अन्नपूर्णा श्रीवास्तव के माध्यम से, प्लॉट नंबर 129, एसएफ 1 ज्ञान खंड 1, शिप्रा सन सिटी, शिप्रा सन सिटी, गाजियाबाद–201014 खाता नंबर :– LBNOD00005214796	प्लॉट नंबर 515, ब्लॉक ए, सेक्टर–46, गौतमबुद्ध नगर, नोएडा–201301	26–06–2023 रू. 1,28,36,385/–	03–01–2022

सूचना प्रदान करने हेतु वैकल्पिक कदम उठाए जा रहे हैं। उपरोक्त कर्जदार/रों तथा/अथवा उनके गारंटरों (जैसा लागू है) को बकाया राशि का भुगतान इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 60 दिन के भीतर करने की सलाह दी जाती है, अन्यथा आगे वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002, के प्रावधानों के अनुसार आगे कदम उठाए जाएंगे।

तिथि : 25 जुलाई, 2023
स्थान : दिल्ली/एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

उफान पर हिंडन, डूबने से दो किशोरों की मौत

● करहेड़ा गांव और उसके आसपास की बस्तियां जलमग्न हुई

हिंडन नदी में उफान के बाद राहत और बचाव कार्य में लगी एनडीआरएफ

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

हिंडन नदी के उफान पर होने के चलते करहेड़ा में आए पानी में दो किशोरों की डूबने से मौत हो गई है। एनडीआरएफ और पुलिस द्वारा शव मिलने की पुष्टि की गई है। मृतक किशारों में कृष मिश्रा और आर्दश है।

बता दें कि मृतक युवकों के परिजनों ने किशोरों के लापता होने की सूचना दी थी। सुबह जिला प्रशासन और एनडीआरएफ की टीमों ने करहेड़ा में किशोरों की तलाश में काम्बिंग शुरू की। घंटों की मशक्कत के बाद दोनों बच्चों के शव करहेड़ा में ही एक स्थान पर पानी में फंसे मिले। एडिशनल कमिश्नर दिनेश पी ने भी दो युवकों के शव मिलने की पुष्टि की है। एडिशनल कमिश्नर ने बताया कि किशोरों की तलाश में अभियान चलाया गया था, दोनों किशोरों के शव बरामद किए गए हैं। वहीं किशोरों के शव मिलने से परिजनों में हड़कंप मच गया। हिंडन नदी लगातार उफान पर होने के कारण करहेड़ा गांव और उसके आसपास की बस्तियां जलमग्न हो गई हैं।

जिला प्रशासन, एनडीआरएफकी सहायता से लगातार लोगों को वहां से निकाल कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचा रही हैं। क्षेत्र में पानी बढ़ने के कारण हजारों लोग अपना घरबार छोडकर रिश्तेदारी या फिर राहत कैंपों में शरण लिए हुए हैं। लोगों को क्षेत्र से लगातार पलायन जारी है। प्रशासन की टीमें करहेड़ा और अटोर में ही डेरा डाले हुए हैं और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रही हैं। करहेड़ा क्षेत्र में लगातार पानी बढ़ रहा है। इसकी वजह से राहत कार्यो में जहां दिक्कतें आ रही हैं वहीं पानी का फैलाव अधिक होने से लोगों को अपने घरों को छोड़ना पड रहा है। करहेड़ा में कई.कई फुट पानी भर गया है। कुछ लोग निचले फ्लोर को छोडकर दूसरी मंजिल पर शरण लिए हुए हैं लेकिन उन्हें भी वहां से निकाला जा रहा है। एडीएम वित्त एवं राजस्व विवेक श्रीवास्वत ने बताया कि करहेड़ा में लगातार पानी बढ़ रहा है हालांकि पानी बढ़ने का फ्लो बेहद कम हैं लेकिन फिर भी पानी का आना थम नहीं रहा है। वहीं अटौर नंगला में स्थिति जस की तस बनी हुई है। यहां राहत है कि पानी का स्तर नहीं बढ़ रहा है। जो पानी मौजूद है उससे निकालने का प्रयास किया जा रहा है। हिंडन नदी इन दिनों उफान पर है जिसकी वजह से करहेड़ा, अटौर नंगला सहित कई क्षेत्र में पानी में डूबे हुए हैं। हजारों लोग इससे प्रभावित हैं। लेकिन पानी का बढ़ता जल स्तर हिंडन नदी में बड़े पैमाने पर उग आई जलकुंभी भी एक बड़ा कारण बन गई है। इन जलकुंभी की वजह से पानी पूरे फ्लो में आगे की ओर नहीं बढ़ पा रहा है। पानी के बैक मारने से वह करहैडा क्षेत्र में फैल गया है। जीडीए द्वारा सिटी फॉरेस्ट पर बने पुल पर जलकुंभी का पहाड बना हुआ है। अगर पुल के इस हिस्से को नहीं काटा गया तो पानी का स्तर करहेड़ा में लगातार बढता रहेगा। इसकी वजह से पूरा साहिबाबाद, मेट्रो आदि का परिचालन बाधित हो सकता है।

सब स्टेशन से बिजली सप्लाई बंद

हिंडन में पानी आने के चलते करहेड़ा सब स्टेशन में चार से छह फुट तक पानी भर गया है इसकी वजह से सब स्टेशन से बिजली सप्लाई अनिश्चित काल के लिए बंद कर दी हैं। इसके बाद एहतियात के तौर पर 132 केवी कान्हा उपवन व 220 केवी मोरटी बिजली घर में भी पानी आने के बाद उसे बंद कर दिया गया है इसकी वजह से पूरे नदंग्राम क्षेत्र, घूकना सहित राजनगर एक्सटेंशन की कई सोसायटी में बिजली गुल हो गई है। कोयल एन्क्लेव बिजली घर भी बंद कर दिया गया है। जोन-4 के एक्सइन इंजीनियर राजीव कुमार आर्या ने बताया कि जब तक बिजली घरों से पानी पूरी तरह से नहीं निकल जाएगा तब तक इनसे जुड़े क्षेत्रों में सप्लाई बहाल नहीं की जाएगी। लोगों को इस सम्बंध में सूचना जारी कर दी गई है।

नगर आयुक्त और गाजियाबाद की मेयर ने किया दौरा

गाजियाबाद। सुबह दिन निकलते ही नगर आयुक्त नितिन गौड़ ने बाढ़ ग्रस्त एरिया का दौरा किया। एलडीआरएफके अधिकारियों के साथ मिलकर रेस्क्यू व्हीकल के जरिए नगर आयुक्त ने कई गांवों में दौरा किया। देखा की कहीं ऐसा तो नहीं है कि किसी मकान आदि में काई व्यक्ति फंसा हो और उसको रेस्क्यू नहीं किया गया हो। नगर आयुक्त बाढ़ के बचाव और लोगों को खाने पीने के लिए चल रहे अभियान पर नजर रखे हुए है। बाद में नगर आयुक्त ने सिटी फॉरेस्ट एरिया का भी जायजा लिया। यहां सिटी फॉरेस्ट एरिया में करहेडा की ओर से ट्रेकर और एनडीआरएफके रेस्क्यू वाहन के जरिए नगर आयुक्त ने निरीक्षण किया। प्रभावित लोगों से महापौर सुनीता दयाल ने मुलाकात का हालात का जायजा लिया। लगभग 700 लोग निगम के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। महापौर ने देखा छोटे बच्चे भी हैं जिसके लिए तत्काल निर्देश दिए दूध एवं बिस्कुट की व्यवस्था करवाई।

करोड़ों की लागत से नया एबीसी सेंटर

गाजियाबाद। सिटी में एक और एबीसी एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर बनेगा। इस पर करीब दो करोड़ रुपये खर्च होंगे। राज्य स्मार्ट सिटी योजना के तहत एबीसी सेंटर का डीपीआर तैयार कर शासन के पास मंजूरी को भेजा गया है। नगर निगम को उम्मीद है कि जल्दी ही इसके लिए शासन की मंजूरी मिल जाएगी।

अभी गाजियाबाद में आवारा कुत्तों की नसबंदी के लिए केवल एक ही एबीसी सेंटर चल रहा है। एबीसी सेटर में हर रोज दस से पन्द्रह आवारा ड़ोगी की नसबंदी की जाती है। अनुमान है कि गाजियाबाद में कई लाख आवारा कुत्ते हो सकते हैं।

गाजियाबाद में 1.25 करोड़ की अफीम पकड़ी

● झारखंड से लाकर यूपी करते थे सप्लाई

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम ने सवा करोड़ रुपए कीमत की अफीम सहित दो तस्करों को गिरफ्तार किया है।

ये तस्कर झारखंड से अफीम लाकर उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब में सप्लाई करते थे। सच्चिदानंद ने बताया, पकड़े गए आरोपी छोटू कुमार और राजेंद्र कुमार दांगी हैं। दोनों झारखंड में जिला चतरा के रहने वाले हैं। आरोपियों से 5 किलो अफीम बरामद हुई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय मार्केट में कीमत 1 करोड़ 25 लाख रुपए के आसपास है। क्राइम ब्रांच ने दोनों आरोपियों को साहिबाबाद थाना क्षेत्र में मोहननगर कट के पास से पकड़ा है, जहां वे किसी को सप्लाई देने आए थे। पूछताछ में छोटू ने बताया, मैं झारखंड का रहने वाला हूं। थोड़ी.बहुत खेतीबाड़ी है। इसमें जैसे.तैसे घर के राशन की पूर्ति हो पाती है। हमारी तरफ मादक पदार्थों की तस्करी का काम होता है। ऐसे ही एक गैंग से मेरा संपर्क हुआ और फिर मैं शंभू मुंडा के लिए ये धंधा करने लगा। दूसरे आरोपी राजेंद्र डांगी ने बताया, मैं नौवीं पास हूं। इसके बाद फर्नीचर का काम सीखकर मुंबई चला गया। वहां आमदनी अच्छी नहीं होने पर वापस झारखंड लौट आया और छोटू से संपर्क हुआ। छोटू ने मुझे अपने धंधे में जोड़ लिया। ये गिरोह झारखंड से माल की डिलीवरी लेने के बाद अपने फोन बंद कर लेता था।

रखरखाव शुल्क के बकाएदारों पर होगा एक्शन, जीडीए थमाएगा नोटिस

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

जीडीए अब बकाया मेंटीनेंस नहीं देने वालों पर एक्शन लेने जा रहा है। अगले महीने से इंदिरापुरम कॉलोनी में इसके लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा।

जो जीडीए का मेंटीनेंस चार्ज नहीं देगा जीडीए एक्शन लेगा। इंदिरापुरम कॉलोनी का रखरखाव अभी जीडीए के अंडर में है। इस कॉलोनी से नगर निगम हाउस टैक्स की वसूली करता है। जबकि साफसफाई, पानी सप्लाई, ड्रेनेज सिस्टम और सीवर लाइन के रखरखाव आदि का कार्य जीडीए करता है। इसके बदले में जीडीए कॉलोनी के आवंटियों से मेंटीनेंस खर्च की वसूली करता है। जीडीए का इस कॉलोनी में करीब 16 करोड़ रुपये से अधिक का पुराना मेंटीनेंस चार्ज बकाया है।

जीडीए अब ऐसे ही बकाएदारों पर सख्ती करने की तैयारी में है। ऐसे आवंटियों की सूची तैयार की जा रही है जिन पर मोटा बकाया बचा हुआ है। ऐसे आवंटियों को जीडीए जल्दी ही नोटिस थमाने की कोशिश में लगने जा रहा है। माना जा रहा है कि अगले महीने से जीडीए नोटिस जारी करेगा।

पुलिस से मुठभेड़ में 6 चोर गिरफ्तार

पायनियर समचार सेवा। नोएडा

नोएडा पुलिस और स्वाट टीम की 24 जुलाई सोमवार सुबह करीब 4;30 बजे के आसपास नोएडा के सेक्टर 11 में स्थित मदर डेरी के पास चोरों के बीच मुठभेड़ हो गई।

इस मुठभेड़ में एक चोर को पुलिस ने घायल होने के बाद पकड़ा है। यह घायल चोर शातिर चोर गिरोह का सरगना बताया गया है। उसके गिरोह के सभी 6 सदस्यों को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सेक्टर 24 थाने की पुलिस व पुलिस की स्वॉट टीम गश्त कर रही थी। इसी दौरान शक होने पर सेक्टर 11 में दो मोटर साइकिल सवार युवकों को रोका गया। एक मोटर साइकिल तो रुक गई लेकिन दूसरी मोटर साइकिल का चालक पुलिस पर फायर करता हुआ भागने लगा। जिसके बाद पुलिस की जवाबी करवाई पर गोली पैर में लगने से मोटर साइकिल सवार गिर पड़ा जिसे पुलिस ने पकड़ लिया।

पुलिस मुठभेड़ में घायल हुआ मोटर साइकिल सवार एक शातिर चोर गिरोह का सरगना निकला। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक इस सरगना का नाम रियासत अली है। वह मूल रूप से यूपी बिजनौरी का रहने वाला है। वह गिरोह बनाकर नोएडा के सेक्टरों में चोरी करता था। पुलिस ने उसके पांच और साथियों को गिरफ्तार किया है।

सीमा के दस्तावेज जांच के लिए पाक दूतावास भेजे

● पुलिस को पाकिस्तानी महिला के मोबाइल की फोरेंसिक रिपोर्ट का भी इंतजार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा पुलिस ने सीमा हैदर से मिले सभी डॉक्यूमेंट्स आइडेंटिटी कार्ड और 6 पासपोर्ट को उसकी पहचान के वैरिफिकेशन के लिए दिल्ली में पाकिस्तानी दूतावास को भेज दिया है।

साथ ही सीमा से मिले मोबाइल की फोरेंसिक रिपोर्ट का भी इंतजार है। कहा जा रहा है कि यह पूरी प्रक्रिया सीमा हैदर को पाकिस्तान डिपोर्ट करने के लिए की जा रही है। वहीं पाकिस्तान से भारत आई सीमा हैदर से मिलने के लिए सुप्रीम कोर्ट के एडवोकेट डॉ एपी सिंह सोमवार को उसके प्रेमी सचिन के घर पहुंचे। ग्रेटर नोएडा स्थित सीमा और सचिन ने अपने ही वकील के लिए काफी देर तक दरवाजा नहीं खोला। एपी सिंह घर के बाहर खड़े रहे। उन्होंने दरवाजा खुलवाने के लिए पुलिस को फोन किया। एडवोकेट ने पुलिस से कहा कि राष्ट्रपति के यहां सीमा की तरफ से याचिका लगाई है। सचिन.सीमा से अकेले ही मिलेंगे। कोई और सदस्य नहीं जाएगा। दरवाजा खुलवा दीजिए। इसके बाद पुलिस के कहने पर सचिन ने दरवाजा खोला और सीमा-सचिन ने पैर छूकर एडवोकेट सिंह का स्वागत किया।

इसके बाद एपी सिंह अंदर गए और बंद कमरे में दोनों से बातचीत की। बाहर निकलकर एपी सिंह ने बताया कि सीमा हैदर की तबीयत खराब है। सीमा ने कहा है कि वह पाकिस्तान नहीं जाएगी। भारत की जेल में सारी जिंदगी बिता देगी।

उधर, सीमा मामले में नोएडा पुलिस के हाथ अहम सुराग लगा है। रविवार रात नोएडा पुलिस ने बुलंदशहर के एक जनसेवा केंद्र पर छापा मारा। पुलिस सचिन मीणा को लेकर अहमदगढ़ थाना क्षेत्र के गांव गंगाबांस में जनसेवा केंद्र पहुंची। यहां से दो भाइयों पुष्पेंद्र मीणा और पवन मीणा को हिरासत में लिया। साथ ही कंप्यूटर, प्रिंटर आदि सामान भी कब्जे में लिया है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ऐ, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादक: नवीन उपाध्याय, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।

अब गरीब लोग भी पियेंगे आरओ का पानी

शहर भर में लगेंगे 500 आरओ, पायलट प्रोजेक्ट के तहत चार प्लांट शुरू

मुख्यमंत्री ने मायापुरी फेस दो की खजान बस्ती में किया वाटर एटीएम का उद्घाटन

● हर व्यक्ति को वॉटर एटीएम कार्ड दिया जाएगा, जिससे वो रोजाना 20 लीटर पानी मुफ्त ले सकेगा : सीएम

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अमीर लोगों की तरह ही अब दिल्ली के गरीब लोग भी आरओ का साफ पानी पियेंगे। जिन इलाकों में किसी कारण पानी की पाइप लाइन नहीं डाली जा सकती, वहां आरओ प्लांट लगाकर दिल्ली सरकार लोगों को साफ पानी मुहैया कराएगी। हर व्यक्ति को वॉटर एटीएम कार्ड दिया जाएगा, जिससे वो आरओ प्लांट से रोजाना 20 लीटर पानी मुफ्त ले सकेगा।

पायलट प्रोजेक्ट के तहत चार आरओ प्लांट शुरू हो चुके हैं और 500 आरओ प्लांट लगाने की तैयारी चल रही है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को मायापुरी फेस दो के खजान बस्ती में आरओ एटीएम का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हर घर तक साफ-स्वच्छ पानी पहुंचाने के मिशन में वह वॉटर-एटीएम जैसा अनूठा प्रयोग भी कर रहे हैं। जहां-जहां टैंकर से पानी देना पड़ता है वहां पर वॉटर-एटीएम शुरू करेंगे।

केजरीवाल ने कहा कि खजान बस्ती के अलावा शकुरबस्ती, कालका और झरौदा में आरओ प्लांट शुरू हो चुके हैं। आने वाले दिनों में इस तरह के करीब 500 आरओ प्लांट लगाए जाएंगे। हर व्यक्ति को वॉटर एटीएम कार्ड दिया जाएगा, जिसकी मदद से वो प्रतिदिन 20 लीटर मुफ्त पानी ले सकेगा। केजरीवाल ने कहा कि कई इलाके ऐसे हैं, जहां बहुत ज्यादा घनी आबादी है। कई इलाकों में टैंकर से नियमित रूप से पानी की आपूर्ति की जाती है। कई कारणों से ऐसे इलाकों में पानी की पाइप लाइन नहीं डाली जा सकती। ऐसे इलाकों में पानी की पर्याप्त आपूर्ति के लिए तकनीक का इस्तेमाल कर नया तरीका निकाला है।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मायापुरी फेस दो के खजान बस्ती में आरओ एटीएम का किया उद्घाटन।

जहां भू-जल स्तर ऊंचा होगा वहां लगेगा ट्यूबवेल

जिन इलाकों में भू-जल स्तर ऊंचा होगा, वहां पर ट्यूबवेल लगाएंगे। कई इलाकों में भू-जल की गुणवत्ता बहुत अच्छी नहीं है। ट्यूबवेल से इस पानी को निकालेंगे और आरओ से उसकी सफाई करेंगे। इसके बाद आरओ का पानी लोगों को दिया जाएगा। इसके लिए लोगों को वाटर एटीएम (कार्ड) जारी किया गया है। टैंकर से पानी लेने के दौरान लड़ाई झगड़े हुआ करते थे। जहां पर ट्यूबवेल थे, उसका पानी गंदा आता था। लोग गंदे पानी से परेशान थे। ऐसे सभी इलाकों के अंदर आरओ प्लांट लगाने की योजना है।

आरओ प्लांट प्रोजेक्ट की विशेषताएं

विभिन्न जेजेसी में पायलट प्रोजेक्ट के तहत अभी 50 केएलडी के 30 आरओ प्लांट लगाए जाएंगे। प्रत्येक आरओ प्लांट के लिए 10 लाख रुपए का खर्च करेगा। डीजेबी उपयोग के अधिकार के आधार पर मुफ्त भूमि प्रदान/व्यवस्था करेगा। ट्यूबवेल से आरओ इंस्टॉलेशन तक भूजल/कच्चा पानी डीजेबी द्वारा मौजूदा ट्यूबवेल से या नए ट्यूबवेल की स्थापना से उपलब्ध कराया जाएगा। डीजेबी उपभोक्ताओं को आरओ प्लांट से मुफ्त में पानी लेने के लिए ऑपरेटर के माध्यम से आरएफआईडी कार्ड दिलाएगा। डीजेबी उपभोक्ताओं को आपूर्ति किए गए पानी के लिए भुगतान करेगा। ऑपरेटर को डीजेबी का भुगतान ऑपरेटर द्वारा प्रदान किए जाने वाले आरएफआईडी कार्ड खपत के अनुसार होगा। डीजेबी द्वारा जारी आरएफआईडी कार्ड के अलावा किसी अन्य तरीके से पानी की बिक्री की अनुमति नहीं होगी। शुद्ध पानी की दर 1.60 रुपये प्रति 20 लीटर (यानी 8 पैसे प्रति लीटर) है, लेकिन दिल्ली जल बोर्ड द्वारा नजदीकी जेजेसी निवासियों को यह पानी मुफ्त दिया जाएगा।

राजधानी के ढाई हजार परिवारों को वाटर एटीएम कार्ड दिए

अभी तक दो हजार परिवारों को वाटर एटीएम कार्ड दिया जा चुका है। अभी चार आरओ प्लांट शुरू हो चुके हैं। केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा, हर घर तक साफ-स्वच्छ पानी पहुंचाने के मिशन में वॉटर-एटीएम जैसा अनूठा प्रयोग भी कर रहे हैं। जहां-जहां हमें टैंकर से पानी देना पड़ता है, वहां वॉटर-एटीएम शुरू करेंगे। सरकार के इस कदम के बाद आम लोगों तक स्वच्छ पानी देने में मदद मिलेगी।

सीएम ने पिया आरओ का पानी

डीजेबी के अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र के लोगों को एक कार्ड दिया गया है। उस कार्ड की मदद से लोग 5, 10 या 20 लीटर आरओ का पानी ले सकते हैं। इस दौरान कार्ड के जरिए पानी लेने वाले कुछ लोग भी मौजूद थी। अधिकारियों ने लोगों को कार्ड से पानी लेते हुए दिखाया और मुख्यमंत्री ने खुद भी आरओ का पानी पिया। आरओ का पानी उच्च गुणवत्ता का मीठा है।

पानी बढ़ने से पुराने लोहे के पुल को पूरी तरह बंद कर दिया गया। फोटो: रंजन डिमरी

यमुना का जलस्तर कुछ कम हुआ, रेल पुल बंद

● बाढ़ प्रभावित निचले इलाकों मे राहत के काम पर पड़ा असर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

यमुना नदी का जलस्तर सोमवार को खतरे के निशान 205.33 मीटर से एक मीटर से अधिक ऊपर रहा, जिसके कारण प्रशासन ने ओल्ड रेलवे ब्रिज (ओआरबी) पर रेलगाड़ियों का आवागमन रोक दिया। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के अनुसार, ओल्ड रेलवे ब्रिज पर यमुना नदी का जल स्तर शाम पांच बजे 206.30 मीटर दर्ज किया गया। सुबह पांच से सुबह सात बजे के बीच जल स्तर 205.56 मीटर था और सुबह आठ बजे इसमें मामूली गिरावट आई और यह 206.54 मीटर दर्ज किया गया तथा दोपहर 12 बजे 206.47 मीटर दर्ज किया गया।

आयोग ने अनुमान जताया है कि जल स्तर सोमवार देर रात दो बजे तक कम होकर 206.22 मीटर तक आ जाएगा। ओआरबी पर नदी का जलस्तर 13 जुलाई को 208.66 मीटर के अब तक के सर्वाधिक ऊंचे स्तर पर पहुंचने के बाद कुछ दिन से खतरे के निशान के आस-पास है। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश के बाद हथिनीकुंड बैराज से नदी में पानी छोड़े जाने के बाद यमुना का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर चला गया था। रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि ओआरबी पर रेलगाड़ियों का परिचालन यमुना के जलस्तर में बढ़ोतरी के कारण निलंबित कर दिया गया है। दिल्ली और शाहदरा के बीच मार्ग बंद रहेगा और रेलगाड़ियों को नई दिल्ली के रास्ते भेजा जाएगा। नदी के जलस्तर में वृद्धि से राष्ट्रीय राजधानी के बाढ़ प्रभावित निचले इलाकों में राहत एवं पुनर्वास के काम पर असर पड़ सकता है।

सीडब्ल्यूसी के आंकड़ों के अनुसार, यमुना का जलस्तर शनिवार रात 10 बजे 205.02 मीटर से बढ़कर रविवार देर रात तीन बजे 206.57 मीटर पर पहुंच गया जिसके बाद इसमें गिरावट आने लगी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 25 जुलाई तक हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश होने का अनुमान जताया है।

दिल्ली विश्वविद्यालय ने सीएसएएस के पहले, दूसरे चरण की बढ़ाई तारीख

● जिन उम्मीदवारों ने पहले चरण के लिए पंजीकरण नहीं कराया है वे 26 जुलाई तक करा सकते हैं दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय ने अपने सीएसएएस स्नातक प्रवेश के पहले और दूसरे चरण को बुधवार, 26 जुलाई शाम 4:59 बजे तक बढ़ा दिया है। जिन उम्मीदवारों ने पहले चरण के लिए पंजीकरण नहीं कराया है या जिन्होंने पहला चरण पूरा कर लिया है, लेकिन अपनी प्राथमिकताएँ दर्ज नहीं की हैं। वे 26 जुलाई तक यह काम पूरे कर सकते हैं। इसके साथ ही विश्वविद्यायल ने फैकल्टी ऑफ टेक्नालजी के अंतर्गत बी.टेक प्रोग्रामों के लिए एलोकेशन कम एडमिशन शेड्यूल भी जारी कर दिया है।

दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा उम्मीदवारों को सलाह दी गई है कि वे नियमित आधार पर अपनी प्राथमिकताएँ सहेजते रहें। सहेजी गई प्राथमिकताओं को सीएसएएस पोर्टल गुरुवार, 27 जुलाई को शाम 5 बजे ऑटो लॉक कर देगा। उम्मीदवारों को यह भी सलाह दी गई है कि वे अपना आवेदन समय पर पूरा करें और सीएसएएस-2023 आवेदन पत्र भरने के लिए अंतिम दिन का इंतजार न करें। सुधार विंडो भी बुधवार, 26 जुलाइ को शाम 4:59 बजे तक खुली रहेगी। पहले से पंजीकृत जो उम्मीदवार अपने फॉर्म को संपादित संशोधित करना चाहते हैं। वे इस एकमुश्त सुविधा के माध्यम से ऐसा कर सकते हैं। हालांकि उम्मीदवार उसके द्वारा पहले से भुगतान किए गए पंजीकरण शुल्क के अनुसार सुधार विंडो में केवल फील्ड को संपादित संशोधित करने में सक्षम होंगे। यह कार्य पूरा होने के बाद, उम्मीदवारों को सबमिट एंड लॉक पर क्लिक करके अपना आवेदन जमा करना होगा। यदि कोई उम्मीदवार सुधार विंडो की अंतिम तिथि से पहले अपना संपादित/संशोधित आवेदन जमा करने में विफल रहता है, तो उसका विवरण शुक्रवार, 28 जुलाई को शाम 5 बजे स्वत: फ्रीज हो जाएगा।

डीयू में ईसीए और स्पोर्ट्स कोटा दाखिला पर वेबिनार 25 को

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय की एडमिशन ब्रांच द्वारा एक्स्ट्रा करिकुलम एक्टिविटी (ईसीए) और स्पोर्ट्स कोटा के तहत दाखिला पर एक वेबिनार का आयोजन मंगलवार को दोपहर बाद तीन बजे करेगा। इस वेबिनार का सीधा प्रसारण दिल्ली विश्वविद्यालय के आधिकारिक यूट्यूब चैनल youtube.com/@Univofdelhi पर भी किया जाएगा।

इस संबंध में जानकारी देते हुए विवि की डीन एडमिशन प्रो. हनीत गांधी ने बताया कि वेबिनर के दौरान ईसीए एड्मिशन की संयोजक एवं कल्चर काउंसिल की ज्वाइंट डीन डॉ. दीप्ति तनेजा ईसीए कोटा पर जानकारी देंगी जबकि डीयू के खेल एवं शारीरिक शिक्षा विभाग के निदेशक डॉ. अनिल कलकल स्पोर्ट्स कोटा के तहत दाखिलों पर जानकारी देंगे।

कोर्ट ने पांच सप्ताह और बढ़ाई सत्येंद्र की जमानत

● 21 जुलाई को हुआ था पूर्व स्वास्थ्य मंत्री की रीढ़ की हड्डी का आपरेशन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

धन शोधन मामले में पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को बड़ी राहत मिली है। उच्चतम न्यायालय ने जैन की अंतरिम जमानत की अवधि सोमवार को पांच सप्ताह के लिए बढ़ा दी है।

इस मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय कर रहा है। पीठ ने मामले की सुनवाई पांच सप्ताह बाद तय की। न्यायमूर्ति ए. एस. बोपन्ना और न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी की पीठ को जैन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने सूचित किया कि 21 जुलाई को उनकी रीढ़ की हड्डी की सर्जरी हुई थी और उन्हें ठीक होने के लिए समय चाहिए। ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस. वी. राजू ने कहा कि वह अंतरिम जमानत बढ़ाने का विरोध नहीं कर रहे हैं। राजू ने कहा कि जांच एजेंसी चाहती है कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) या किसी अन्य अस्पताल द्वारा जैन के स्वास्थ्य के संबंध में स्वतंत्र जांच का अनुरोध करने वाले उसके आवेदन पर अगली तारीख पर सुनवाई हो। शीर्ष अदालत ने 10 जुलाई को चिकित्सा आधार पर जैन को दी गई अंतरिम जमानत 24 जुलाई तक बढ़ा दी थी। शीर्ष अदालत ने 26 मई को जैन को चिकित्सा आधार पर छह सप्ताह के लिए अंतरिम जमानत देते हुए कहा था कि एक नागरिक को अपने खर्च पर निजी अस्पताल में अपनी पसंद का इलाज कराने का अधिकार है। ईडी ने जैन को कथित तौर पर उनसे जुड़ी चार कंपनियों के माध्यम से धन शोधन के आरोप में पिछले साल 30 मई को गिरफ्तार किया था। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की प्राथमिकी के बाद उन्हें भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया था।

चाकू घोपकर दो युवकों की हत्या

● झगड़े में दो व्यक्तियो ने युवक की ली जान, सराय रोहिल्ला मे लूटपाट का विरोध करने पर मार दिया चाकू

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दक्षिणपूर्व दिल्ली के जैतपुर इलाके में दो व्यक्तियों ने युवक की कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी। दोनों आरोपी भाई हैं और घटना रविवार को हुई। शुरुआती जांच में यह सामने आया है कि पीड़ित युवक ने पूर्व में आरोपी भाइयों में से एक को थप्पड़ मारा था, जिसके बाद दोनों ने उसे कथित रूप से चाकू मार दिया।

वहीं उत्तरी दिल्ली के सराय रोहिल्ला इलाके में लूट की एक कोशिश के दौरान युवक पर चाकू मार दिया गया, जिससे उसकी मौत हो गई। उत्तरी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त सागर सिंह कलसी ने बताया कि घटना रविवार को उस वक्त हुई, जब तीन लोगों ने अजीत उर्फ नीरज से मोबाइल फोन छीनने का प्रयास किया। इस मामले में इरफान और संजीव को गिरफ्तार किया है। प्रत्यक्षदर्शी गोपाल गुप्ता का बयान दर्ज किया और प्रत्यक्षदर्शी का कहना है कि वह मृतक का भाई है।

संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल बन रहा देश का सबसे बड़ा ट्रामा सेंटर

● 662 बेड की क्षमता के साथ साथ सभी आधुनिक सुविधाओं से होगा लैस, जल्द ही खुलेगा आम लोगों के लिए

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सुश्रुत ट्रॉमा अस्पताल के बाद दिल्ली का दूसरा ट्रॉमा सेंटर मंगोलपुरी स्थित संजय गांधी स्मारक अस्पताल में बन रहा है।

यह ट्रॉमा सेंटर देश का सबसे बड़ा ट्रॉमा सेंटर होगा। यहां 662 बेड की क्षमता के साथ सभी वह आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी जो आपातकालीन स्थिति में किसी मरीज के लिए जरूरी होती है। स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने सोमवार को संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल का औचक निरीक्षण किया, साथ ही ट्रॉमा सेंटर की नई बिल्डिंग में चल रहे निर्माण कार्य का जायजा भी लिया।

इस दौरान मंत्री ने अस्पताल में इलाज करा रहे मरीजों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और व्यवस्थाओं को बारीकी से जांचा। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को सभी अव्यवस्थाओं को दूर कर मरीजों को किफायती और गुणावत्तायुक्त स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि मरीजों की बीमारी की गंभीरता को देखते हुए प्राथमिकता के अधार पर इलाज दिया जाए। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार लोगों को जल्द देगी नए अस्पताल की सौगात, अस्पताल के साथ बन रही ट्रॉमा सेंटर की नई बिल्डिंग का कार्य जल्द होगा पूरा। हालांकि नई बिल्डिंग के निर्माण कार्य में देरी को लेकर मंत्री ने ठेकेदार को फटकार लगाई साथ ही तय समय सीमा में काम पूरा करने के निर्देश दिया। सौरभ भारद्वाज ने निरीक्षण के दौरान सुनिश्चित किया कि अस्पताल में कोई दलाल मरीजों से वसूली तो नहीं कर रहा, इसे लेकर मरीजों और उनके परिजनों से बातचीत की।

निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पताल में आपातकालीन सेवाओं, ओपीडी विभाग, पर्चा बनवाने की लाइन और आईसीयू सहित संस्थान की विभिन्न सुविधाओं का जायजा लिया। भारद्वाज ने कहा कि निर्माणाधीन ट्रामा सेंटर की नई बिल्डिंग बन जाने के पश्चात इस क्षेत्र में और आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लाखों लोगों को इसका फायदा होगा।

ट्रॉमा सेंटर की मात्रा बहुत अधिक न होने के कारण अक्सर किसी दुर्घटना के बाद लोगों को क्षेत्र से बहुत दूर किसी ट्रॉमा सेंटर में मरीज को ले जाना पड़ता है, ऐसी स्थिति में तुरंत उपचार न मिलने से मरीज की मृत्यु की अधिक संभावना बनी रहती है।

संजय गांधी मेमसायिल अस्पताल में सुविधाओं को जायजा लेते मंत्री सौरभ।

हैप्पीनेस सप्ताह: बच्चों का पढ़ाई में बढ़ा फोकस

शिक्षा मंत्री कहा- पिछले 5 सालों में सफर रहा शानदार, तनावमुक्त हो रहे छात्र

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली सरकार के स्कूलों में सोमवार से 'हैप्पीनेस सप्ताह 2023' की शुरुआत हुई। शिक्षा मंत्री आतिशी ने सोमवार को सर्वोदय को-एड विद्यालय कालकाजी में एक सप्ताह तक चलने वाले इस उत्सव का शुभारंभ किया। इस मौके पर शिक्षा मंत्री बच्चों के साथ हैप्पीनेस क्लास में शामिल हुई और एक्टिविटीज में भी भाग लिया।

शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि पिछले 5 सालों में हैप्पीनेस करिकुलम का सफ़र शानदार रहा है। इससे बच्चों का पढ़ाई में फोकस बढ़ा है और उन्हें स्ट्रेस-फ्री रहने में भी मदद मिली है। उन्होंने कहा कि एक इंसान को अपने वास्तविक जीवन में जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, उन सभी चुनौतियों का जबाव हैप्पीनेस करिकुलम है। हैप्पीनेस करिकुलम से दिल्ली सरकार के स्कूली बच्चों में जो आत्मविश्वास आया है। ये आत्मविश्वास समाज व देश के भविष्य के लिए अच्छा संकेत है।

हैप्पीनेस समाह 2023 के मौके पर शिक्षा मंत्री आतिशी व अन्य अधिकारी।

शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि पारंपरिक शिक्षा प्रणाली में 14-15 साल की स्कूली शिक्षा के दौरान बच्चों को साइंस पढ़ाई जाती है, मैथ्स-लैंग्वेज पढ़ाई जाती है लेकिन उस दौरान सोशल-इमोशनल वेल-बींग, क्रिटिकल थिंकिंग, टीम मैनेजमेंट व अन्य जरुरी स्किल्स को कही न कही अनदेखा किया जाता है।

इसका नतीजा होता है कि जब बच्चा स्कूली पढ़ाई पूरी करने के बाद बाहर निकलता है और उसके सामने वास्तविक जीवन की चुनौतियाँ आती तो वह उसके लिए तैयार नहीं होता है बच्चों को इन सभी चुनौतियों से निपटना और तनावमुक्त होकर खुश रहना सीखाने के लिए हैप्पीनेस करिकुलम की शुरुआत हुई। बता दे कि, जुलाई 2018 में नर्सरी से कक्षा 8 तक के लिए दिल्ली सरकार के सभी स्कूलों में शुरू किए गए हैप्पीनेस पाठ्यक्रम ने पिछले 5 सालों में सफलता हासिल की है और रोजाना लाखों छात्र हैप्पीनेस क्लास में शामिल होते है, माइंडफुलनेस के साथ अपने दिन की शुरुआत करते है। ज्ञात हो कि सरकार की इस पहल के बाद स्कूलों में छात्रों को प्रदर्शन भी अच्छा हुआ है।

छात्रों और अभिभावकों ने साझा किए अपने अनुभव

नई दिल्ली। कार्यक्रम में एक छात्र श्रीरात ने कहा कि, पहले जब मैंने हैप्पीनेस करिकुलम के साथ शुरुआत की तो मुझे इसमें ज्यादा दिलचस्पी नहीं थी, लेकिन अब मुझे माइंडफुलनेस गतिविधियां पसंद हैं जो मुझे स्कूल में पढ़ाई में फोकस बढ़ाने और शांत रहने में मदद करती हैं। छात्र जिज्ञाषा तिवारी ने कहा कि, मैं पिछले 5 सालों से हैप्पीनेस क्लासेस में भाग ले रही हूं, इससे मुझे वास्तविक जीवन के लिए जरुरी स्किल्स विकसित करने में मदद मिली हैं। एक अभिभावक ने कहा कि, हैप्पीनेस करिकुलम ने मेरे बच्चे के सीखने के तरीके को को बदल दिया है। इसने न केवल उसकी पढ़ाई में सुधार आया है बल्कि उसमे जरुरी लाइफ स्किल्स डेवलप हुई है और वो भावनात्मक रूप से और मजबूत हुई है। एक अन्य पैरेंट ने कहा कि, एक अभिभावक के रूप में, मैं हैप्पीनेस करिकुलम के लिए आभारी हूं। इसने मेरे बच्चे की इनोवेटिव और क्रिटिकल थिंकिंग विकसित की है।

विचाराधीन कैदी की मौत, सरकार और जेल अधिकारियों को नोटिस

● याचिका में कैदियों को उचित इलाज मुहैया कराने में लापरवाही का आरोप

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को दिल्ली सरकार और तिहाड़ जेल प्राधिकारियों से उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें उन पर आरोप विचाराधीन कैदी को उचित इलाज मुहैया कराने में लापरवाही का आरोप लगाया गया है, जिसके कारण उसकी मौत हो गई।

न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद ने मृतक की मां की याचिका पर दिल्ली सरकार, महानिदेशक (कारागार) और तिहाड़ जेल संख्या-3 के अधीक्षक को नोटिस जारी किया। उच्च न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई की तिथि 18 दिसंबर तय की। याचिकाकर्ता सुनीता (68) ने दावा किया है कि उसके बेटे दीपक कुमार यादव (32) को साल 2010 में हत्या के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था और मार्च 2018 में जब वह जेल में था तब वहां गंदगी के कारण उसे पेट से संबंधित कुछ समस्याएं हुईं, जिसके बाद उसे जेल की डिस्पेंसरी में डॉक्टरों के पास ले जाया गया। अधिवक्ता अमित कुमार के जरिए दायर याचिका में आरोप लगाया गया है कि दीपक ने कई बार अपने पेट के निचले हिस्से में तेज दर्द की शिकायत की, लेकिन जेल के मेडिकल कर्मियों ने उसे उचित इलाज मुहैया नहीं कराया।

बहुत जल्द सुधर जाएंगी बरसात से टूटी सड़कें: सुधीर सिंगला

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला में सनसिटी इलाके में सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस सड़क के निर्माण पर करीब एक करोड़ रुपये की लागत आएगी।

इस अवसर पर विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि गुरुग्राम में सड़कों, गलियों का निर्माण कार्य लगातार किया जा रहा है। बरसात के कारण काफी सड़कें टूट गई हैं। इन सड़कों का फिर से बनाने और

सड़कों के निर्माण पैच वर्क का काम हो गया है शुरू

कम टूटी सड़कों का पैच वर्क करने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बरसात के कारण आम तौर पर सड़कें टूट जाती हैं। पानी के कारण सड़कों में गड्ढे भी हो गए हैं। इन सब कार्यों को तत्परता और प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। उन्होंने आमजन से भी अपील की है कि

सनसिटी क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ करते विधायक सुधीर सिंगला।

अपने क्षेत्र में ऐसी सड़कों की जानकारी उनके कार्यालय में दे सकते हैं, ताकि सड़कों का सुधार किया जा सके। नगर निगम और जीएमडीए अपने स्तर पर सड़कों को बनाने और गड्ढे भरने का काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि अच्छी सड़कें भी व्यापार को बढ़ाती हैं। अच्छी सड़कें हो तो व्यापार संबंधी कार्यों के लिए, माल ढुलाई के लिए वाहनों को लंबी दूरी तक कम समय में ले जाया जा सकता है। जिले के भीतरी इलाके में सड़कों के निर्माण के साथ लंबी दूरी की सड़कों पर भी जोरों से काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में और सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी की बेहतर कार्यप्रणाली से देश में सड़कों, हाइवे का जाल बिछाया गया है। जो काम असंभव माने जाते थे उन्हें संभव कर दिया गया है। इस दौरान अजीत यादव, अनिल आरती राव, मनीष वजीराबाद, अशोक डबास, कृष्ण नंबरदार, मनीष गोयल, त्रिलोचन सिंह, मनोज मित्तल, विश्वनाथ सिंह, कमल सक्सेना, देवराज दत्ता, अभिजीत, कीर्ति बाजपेयी, सुशील वाजपेयी, दिनेश कुमार, अमरीक सिंह, एचएस शर्मा, योगेन्द्र, साहिल, विनीत गुप्ता, आरपी सिंह, मोहित चौहान आदि मौजूद रहे।

पन्ना प्रमुख के माध्यम से सम्मेलन से विधायक जरावता का बढ़ा कद

प्रदेश अध्यक्ष व प्रभारी भी हुए मुरीद, जमकर की विधायक की तारीफ

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

पटौदी स्थित आश्रम हरि मंदिर में भाजपा के पटौदी हल्के के पन्ना प्रमुख सम्मेलन में पटौदी के विधायक एवं सम्मेलन के संयोजक सत्यप्रकाश जरावता का राजनीतिक कद बढ़ गया। भाजपा हरियाणा प्रदेश प्रभारी एवं त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब, प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ ने इस भव्य आयोजन के लिए विधायक सत्यप्रकाश जरावता की पीठ थपथपाई।

कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक संगठनों, व्यापार मंडलों, जनप्रतिनिधियों, सरपंचों, पंचों, भारतीय जनता पार्टी के व अन्य गणमान्य व्यक्तियों की बड़ संख्या में

खंड पटौदी में पन्ना प्रमुख सम्मेलन में मंचासीन भाजपा के वरिष्ठ नेतागण।

उपस्थिति दर्ज कराकर विधायक जरावता मजबूत जमीनी ताकत दिखाने में सफल रहे। सम्मेलन में पलवल के विधायक एवं गुरुग्राम जिला प्रभारी दीपक मंगला, जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़ और महामंडलेश्वर स्वामी धर्मदेव ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। प्रभारी बिप्लब कुमार देब ने सम्मेलन में भाजपा पन्ना प्रमुखों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि संवाद, स्वभाव, सद्भाव भाजपा पन्ना प्रमुखों के प्रमुख कार्य व दायित्व है। बिप्लब कुमार देब ने विधायक सत्यप्रकाश जरावता को इस सफल आयोजन के लिए बधाई दी और उनकी पीठ थपथपाई। उन्होंने कहा कि पन्ना प्रमुख भाजपा की चुनावी रणनीति का एक मजबूत हिस्सा है।

उन्होंने कहा कि दूसरे दलों में बड़ा पद पाने के लिए किसी का रिश्तेदार होना जरूरी है, लेकिन भाजपा ऐसी पार्टी है जहां मेहनत करने वाला कार्यकर्ता होना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से अब तक करीब नौ वर्षों में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने जो काम किए, वह कोई नहीं करवा पाया। उन्होंने बताया कि 9 सालों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत महाशक्ति बनकर उभर रहा है। भारतीय जनता पार्टी का संगठन देश से लेकर प्रदेश, जिला, मंडल, बूथ और पन्ना स्तर पर मजबूत हो रहा है, जो आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा की जीत की गारंटी बनेगा।

पन्ना प्रमुख एक संगठन की एक ऐसी मजबूत कड़ी है, जिसमें पार्टी का संगठन मतदाता सूची के प्रत्येक पेज पर जमीनी स्तर तक मजबूत होता है। विधायक सत्यप्रकाश जरावता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि देश में नरेंद्र मोदी की सरकार ने अनेक कल्याणकारी योजनाएं लागू कर देशवासियों को सशक्त बनाया है। भारत देश को आत्म निर्भरता की ओर आगे बढ़ाने का काम किया है। विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि विपक्ष की जमानत नहीं बचने वाली चाहे लोकसभा चुनाव हो या विधानसभा चुनाव हो।

पूर्व एयर होस्टेस गीतिका आत्महत्या केस में आज आएगा फैसला

गोपाल कांडा।

गीतिका शर्मा।

गुरुग्राम। गुरुग्राम स्थित एमडीएलआर एयरलाइंस में एयर होस्टेस गीतिका आत्महत्या केस में आरोपी पूर्व मंत्री गोपाल कांडा व उनकी सहयोगी पर मंगलवार को अदालत फैसला सुनाएगी। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में यह केस चल रहा है। गीतिका शर्मा दिल्ली की रहने वाली थी और वहीं पर आत्महत्या की थी।

गीतिका आत्महत्या केस में पूर्व गृह राज्यमंत्री गोपाल कांडा और उनकी कंपनी में काम करने वाली अरुणा चड्ढा के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया था। लंबी सुनवाई के बाद यह फैसला बीती 20 जुलाई को सुनाया जाना था, लेकिन किन्ही कारणों से सुनाया नहीं जा सका। उम्मीद है कि मंगलवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत इस पर फैसला सुनाएगी।

बता दें कि 5 अगस्त 2013 को गोपाल कांडा की कंपनी एमडीएलआर में एयर होस्टेस रही गीतिका शर्मा ने दिल्ली के अशोक

अदालत ने पिछली तारीख पर सुरक्षित रखा था फैसला

विहार स्थित अपने आवास में मृत पाई गई थी। एक दिन पूर्व 4 अगस्त में लिखे गए सुसाइड नोट में गीतिका ने कहा था कि वह गोपाल कांडा और अरुणा चड्ढा द्वारा किए गए उत्पीड़न के कारण अपनी जान दे रही है। इसके बाद गीतिका की मां ने भी आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने अदालत में दायर किए गए आरोप पत्र में दोनों पर गीतिका को परेशान करने, साजिश रचने, डराने-धमकाने, आतंक का माहौल बनाने और लगातार पीछा करने के आरोप लगाए थे।

संक्षिप्त समाचार

सोमवार को जलाभिषक करने वालों की रही भीड़

सोहना। सवान माह के तीसरे सोमवार को भी भगवान शिव के मंदिरों में भांग व धतुरे का भोग लगाते हुए जलाभिषेक किया। क्षेत्र के सभी मंदिरों में सुबह 5 बजे से शिव भक्तों ने पूजा अर्चना का करना शुरु कर दिया था। यह कार्य दोपहर तक चलता रहा। नगर परिषद के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में बनें भगवान शिव के मंदिरों में सुबह 5 बजे से ही सावन माह के तीसरे सोमवार को पूजा अर्चना करने वालों का ताता लगना शुरु हो गया था। घर से बाहर कामकाज पर जाने वाले भक्तों ने सुबह 5 से 8 बजे तक पूजा कर अपने कारोबार पर चले गए। उसके बाद घरेलू कामकाज को निपटाने बाद महिलाएं जलाभिषेक करने के लिए घरों से बाहर निकली, जिन्होंने अपने निकटतम मंदिर में पहुंचकर जलाभिषेक किया। शिव भक्तों ने फूल, फल और भांग के पत्तों को भोग में शामिल करते हुए चढ़ाया। दूध युक्त पानी से भरा लोटा से शिव लिंग पर जलाभिषक किया। मंदिरों में फल व फूलों से भक्तों द्वारा चढ़ावा चढ़ाया गया। मंदिरों के आस पास मंडराने वाले उत्पाती बंदर भक्तों की पूजा में बाधा डालते हुए नजर आएं। ऐसे में मेहन्तों ने मंदिर में पूजा अर्चना करने आ रहे भक्तों की सुरक्षा करते हुए बंदरों को भागते रहे।

हरियाणा में बीजेपी और जेजेपी से जनता तंग : भारद्वाज

सोहना। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष जितेंद्र कुमार भारद्वाज ने कहा कि हरियाणा में बीजेपी और जेजेपी सरकार के शासन काल में भयए भ्रष्टाचार, बेरोजगारी तथा मंहगाई सीमा पर है। उससे जनता तंग हो चुकी है। रविवार को कांग्रेस पार्टी के प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष जितेन्द्र भारद्वाज ने खंड के दर्जनभर गांवों का दौरा किया। जिसकी शुरुआत जितेन्द्र भारद्वाज भोंडसी से की गई। इस मौके पर जितेंद्र कुमार भारद्वाज ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि जो मान सम्मान एवं प्यार यहां के लोगों ने मुझे दिया है उसके लिए मैं हमेशा आपका आभारी रहूंगा। भारद्वाज ने कहा कि मैंने हमेशा अपने विधान सभा क्षेत्र के हक की लड़ाई लड़ी है और आगे भी इसी तरह अपनी जनता के हकों की लड़ाई लड़ता रहूंगा। मैं कल भी अपनी जनता का सेवक था। आज भी अपनी जनता का सेवक हूं। आगे भी अपनी जनता का सेवक ही रहूंगा। बीजेपी एवं जेजेपी सरकार के कार्यकाल में जिस तरह से प्रदेश में भयए भ्रष्टाचार एबेरोजगारी एवं महंगाई चरम पर है। उससे जनता अब तंग आ चुकी है। जनता इनका असली चेहरा अब पहचान चुकी है। जनता अब परिवर्तन चाहती है और आगे आने वाला समय कांग्रेस सरकार का है। भारद्वाज ने आगे कहा कि जो विकास कार्य बीजेपी एवं जेजेपी सरकार के कार्यकाल में ठप्प पड़ गए हैं कांग्रेस पार्टी कि सरकार आने पर है। सभी विकास कार्य पूरी किए जायेंगे। एवं जनता से कांग्रेस पार्टी ने जो भी वादे किए वह सभी वादे पूरे होंगे।

हुमाना पीपल टू पीपल संस्था ने किया वृक्षारोपण

गुरुग्राम। पर्यावरण को बचाने के लिए हुमाना पीपल टू पीपल इंडिया संस्था द्वारा सोमवार को झाड़सा क्षेत्र के सामुदायिक पार्क व सेक्टर-31 के सरकारी विद्यालय में पौधारोपण किया गया। इस दौरान 100 फलदार व छायादार वृक्ष रोपे गए। इस कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाध्यापिका सुनीता, सहायक अध्यापक संजय, हुमाना संस्था के प्रोजेक्ट लीडर नेकराम व उनकी टीम तथा बच्चे उपस्थित रहे। नेकराम ने पृथ्वी के बढ़ते तापमान को देखते हुए सभी को पर्यावरण बचाने के लिए प्रेरित किया। बच्चों को पेड़-पौधे के महत्व के बारे में बताया। बच्चों ने भी मिलकर पौधे लगाए तथा उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया।

बिजली पेंशनर्स की लंबित मांगों को पूरा करे सरकार

गुरुग्राम। हरियाणा बिजली पेंशनर वेलफेयर एसोसिएशन गुरुग्राम की मासिक मीटिंग सोमवार को सतीश खट्टर सेवानिवृत सीए की अध्यक्षता में महरौली रोड स्थित बिजली निगम के विश्राम गृह में आयोजित की गई। बैठक का मंच संचालन यूनिट संरक्षक रतन लाल गुप्ता के द्वारा किया गया। बैठक में सर्वप्रथम पिछले दिनों बिजली परिवार के दिवंगत हुए परम पुण्य आत्माओं ज्ञान देवी सेठी धर्मपत्नी सुरेंद्र सेठी के लिए दो मिनट मौन धारण करके श्रद्धांजलि अर्पित की गई। यूनिट ऑर्गेनाइजर एवं प्रेस प्रवक्ता बनवारी लाल शर्मा ने कहा कि एसोसिएशन की कार्य शैली एवं केंद्रीय परिषद की सरकार एवं निगम मैनेजमेंट से हुई वार्ता के बारे में सभी आगंतुक पेंशनरों को विस्तार से अवगत कराया। तमाम लंबित मांगों के संबंध में आगंतुक बिजली पेंशनरों मे सरकार एवं निगम मैनेजमेंट के प्रति भारी नाराजगी एवं रोष है। शर्मा ने सरकार एवं निगम मैनेजमेंट को आगाह किया कि लंबित सभी मांगों को जल्दी से जल्दी क्रियान्वित करके पेंशनरों को राहत प्रदान करें। बैठक को एसोसिएशन के संरक्षक रतन लाल गुप्ता एवं चंद्रपाल शर्मा, दुर्गा प्रसाद शर्मा, यूनिट प्रधान राजन शर्मा, राजेंद्र सिंह अहलावत, विक्रम सिंह यादव, तेजराम सैनी तथा देशराज यादव आदि ने भी अपने विचार रखे।

दूध कारोबारी को पीटकर 97 हजार रुपये लूटे

सोहना। भोंडसी मारुति कुंज कॉलोनी में गाड़ी में सवार चार युवकों ने दूध कारोबारी से दिन दहाड़े मारपीट करते हुए 97 हजार रुपये लूट लिए। इतना नहीं पीड़ित कारोबारी ने आरोपियों पर अस्पताल में उपचार के दौरान भी आकर मारपीट करने का आरोप लगाया है। झज्जर मूल के निवासी निपूल ने भोंडसी थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह हाल में मारुति कुंज कॉलोनी में रहता और दूध की डेरी चलाता है। शनिवार की दोपहर बाद समय करीब सवा बजे वह बैंक में नकदी जमा करने के लिए जा रहा था। सामने से एक गाड़ी आई। पहले तो उसके चालक ने साइड मारी। फिर उसमे से चार युवक नीचे उतरे तथा उन्होने अपने-अपने हाथों डंडे लिए हुए थे। पास आने चारों युवकों ने डंडो से उसके ऊपर ताबड़तोड़ हमले कर दिए। वह चिल्ला रहा। लेकिन आरोपी उस पर उस समय तक डंडों से हमला करते रहै। जब तक उसके जेब में रखें 97 हजार रुपये न निकाले। उसके बाद नकदी को लेकर यें चारों अपने गाड़ी में बैठकर चले गए। राहगिरों ने उसे अस्पताल में दाखिल कराया।

ज्ञानेन्द्र उर्फ भोला हत्याकांड में 10 हजार रुपये का इनामी समेत 3 गिरफ्तार

सोहना। अपराध शाख सोहना पांच पुलिस ने जिला पलवल का गांव असावटा निवासी ज्ञानेन्द्र उर्फ भोला हत्याकांड में संलिप्त तीन अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में 10 हजार रुपये का इनामी बदमाश भी शामिल। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार अपराध शाखा पांच पुलिस ने ज्ञानेन्द्र उर्फ भोला हत्याकांड में 10 हजार रुपये के इनामी बदमाश रोहित उर्फ निवासी गाँव फूलविहार कॉलोनी दोलागढ़, जिला पलवल को रविवार गांव घंघौला मोड़ से अवैध हथियार व दो जिन्दा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया।

आरोपी पिछले करीब 05 वर्षों से अपराधिक वारदातों को अंजाम देने में सक्रिय है। यह (रोहित उर्फ अक्की) व इसका साथी भारत इनके गिरोह (हथौड़ा गैंग) के मुख्य सरगना हैं। जिसका दूसरा साथी अमित बसला निवासी डबुआ कॉलोनी, फरीदाबाद को वेस्टिन वाटिका मोड़ सोहना को भी अवेध हथियार व दो जिन्छा रौद के साथ गिरफ्तार किया। तीसरा आरोपी विशाल उर्फ सुन्नट निवासी डबुआ,

फरीदाबाद जिला फरीदाबाद से काबू किया।

राजस्थान व उत्तर प्रदेश में छूपे रहे : पुलिस पूछताछरू आरोपियों से प्रारम्भिक पुलिस पूछताछ में ज्ञात हुआ कि उपरोक्त अभियोग में मृतक ज्ञानेन्द्र के साथ इसके दोस्त भारत का झगड़ा था और ज्ञानेन्द्र ने झगड़े के चलते इसके दोस्त भारत के घर पर फायरिंग भी की थी, जिसकी रंजिश रखते हुए इसने अपने दोस्त व अन्य साथियों के साथ मिलकर योजनानुसार उपरोक्त अभियोग में मृतक ज्ञानेन्द्र उर्फ भोला के साथ मारपीट करते हुए उसको चोंटे मारकर उसकी हत्या करने की वारदात को अंजाम दिया था। वारदात को अंजाम देने के बाद ये पुलिस से बचने के लिए गाजियाबाद (उत्तर-प्रदेश) व राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर छुपे हुए थे।

हर विशेष दिवस पर पर्यावरण संरक्षण के लिए करें पौधारोपण : बोधराज सीकरी

पंजाबी बिरादरी महासंगठन ने किया पौधारोपण

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सोमवार को पंजाबी बिरादरी महासंगठन के प्रधान बोधराज सीकरी व उनकी पूरी टीम, जाने-माने आयुर्वेद आचार्य एवं योग आचार्य डॉ. परमेश्वर अरोड़ा ने मिलकर श्याम वाटिका न्यू कॉलोनी में पौधारोपण किया। यह आयोजन समाजसेवी दलीप के 62वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में किया गया।

सुबह 7 बजे योग और व्यायाम की कक्षा लगी। इसके बाद सब लोगों ने सामूहिक रूप से दलीप को जन्मदिवस की शुभकामनाएं दी। बोधराज सीकरी और उनकी टीम के सदस्य रामलाल ग्रोवर, धर्मेंद्र बजाज समेत अनेक लोगों ने डॉ. परमेश्वर अरोड़ा के सहयोग से श्याम वाटिका में पौधे लगाए। बोधराज सीकरी ने कहा कि जन्मदिन जैसे अवसर पर

गुरुग्राम के न्यू कालोनी स्थित श्याम वाटिका में दलीप लूथरा के जन्मदिवस पर उन्हें बधाई देते बोधराज सीकरी व अन्य।

हमें पौधे अवश्य लगाने चाहिए। जन्मदिन को इस तरह से मनाकर हम समाज को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के सार्थक प्रयास कर सकते हैं।

पौधे लगाकर प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करें। बोधराज सीकरी ने कहा कि बेशक अपने घरों में हम बच्चों, बड़ों का जन्मदिन मनाते हों, लेकिन सार्वजनिक स्थलों, पार्क आदि में भी ऐसे आयोजन करके हम प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी भी निभा सकते हैं और समाज को पौधारोपण जैसे कार्यों के लिए प्रेरणा भी दे सकते हैं। डॉक्टर परमेश्वर अरोड़ा ने मंत्र उच्चारण भी किया। इस दौरान केके गांधी, रमेश कामरा, ओपी कालरा, द्वारका दास मक्कड़, सतपाल नासा, अनिल कुमार, लक्ष्मण दास पाहुजा, पुष्पा नासा, ब्रह्म कथूरिया, रमेश कुमार, पंडित चुनी लाल, राजेश चानना, गोबिंद आहूजा, प्यारे लाल बत्रा, बलदेव गंभीर, दविंदर वाधवा, सतपाल मुंजाल, नानक बजाज, अनूप बग्गा, अशोक गेरा, श्याम ग्रोवर व अन्य जन मौजूद रहे।

अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों पर जल्द कसा जाएगा शिकंजा: निशा शर्मा

सोहना। नगर परिषद ने शहर को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए अधिकारियों की कमेटी बनाई। जल्द ही शहर की सड़क, बाजार और चौक चौराहो पर अतिक्रमण का सफाया किया जाएगा। नगर परिषद ने शहर की सड़क से लेकर बाजार, चौक-चौराहो पर हो रहा अतिक्रमण का सफाया करने के लिए योजना तैयार की है। जिसके लिए एक कमेटी का चयन किया है, जिसमें परिषद एसडीओ, जेई, भवन निरक्षक, सफाई इंस्पेक्टर, दरोगा आदि का शामिल किया है।

शहर के शहीद भगत सिंह फव्वारा चौक से नगर परिषद कार्यालय को जाने वाला पुराना अलवर मार्ग, पुराना लेबर चौक, बस स्टैंड मार्ग, महाराजा अग्रसैन चौक, तावडू मार्ग, नूंह मार्ग, पलवल मार्ग, गुरुग्राम मार्ग, चुंगी नंबर एक से गुरुद्वारा मार्ग, पुरानी सब्जी मंडी मार्ग, बड़ा बाजार, बालूदा मार्ग, दमदमा मार्ग, अस्पताल मार्ग आदि स्थान व सड़कों पर 8 से 10 फुट तक दुकानदारों ने सामान रखकर अतिक्रमण किया हुआ है।

एमेज़ॉन.इन 22 जुलाई से 26 जुलाई, 2023 के बीच अपनी 'द ब्यूटी सेल' का दूसरा संस्करण लेकर आया

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

ब्यूटी शॉपिंग का महोत्सव वापस आ गया है और आप एमेज़ॉन पर #ShowUpGlowUpSaveUp की तैयारी कर लीजिए क्योंकि एमेज़ॉन ब्यूटी ने 22 जुलाई से 26 जुलाई, 2023 के बीच अपनी 'द ब्यूटी सेल' के दूसरे संस्करण की घोषणा कर दी है। 'द ब्यूटी सेल' लॉरियाल प्रोफेशनल और बायोटीक के साथ गठबंधन में मेबेलीन द्वारा पॉवर्ड होगी। शॉपिंग के इस महोत्सव में 250 से ज्यादा अग्रणी ब्रांड्स के सर्वश्रेष्ठ मेकअप, स्किनकेयर, और लग्ज़री ब्यूटी ब्रांड 8,000 से ज्यादा डील्स के साथ आप तक पहुँचेंगे। इनमें कॉम्बो और किट्स पर 50 प्रतिशत तक की छूट, केवल 345 रु. से शुरू होने वाली लग्ज़री मिनी,सर्वोच्च लग्ज़री ब्रांड्स से फ्रीबीज़, आकर्षक नए लॉन्च, ब्रांड ऑफर एवं एमेज़ॉन पे रिवार्ड्स जैसे अनेक लुभावने ऑफर शामिल हैं।

इस सेल में ग्राहकों के पसंदीदा ब्रांड्स जैसे मेबेलीन, सुगर कॉस्मेटिक्स, बायोटीक, लॉरियाल प्रोफेशनल, आरएएस लग्ज़री ऑयल्स एंड मिनिमलिस्ट के साथ अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड्स जैसे बाथ एंड बॉडी

वर्क्स, कॉसआरएक्स, द बॉडी शॉप, फॉरेस्ट एसेंशियल्स, कामा आयुर्वेदा, ल'ऑक्सीटेन, लेनीज़, ह्यूगो बॉस एवं वर्सेस आदि उपलब्ध होंगे। इस बार हम आपके लिए आकर्षक ग्लोबल ब्यूटी स्टोर लेकर आए हैं, जो इस साल मई में लॉन्च किया गया था। यहाँ पर ग्राहकों को दुनिया के हर कोने से शानदार क्वालिटी और आधुनिक फॉर्मुलेशंस के विश्वसनीय उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला मिलती है। इस स्टोर में पूरी दुनिया के सबसे लोकप्रिय और प्रचलित ब्रांड्स, जैसे एनोमेली, हेयरकेयर, कॉडेली, फ्रीमैन ब्यूटी, फर्मेसी ब्यूटी, नार्किसो रोड्रीगेज़ आदि उपलब्ध हैं।

एमेज़ॉन इंडिया में डायरेक्टर - ब्यूटी, पर्सनल केयर एवं लग्ज़री ब्यूटी, ज़ेबा खान ने कहा, ''हमें एमेज़ॉन के 'द ब्यूटी सेल' का दूसरा संस्करण पेश करने की खुशी है। यह हमारे बहुमूल्य ग्राहकों के लिए एक वन-स्टॉप शॉप है, जहाँ वो अपने जीवन में ब्यूटी और सैल्फकेयर को महसूस कर उसका अहसास ले सकते हैं। स्किन केयर और शानदार मेकअप सामग्री के अपने विशाल संग्रह से लेकर पूरी दुनिया से लग्ज़ुरियस फ्रैग्रेंस तक हम अपने ग्राहकों के लिए चुन-चुन कर सबसे बेहतरीन उत्पाद लेकर आए हैं, जो भारतीय उपभोक्ताओं की जरूरतों को पूरा कर उनका आत्मविश्वास बढ़ाएंगे। 'द ब्यूटी सेल' का यह संस्करण केवल शॉपिंग का महोत्सव ही नहीं, बल्कि सभी के लिए ब्यूटी परिदृश्य में सुधार लाने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है, जो उत्पादों की विशाल श्रृंखला के साथ सुविधा और बेहतरीन मूल्य प्रदान करके खुद की देखभाल और अभिव्यक्ति करने की परिवर्तनकारी शक्ति सभी तक पहुँचा रहा है।' चाहे परिवार की गेट-टूगैदर हो, त्योहारों का जश्न, शादियाँ, नाईट आउट या ब्रांच के लिए जाना हो, हर अवसर पर आपका लुक बेहतर बनाने के लिए यह बिल्कुल उपयुक्त समय है। एमेज़ॉन ब्यूटी में आपके लिए अंतर्राष्ट्रीय और होमग्रोन ब्यूटी उत्पादों पर सबसे अच्छी डील्स लाई गई हैं, जो स्किनकेयर, हेयर केयर, लग्ज़री ब्यूटी,फ्रैग्रेंस, लग्ज़री परफ्यूम, मेकअप, प्रोफेशनल ब्यूटी और मेकअप कॉम्बो प्रदान कर रही हैं।

पेय जलापूर्ति के जल्द समाधान का करूंगा प्रयास: नवीन गोयल

गुरुग्राम के सुभाष नगर में लोगों के बीच चर्चा करते नवीन गोयल।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

पर्यावरण संरक्षण विभाग भाजपा हरियाणा प्रमुख नवीन गोयल ने सोमवार को सुभाष नगर में लोगों से मुलाकात की। इस दौरान लोगों ने पेयजल आपूर्ति सही नहीं होने की बात कही। नवीन गोयल ने कहा कि इस समस्या के समाधान के वे प्रयास करेंगे। इस दौरान उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने का भी अनुरोध किया, ताकि पर्यावरण प्रदूषण को खत्म किया जा सके।

नवीन गोयल ने कहा कि बिजली-पानी की सुविधा 24 घंटे प्रदेश में दी जा रही है। थोड़ी-बहुत दिक्कतों को अगर छोड़ दिया जाए तो किसी भी सप्लाई में कोई समस्या नहीं आ रही। प्रदेश सरकार सभी सुविधाओं को बेहतर कर चुकी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में सरकार हर क्षेत्र में बेहतर काम कर रही है। जनसुविधाओं में किसी तरह की कमी नहीं छोड़ी जा रही। बिजली की बात करें तो बिजली मंत्री रणजीत सिंह ने बिजली की सुविधा को काफी बेहतर किया है। घरेलू हो या औद्योगिक, दोनों ही विकल्पों में बिजली सुचारू और पूरी दी जा रही है। एक समय था जब बिजली की आंख-मिचौली खत्म नहीं होती थी। लोग जून की तपती गर्मी में बिजली के कटों और बिजली कटों से पानी की किल्लत को लेकर सड़कों पर विरोध प्रदर्शन करते नजर आते थे। पिछले 9 साल में धीरे-धीरे सुधार करके लोगों को यह दोनों सुविधाएं बेहतर करके दी जा रही हैं। अब लोग सड़कों पर नहीं उतरते। वे आराम से गर्मी में अपने घरों में रहते हैं। नवीन गोयल ने कहा कि मशीनरी के कारण कई बार कोई फाल्ट आ जाए तो वह अलग बात है, लेकिन सामान्य तौर पर बिजली और पानी निर्बाध सप्लाई हो रहे हैं। सुभाष नगर में पानी की सप्लाई को लेकर वे अधिकारियों से बात करके जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान कराने का प्रयास करेंगे। इस अवसर पर कुलवंत सिंह चौहान, रामकिशन दहिया, चरण सिंह गोठवाल, गुरमीत, पवन कुमार, स्वीटी पाहुजा, लक्ष्मी यादव, प्रीति व अन्य सम्मानितजन मौजूद रहे।

ग्रीन फील्ड में बनेगा 66 केवी का सब स्टेशन, बिजली कटौती से मिलेगी राहत

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

ग्रीनफील्ड के लोगों के लिए राहत की खबर है। उन्हें जल्द बिजली कटौती से छुटकारा मिलेगा। हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम की ओर से 66 केवी के बिजली सब स्टेशन बनाने की योजना है। इसके लिए टेंडर जारी कर दिया गया है। 15 महीनों में बिजली घर तैयार करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इससे बन जाने से एक लाख लोगों को राहत मिलेगी।

ग्रीनफील्ड और आसपास के हिस्सों में एक बड़ी आबादी रहती है, इन हिस्सों में लोगों को बिजली कटौती का सामना करना पड़ रहा है। लोगों के मुताबिक दिन में 5-10 घंटे के कट लग रहे है। बारिश के दौरान सबसे ज्यादा परेशानी होती है। फिलहाल ग्रीनफील्ड कॉलोनी में सेक्टर-46 स्थित 220 केवी सब स्टेशन से बिजली सप्लाई की जा रही है। जिससे ओवरलोड की समस्या बनी रहती है। ग्रीनफील्ड में सब स्टेशन बनने से ओवरलोड की समस्या दूर हो जाएगी। वहीं ग्रीनफील्ड और आसपास के एक लाख से ज्यादा लोगों को बिजली कटौती से राहत मिलेगी।

लंबे समय से थी मांग, अब दूर होगी समस्या: स्थानीय निवासी पवन और अंकुश त्रिवेदी ने बताया कि सेक्टर में बिजली कटौती से लोग बेहद परेशान रहते हैं। बिजली सब स्टेशन बनने से कुछ हद तक समस्या दूर होगी।

लंबे समय से बिजली घर बनाने की मांग की जा रही थी, लेकिन बजट नहीं मिलने के कारण काम शुरू नहीं हो सका। इसके लिए टेंडर जारी कर दिया गया है, 14 अगस्त के बाद कंपनियों को ठेका दिया जाएगा। उम्मीद है कि सितंबर से काम शुरू किया जा सकता है। लगभग दो एकड़ में बनने वाले बिजली घर का खर्च ग्रीनफील्ड कॉलोनी को बसाने वाली कंपनी और हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम वहन करेगा।

अधिकारी से बातचीत

लंबे समय से ग्रीनफील्ड में बिजली घर बनाने की मांग की जा रही थी, कागजी कार्रवाई के कारण काम रुका था। बस स्टेशन के लिए टेंडर जारी कर दिया गया है, जल्द काम शुरू होने की संभावना है।

- नरेश कक्कड़, अधीक्षण अभियंता बिजली निगम

नंगला भीकू को छपरोला से जोड़ने वाला पुल बनने से कई गांवों को मिलेगा लाभ

केंद्रीय राज्यमंत्री ने किया डेढ़ करोड़ के विकास कार्य का शिलान्यास

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

केंद्रीय ऊर्जा एवं भारी उद्योग राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने पलवल के गांव नगला भीकू में करीब एक करोड़ 50 लाख रूपए की लागत से गोंछी मेन ड्रेन की आरडी पर नंगला भीकू को छपरोला से जोड़ने वाले पुल का नारियल तोड़कर शिलान्यास किया। इस अवसर पर हरियाणा राज्य भंडारण निगम के चेयरमैन एवं पृथला विधानसभा क्षेत्र के विधायक नयनपाल रावत मौजूद थे।

कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि इस पुल के बनने से नंगला भीकू, छपरोला, पृथला, दूधोला, हरफला, भनकपुर, हरफली, सिकंदरपुर, धतीर के लोगों को आवागमन में सुविधा होगी। इस कार्य को छह महीने में पूर्ण कर लिया जाएगा। उन्होंने ग्रामवासियों द्वारा बिजली की शिकायत पर बिजली बोर्ड के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे गांव में बिजली की आपूर्ति के लिए उचित कदम उठाएं।पृथला के विधायक एवं हरियाणा राज्य भंडारण निगम के अध्यक्ष नयनपाल रावत ने केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर का स्वागत करते हुए कहा कि गोंछी मेन ड्रेन की आरडी पर नंगला भीकू को छपरोला से जोड़ने वाला पुल क्षतिग्रस्त अवस्था में था, जिससे यहां के लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। यह यहां के लोगों की काफी पुरानी मांग थी, जिसे केंद्रीय राज्यमंत्री व हरियाणा के मुख्यमंत्री आशीर्वाद से दो लेन का पुल पास करवाया गया, जिससे यहां के लोगों को बहुत फायदा होगा। उन्होंने कहा कि कृष्णपाल गुर्जर रात दिन जनता की सेवा कर रहे हैं।

वे कभी भी जनता के विकास कार्य के लिए मना नहीं करते हैं तथा कभी भी उनसे किसी विकास कार्य के लिए धन व समय के लिए कहा जाता है तो वह सदैव तैयार रहते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल सबका साथ सबका विकास की नीति पर कार्य कर रहे हैं। इसी कड़ी में अकेले पृथला विधानसभा क्षेत्र में करोड़ों रुपए के विकास कार्य हो चुके हैं तथा करोड़ों रुपए के विकास कार्य तीव्र गति से चल रहे हैं।

इस अवसर पर ग्राम वासियों ने फूल मालाएं पहनाकर सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता वीरेंद्र रावत सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

एक लाख की मांग कर बेटे ने मां पर तानी बंदूक

पैसे नहीं देने पर जान से मारने की धमकी, शोर मचाने पर पड़ोसी आए तो बची जान

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

विधवा महिला पर घर के अंदर उसी के बेटे ने बंदूक तान दी। एक लाख रुपए की मांग करते हुए उसकी कनपटी पर बंदूक लगाकर बेटे ने पैसे न देने पर जान से मारने की धमकी दी। उटावड़ थाना पुलिस ने शिकायत लेकर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

उटावड़ थाना प्रभारी टेक सिंह के अनुसार पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार भी कर लिया है। हथीन उपमंडल के चिल्ली गांव निवासी विधवा असरी ने शिकायत में बताया कि उसके पति की मौत हो चुकी है। वह मेहनत मजदूरी करके अपने बच्चों का जैसे-तैसे लालन-पालन करती है। महिला ने बताया कि 23 जुलाई को देर शाम उसका बड़ा बेटा मुस्तकीम घर के अंदर आया और

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी।

अपना जब स दसा कट्टा िनकालकर उसकी कनपटी पर लगा दिया। उसके दूसरे हाथ में चाकू था। बेटा उससे एक लाख रुपए की मांग करने लगा तो कहा कि उसके पास एक लाख रुपए नहीं हैं। वह तो जैसे-तैसे घर चला रही है।

पीड़िता ने बताया कि बेटा धमकाने लगा तो उसने शोर मचा दिया। आस-पड़ोस के लोग दौड़े आए और उसको उसके बेटे मुस्तकीम से बचाया। इसके बाद बेटा मौके से फरार हो गया। शिकायत लेकर वह उटावड़ थाने पहुंची। पुलिस ने मामले की गंभीरता को समझते हुए आरोपी बेटे को छापा मारकर गिरफ्तार कर लिया।

कांग्रेस-भाजपा सरकारों ने की बड़खल क्षेत्र की अनदेखी : राकेश भड़ाना

जनसुविधाओं को लेकर आम आदमी पार्टी ने बड़खल झील चौक पर शुरू किया धरना प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बड़खल विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांवों व कॉलोनियों में व्याप्त मूलभूत सुविधाओं की कमी को लेकर स्थानीय लोग नारकीय जीवन जीने को मजबूर हो रहे हैं। लोग बिजली, पानी, सीवरेज व सडकें जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है और परेशानियों से ग्रस्त हैं। लोगों की समस्याओं को लेकर आम आदमी पार्टी ने सोमवार से बड़खल झील चौक पर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया।

धरने में पहुंचे आम आदमी पार्टी के प्रदेश सह सचिव एवं बड़खल विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ नेता राकेश भड़ाना ने कहा कि कांग्रेस-भाजपा शासित सरकारों ने बड़खल क्षेत्र की हमेशा विकास के मामले में अनदेखी की है, यहां रहने वाले लोग वर्षो से विकास की बाट जोह रहे रहे हैं, लेकिन उन्हें विकास के नाम पर केवल झूठे आश्वासन ही मिले हैं। राकेश भड़ाना ने बड़खल क्षेत्र के विकास की कहानी बयां करते हुए कहा कि मानसून की एक ही बरसात ने पूरे बड़खल क्षेत्र को जलमग्न कर दिया, हालात यह हो गए कि राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में कई-कई फुट पानी भर गया, लोगों को अपने घरों व कार्यालयों तक जाने के लिए भारी परेशानियां उठानी पड़ी। क्या यही भाजपा का विकास है, यही स्मार्ट सिटी है? उन्होंने कहा कि जनता को ऐसा विकास नहीं चाहिए, बल्कि जनता को दिल्ली और पंजाब जैसा विकास चाहिए, जो आम आदमी पार्टी की सरकारें लोगों को मुहैया करवा रही हैं। श्री भड़ाना ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने देश की राजनीति में जो बदलाव की अलख जगाई है, आज उसी का परिणाम है कि दिल्ली और पंजाब राज्य में लोगों को मौलिक सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं, सरकार शिक्षा व चिकित्सा जैसे मुद्दों पर जमीनी स्तर पर काम कर रही है। कांग्रेस और भाजपा को दिल्ली व पंजाब सरकारों से सीख लेनी चाहिए और विकास क्या होता है, यह समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में हरियाणा में बहुमत से आम आदमी पार्टी की सरकार बनेगी और उसके बाद यहां भी दिल्ली व पंजाब की तर्ज पर विकास किया जाएगा। इस मौके पर युवा जिलाध्यक्ष जय भारत, जोगिंद्र चंदीला, चंदरवीर, हंसराज दायमा, बिट्टू सरदार सहित अनेक आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद थे।

मौलिक सुविधाएं देने में फेल हुई भाजपा की ट्रिपल इंजन की सरकार : ललित नागर

पूर्व विधायक ने सरस्वती कॉलोनी में सुनीं लोगों की समस्याएं

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

तिगांव विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली कॉलोनियों में रहने वाले लोग मूलभूत सुविधाओं की कमी के चलते नारकीय जीवन जीने को विवश हो रहे हैं। सत्तापक्ष के नेताओं एवं अधिकारियों से शिकायतें करने के बावजूद लोगों को कोई सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं, जिसके चलते उनमें सरकार व प्रशासन के प्रति रोष व्याप्त है। इसी कड़ी में सरस्वती कॉलोनी सेहतपुर के स्थानीय निवासियों ने एक मीटिंग का आयोजन किया।

मीटिंग में मुख्य रूप से तिगांव क्षेत्र के पूर्व विधायक ललित नागर ने शिरकत की और लोगों की समस्याओं को जाना। कॉलोनी वासियों ने पूर्व विधायक नागर को बताया कि कॉलोनी में गलियां कच्ची पड़ी हैं, पीने के पानी की कोई व्यवस्था नहीं है, उन्हें पानी निजी टैंकरों से खरीदना पड़ता है। वहीं

बिजली के खंभे व तारें भी अस्त-व्यस्त हैं, हालात यह है कि यहां इतना ओवरलोड है, जिसके चलते अक्सर यहां ट्रांसफार्मर जल जाते हैं और कई-कई दिन तक बिजली गायब रहती है।

लोगों की समस्याएं सुनने के बाद ललित नागर ने कहा कि भाजपा की ट्रिपल इंजन की सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है, खासकर तिगांव क्षेत्र की कॉलोनियों की बात की जाए तो यहां नौ सालों में विकास के नाम पर एक ईंट तक नहीं लगी, केवल कागजों में विकास की बातें हो रही है। श्री नागर ने कहा कि ऐसी सरकार को सत्ता में रहने का कोई हक नहीं है, जो जनता को मौलिक सुविधाएं देने में असफल रहे। श्री नागर ने पूर्व की कांग्रेस सरकार के शासनकाल को याद करते हुए कहा कि वह भी दौर था, जब चहुंओर विकास होता था, लोगों की समस्याओं पर कार्रवाई होती थी, लेकिन आज केवल महंगाई और भ्रष्टाचार का बोलबाला है, सरकार में बैठे नेता और अधिकारी जनता की खून पसीने की कमाई को लूटने में लगे है। कांग्रेस पार्टी जनता के हक-हकूक की आवाज को ऐसी ही बुलंद करेगी और लोगों की आवाज को उठाने के लिए किसी भी स्तर पर धरना प्रदर्शन करने से गुरेज नहीं करेगी। श्री नागर ने लोगों को विश्वास दिलाया कि उनकी समस्याओं को लेकर वह जल्द ही अधिकारियों से बात करेंगे।

खाटू श्याम कीर्तन के अवसर पर गरीब कन्याओं को वितरित की साइकिलें

फरीदाबाद। फरीदाबाद में शाइन स्टूडियो के संस्थापक अनिल कुमार गर्ग द्वारा भगवान श्री खाटू श्याम जी के कीर्तन का आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन में शहर के उद्योगपतियों सहित गणमान्य लोगों ने परिवार ने हिस्सा लिया। इस धार्मिक अनुष्ठान में समाजसेवी कांग्रेसी नेता लखन कुमार सिंगला ने भी शिरकत कर श्याम बाबा का आशीर्वाद लिया और समाज में सुख-समृद्धि की कामना की। इस मौके पर लखन कुमार सिंगला ने कहा कि धार्मिक अनुष्ठानों में हिस्सा लेने से मनुष्य को आत्मिक शांति मिलती है, वहीं उसे अच्छे कार्य करने की भी प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि श्याम बाबा के इस जागरण में उन्हें आने का अवसर मिला है और वह बाबा से सभी की सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। कार्यक्रम के दौरान लखन कुमार सिंगला ने गर्ग परिवार की ओर से गरीब बच्चियों को साइकिलें वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर अमर बंसल, रांति गुप्ता, प्रमोद तीबरवाल, अरुण बजाज, विनोद गर्ग, रमेश झंवर, सुशील बंसल, कैलाश शर्मा, संत गोपाल गुप्ता सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

फीस कम करने की मांग को लेकर एनएसयूआई के छात्रों ने प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एनएसयूआई के कार्यकर्ताओ ने पंडित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में एमसीए कक्षा में दाखिला शुरू करवाने के लिए तथा सभी कॉलेजों के सभी कोर्स की बढ़ी हुई फीस कम करवाने के लिए उच्चतर शिक्षा विभाग के शिक्षा मंत्री मूलचंद शर्मा की अनुपस्थिति में उनके निजी सचिव राजेश शर्मा को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान प्रदर्शनकारी छात्रों ने जमकर नारेबाजी भी की। ज्ञापन एनएसयूआई हरियाणा के पूर्व प्रदेश महासचिव कृष्ण अत्री के नेतृत्व में सौंपा गया।

कृष्ण अत्री ने बताया कि छात्रों की इस समस्या को लेकर एनएसयूआई कई दिनों से प्रयास कर रही है। इसके लिए 20 जुलाई को हस्ताक्षर अभियान चलाया है, जिसमे सैंकड़ों छात्रों ने हस्ताक्षर करके अपनी सहमति दर्ज करवाई थी। वहीं 21 जुलाई को विधायक नरेंद्र गुप्ता से

मिलकर समस्या से अवगत करवाया है। कई दिन बीत जाने के बाद भी जब मांग पूरी नहीं हुई तो सोमवार को छात्रों ने उच्चतर शिक्षा विभाग के शिक्षा मंत्री मूलचंद शर्मा के समक्ष अपनी मांग रखी हैं, जिसे जल्द पूरा करवाने का आश्वासन मिला हैं। कृष्ण अत्री ने मांग के बारे में बताते हुए कहा कि हाल ही में पंडित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में कुछ नए कोर्स आये थे, लेकिन उनमें से एक कोर्स एमसीए में इस वर्ष दाखिले नहीं हो रहे हैं। जब हमने कॉलेज प्रशासन से पूछा तो उन्होंने बताया कि मान्यता नहीं मिली है, जिसके कारण इस वर्ष दाखिले नहीं हो सकते। लेकिन वहीं एमसीए कोर्स अग्रवाल कॉलेज में भी इसी वर्ष ही आया है और वहां पर इसी वर्ष से दाखिले हो रहे है। उन्होंने कहा कि जब दोनों कॉलेज एक ही यूनिवर्सिटी से हैं और दोनों में एक साथ कोर्स आया है तो ऐसा कैसे संभव हो सकता है कि एक कॉलेज को तो मान्यता मिल गई, लेकिन दूसरे कॉलेज को मान्यता नही मिली। दूसरी मांग के बारे में बताया कि इस वर्ष से सभी कॉलेजों के सभी कोर्स की फीस बढ़ा दी गई है। जबकि पूरा प्रदेश बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदा से जूझ रहा है और खुद मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने भी माना है कि प्रदेश के 12 जिलों में बाढ़ से नुकसान हुआ है।

ऐसे समय में सरकार को चाहिए कि कॉलेजों के सभी छात्रों की फीस माफ कर दे। लेकिन यहां तो उल्टा ही हुआ है, फीस माफ करने की जगह फीस और बढ़ा दी है। सरकार अगर फीस माफ भी नहीं कर सकती है तो कम से कम बढ़ाये भी नहीं, ताकि छात्र और उनके परिजनों पर आर्थिक बोझ न बढ़े। इस मौके पर छात्र नेता आरिफ खान, पुनीत सहरावत, सुमित तंवर, साहिल तंवर, प्रेम कौशिक, मुकुल यादव, कुणाल चौधरी, हितेश शर्मा, संजू खुटेला, सुमित, विजय वैष्णव, देवेंद्र चौधरी, सागर, जतिन शर्मा, विशाल आदि मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

जिला योगासान प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

पलवल। जिला योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन व योग समिति सिहोल के संयुक्त तत्वावधान में योगाचार्य गुरमेष सिंह के सानिध्य में श्रावण मास के उपलक्ष में सुबह हवन यज्ञ, पूजा पाठ, गायत्री महामंत्र के उपरांत जिला ग्रामीण इंटर सेंटर योगासन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता की अध्यक्षता रतन सिंह शेरावत मैनेजर ने की तथा मुख्य अतिथि सतबीर पटेल प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष थे व संयोजन सुखबीर सिंह ने किया। बतौर विशिष्ट अतिथि एमडी वीरेंद्र सिंह गहलोत जीवन ज्योति ग्रुप, चंदगीराम गुप्ता, सतपाल गहलोत ज्वाइंट डायरेक्टर शिक्षा विभाग चंडीगढ़ के विशेष रूप से उपस्थित थे। डॉक्टर रामजीत ने निर्णायक की भूमिका निभाई। खिलाड़ियों में अभय, राहुल, हितेश, केशव, लोकेश, जय पवार, दीपांशु, जगत, कृष्ण, विश्वनाथ, सचिन, जसवंत व लड़की वर्ग में वंदना, सपना, भावना, मीनाक्षी, आरती, प्रीति, प्रिया, हिमांशी, राधिका, लक्ष्मी अपने-अपने विभिन्न आयु वर्ग में विजेता बनीं। पुरस्कार वितरण के मुख्य अतिथि प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष सतबीर पटेल ने विजेता खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर केंद्रीय आर्य सभा पलवल के अध्यक्ष मदन मोहन आर्य, प्रेम शहरावत, रामकुमार, खिलौन, शक्ति सिंह, अमर सिंह मैनेजर, राजेंद्र सरपंच, सतवीर गहलोत विशेष रूप से उपस्थित रहे।

देशभक्ति कार्यक्रम आयोजित कर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

पलवल। स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद व लोकमान्य बालगंगाधर तिलक जन्म दिवस एवं राष्ट्रीय वन संवर्धन दिवस पर श्रीशिव मंदिर बघेल धर्मशाला राजीव नगर में देशभक्ति कार्यक्रम आयोजित किया गया। मिशन प्रकृति बचाओ पर्यावरण सचेतक समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता मास्टर मानिकचंद व श्रीचंद द्वारा की गयी। युवाओं द्वारा भारत माता के चित्र तथा अमर शहीद महान स्वतंत्रता सेनानियों के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्ज्वलित किया गया। संस्था संयोजक ग्रीन एंबेसडर आचार्य राम कुमार बघेल को पर्यावरण संरक्षण के प्रति समर्पित भाव हेतु युवाओं द्वारा पगड़ी पहनाकर व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। आचार्य ने बताया कि भारत माता के इन वीर सपूतों के सर्वोच्च बलिदानों की वजह से ही आज हम स्वतंत्रता का जीवन जी रहे हैं। हम देशभक्त, प्रकृति प्रेमी बनकर अपने देश व समाज के लिए जीना सीखें, यही वीर सपूतों को हमारी सच्ची श्रद्धांजलि है। मास्टर थानसिंह ने देश भक्तों के जीवन से प्रेरणा लेकर समर्पित भाव से देश सेवा का संदेश दिया तथा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाया। अमरपाल, गजेंद्र, ईश्वरराज, महेश, रिंकू आदि ने विचार रख लोगों को जागरूक किया। इस अवसर पर मास्टर गुलवीर, कौशल, पंकज, मनोज कुमार, सुमित, पियूष, शिवम आदि युवा व बच्चे उपस्थित रहे।

रक्तदान महादान, युवाओं को रक्तदान करना चाहिए

पलवल। लाइफ लाइन चेरिटेबल ब्लड सेंटर में जन सेवा लोक कल्याण ट्रस्ट के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ऑल इंडिया सैनी समाज के दक्षिण हरियाणा के सचिव मानक चंद सैनी ने रक्तदान कर युवाओं को रक्तदान करने का संदेश दिया। मानक चंद सैनी ने कहा कि रक्तदान महादान है। रक्तदान करने से शरीर में कोई कमजोरी नहीं आती, बल्कि रक्त का संचार सुचारू रूप से होता है और बीमारियां भी दूर हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को रक्तदान करना चाहिए। रक्तदान कर किसी को जीवनदान दिया जा सकता है। मानक चंद सैनी ने कहा कि रक्तदान के प्रति युवाओं को जागरूक कर रहे हैं। इस अवसर पर मानक चंद सैनी को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

विद्यार्थियों के लिए लगाया आंख व दंत चिकित्सा शिविर

पलवल। नागरिक अस्पताल पलवल के आंख व दंत विभाग में सिविल सर्जन डॉ. नरेश कुमार गर्ग के दिशा निर्देशन व डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. रामेश्वरी के मार्गदर्शन में स्कूल के विद्यार्थियों के लिए आंख, मुख व दंत चिकित्सा शिविर लगाया गया। शिविर में 41 बच्चों के दांतों व आंखों संबंधित रोगों की जांच व चिकित्सा की गई। शिविर में नेत्र सर्जन डॉ. मनीषा, डॉ. अनिका व डॉ. गौरव भाटी द्वारा नेत्र विभाग में लगभग 30 बच्चों की आंखों संबंधित रोगों की जांच व चिकित्सा की गई। डॉ. मनीषा ने विद्यार्थियों को आई फ्लू से बचने की सलाह दी। इसके बाद शिविर में दंत चिकित्सक डॉ. आस्था, डॉ. अन्नू व डॉ. ज्योति द्वारा बच्चों के मुंह, मंसूडों व दांतों की जांच व चिकित्सा की गई। शिविर में निशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं। शिविर में दांतों में कैविटी होना, दांतों में कीड़ा लगना, दांतो का पीलापन, मसूड़ों में सूजन व मसूड़ों से खून आना आदि रोगों की जांच व चिकित्सा की गई। डिप्टी सिविल सर्जन एवं डेंटल सर्जन डॉ. रामेश्वरी ने बच्चों को मुंह के कैंसर के लक्षण, कारण, बचाव व उपचार के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को बीड़ी, सिगरेट व शराब न पीने तथा तंबाकू, गुटखा न खाने के लिए प्रेरित किया। दंत चिकित्सक डॉ. आस्था ने बच्चों को ब्रश करने की विधि के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दिन में दो बार सुबह खाना खाने के बाद व रात को सोने से पहले ब्रश अवश्य करें। डॉ. ज्योति ने बच्चों को चॉकलेट न खाने की सलाह दी। उन्होंने बच्चों को संतुलित भोजन करने, फास्ट फूड व जंक फूड न खाने की सलाह दी। डीईआईसी सेंटर में मैनेजर डॉ. साक्षी शर्मा द्वारा बच्चों को राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं, जन्मजात रोग, डेफिशियेंसी, डिजीज व डेवलपमेंटल डिले के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर नेत्र सर्जन डॉ. मनीषा, डॉ. अनिका व डॉ. गौरव भाटी, डेंटल सर्जन डॉ. आस्था, डॉ. ज्योति व डॉ अन्नू, फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. लितेश मलिक, इंटरवेंशनिस्ट पूनम शर्मा, विमलेश, डॉ. नरवीर तेवतिया, फार्मासिस्ट पवन शर्मा, फार्मासिस्ट कविता, एएनएम पूजा व स्कूल के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चावल निर्यात
भारत का प्रतिबंध

भारत ने कीमतें स्थिर रखने के लिए चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है, लेकिन इससे अनेक देशों को समस्या पैदा हो सकती है। भारत ने गैर-बासमती चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया है। दुनिया को पहले से इसकी आशंका थी। भारत 140 देशों को चावल निर्यात करता है जिनमें अधिकांश अफ्रीका व दक्षिणपश्चिम एशिया के देश हैं। वह दुनिया के कुल निर्यात में 40 प्रतिशत का भागीदार है। वैश्विक कृषि हमेशा अनेक प्रकार की चुनौतियों व संकटों का सामना करती रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण दुनिया में खाद्य सुरक्षा पर भारी दबाव पड़ा है क्योंकि इस क्षेत्र से दुनिया की चौथाई गेंहूं सप्लाई होती थी। रूस के रक्षा मंत्री ने बयान दिया है कि यूक्रेन के बंदरगाह से निकलने वाले जहाज उसके निशाने पर होंगे। इससे काला सागर पहल लगभग समाप्त हो गई है। व्लादीमिर पुतिन ने संकेत दिए हैं कि यदि उनकी मांगें मानी जाएं तो वे समझौते पर पुन: विचार कर सकते हैं। लेकिन ओडेसा बंदरगाह पर बमबारी से संकेत मिलते हैं कि उनका बयान केवल 'वैश्विक दक्षिण' के लोगों का ध्यान आकर्षित करने के लिए था। जुलाई, 2022 में तुर्की, संयुक्त राष्ट्रसंघ तथा रूस के बीच 'काला सागर अनाज पहल' पर समझौता हुआ था। इससे सुनिश्चित किया गया था कि यूक्रेन का अनाज बोसपोरस होकर दक्षिणी बंदरगाहों से बाहर जा सकता है। लेकिन समझौता समाप्त होने के बाद इस समुद्री रास्ते से गुजरने वाले जहाजों को भारी खतरा है और इससे विश्व खाद्य श्रृंखला प्रभावित हुई है। भारत का निर्णय इस गतिरोध के बाद आया है। इसके

कारण समस्या और गंभीर होगी क्योंकि न केवल गेंहूं, बल्कि चावल भी अधिकांश देशों की पहुंच से बाहर हो जाएगा। इस संकट को देखते हुए तथा राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा का ध्यान रखते हुए भारत ने गैर-बासमती चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने का महत्वपूर्ण निर्णय किया है।

इस निर्णय से बहस तेज हुई है। भारत तथा अंतरराष्ट्रीय समुदाय पर इसके कारण पड़ने वाले प्रभावों पर सवाल उठ रहे हैं। भारत वैश्विक कृषि क्षेत्र में महत्वपूर्ण साझीदार है जो गेंहूं व चावल के उत्पादन में काफी योगदान करता है। भारत ऐतिहासिक रूप से गैर-बासमती चावल का बड़ा निर्यातक रहा है जिससे अनेक देशों, खासकर अफ्रीका और दक्षिणपूर्व एशिया के देशों को भोजन मिलता है। काला सागर में विवाद के कारण गेंहूं का संकट गंभीर हुआ है। ऐसे में भारत को दुविधाग्रस्त है कि वह वैश्विक खाद्य श्रृंखला को समर्थन देने की प्रतिबद्धता पर बना रहे अथवा घरेलू आवश्यकतायें पूरी करे। प्रतिबंध लगा कर भारत ने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि घरेलू मांग पूरी करने के लिए उसके पास चावल का समुचित 'अतिरिक्त भंडार' रहे। इससे देश में अनाजों की संभावित कमी व मूल्य वृद्धि का खतरा टल गया है। हालांकि, राष्ट्रीय दृष्टिकोण से भारत का निर्णय समझ में आने वाला है, पर इसने आयातक देशों को चिन्ता में डाल दिया है। इस प्रतिबंध से अनेक क्षेत्रों में खाद्य संकट गहरा सकता है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय के जिम्मेदार सदस्य के रूप में भारत को यथासंभव दूसरे देशों की आवश्यकतायें पूरी करने का प्रयास करना चाहिए। यह इसलिए भी जरूरी है कि भारत वर्तमान समय में दो महत्वपूर्ण संगठनों-जी20 व एससीओ का अध्यक्ष है। हम इनमें पूरे जोश से भाग ले रहे हैं। ऐसे में भारत को गैर-बासमती चावल के पूर्ण प्रतिबंध के बजाय निर्यात पर लगाम लगाने तथा बासमती चावल निर्यात पर प्रतिबंध लगाना चाहिए जिसकी मांग अमेरिका और यूरोप में अधिक है। इससे अफ्रीका व अन्य विकासशील देशों को सस्ता चावल सप्लाई किया जा सकता है। भारत को खाद्यान्न-आयातक देशों की समस्या हल करने के लिए वैकल्पिक रणनीति खोजनी चाहिए।

संपूर्ण बेहतरी हेतु समग्र पोषण जरूरी

स्वास्थ्य, बेहतरी व रोग-प्रतिरक्षा के लिए पोषण के प्रति समग्र रणनीतिक दृष्टिकोण अपनाना जरूरी है जिसमें अनेक आयाम शामिल हैं।

दिनेश सूद
(लेखक, कौशल विकास क्षेत्र से संबद्ध हैं)

पोषण और स्वास्थ्य आधुनिक जीवन के अभिन्न अंग हैं। 'समग्र पोषण' भारत का फ्लैगशिप कार्यक्रम है जिसमें खासकर कुपोषित बच्चों, महिलाओं व वृद्धों के पोषण परिणामों में सुधार शामिल है। पहली श्रेणी में आर्थिक रूप से वंचित जनसंख्या शामिल है जिसे कुपोषण का खतरा बहुत अधिक रहता है। कुपोषण रोकने के लिए स्वस्थ संतुलन बनाए रखना गरीब व वंचित लोगों के लिए ज्यादा चुनौतीपूर्ण है। दूसरी श्रेणी उन समृद्ध लोगों की है जिनके पास पोषण की अधिकता तथा उनके प्रयोग में असंतुलन है जो भारत के विभिन्न आयुवर्गों में व्यापक रूप से पाया जाता है। जानकारी की कमी के कारण अत्यधिक पोषण या असंतुलित पोषण के कारण मैटाबोलिक बीमारियां, जैसे मुटापा, मधुमेह व हृदय रोग हो सकते हैं। कुपोषण के दुहरे बोझ ने भारत का ध्यान राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में पोषण विकास की ओर आकर्षित किया है। स्वास्थ्य रक्षा और बेहतरी के लिए व्यक्ति आधारित, लक्षित या श्रेणीबद्ध पोषण समय की आवश्यकता है। हालिया वर्षों में भारत ने फसलों के उत्पादन में आत्मनिर्भरता प्राप्त की और वह धीरे-धीरे बढ़ रहा है। लेकिन इस प्रगति के बावजूद भारत में कुपोषण में कमी नहीं आई है। 2020 के राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण में बताया गया है कि बच्चों में कुपोषण बढ़ रहा है और यह स्थिति चिन्ताजनक है। यूनीसेफ द्वारा 2019 में कराए राष्ट्रीय समग्र पोषण सर्वेक्षण में पांच वर्ष से कम आयु वाले लगभग 50 प्रतिशत बच्चों की लंबाई कम पाई गई है।

2019-21 में कराए राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-एनएफएचएस के अनुसार दुनिया की सबसे अधिक जनसंख्या वाले देश भारत में स्वास्थ्य एवं पोषण में काफी सुधार हुआ है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 7.7 प्रतिशत बच्चों का भार बहुत कम था, 19.3 प्रतिशत का समुचित विकास नहीं हुआ था और 35.5 प्रतिशत की लंबाई कम थी। इसके साथ ही 3.4 प्रतिशत बच्चे अधिक वजन वाले थे। पांच वर्ष से कम आयु वाले बच्चों में एनीमिया की स्थिति काफी खराब है। वर्तमान में यह 67.1 प्रतिशत है, जबकि एनएफएचएस-4 के अनुसार यह 58.6 प्रतिशत थी। इसके साथ ही देश में प्रजनन आयुवर्ग की 57 प्रतिशत महिलायें खून की कमी का शिकार थीं। भारत में हालिया वर्षों में भोजन एवं पोषण पर सबका ध्यान आकर्षित हुआ है।

जीवनशैली संबंधी बीमारियों के बढ़ने के कारण समुचित पोषण व स्वास्थ्य की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित हुआ है। इन बीमारियों से दूर रहने के लिए स्वास्थ्यप्रद भोजन की आदतें सर्वाधिक महत्वपूर्ण हैं। इनको अब सामान्य रूप से स्वीकार किया जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप पोषणविज्ञानियों व भोजन विशेषज्ञों की सेवाओं की मांग बढ़ी है। पोषण के प्रति सचेतन भारतीयों को समुचित संख्या में स्वस्थ भोजन संबंधी जानकारी देने वाले पोषणविज्ञानियों की कमी है। पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन-पीएचएफआई ने पोषणविज्ञानियों व भोजन विशेषज्ञों की कमी के बारे में एक समग्र अध्ययन कराया है जिसे केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को दिया गया है। इसके अनुसार भारत में लगभग 5.5 लाख पेशेवर पोषणविज्ञानियों की कमी है। इंटरनेशनल फेडरेशन आफ डाइटिटक सोसाइटीज़ के अनुसार भारत में हर दो लाख व्यक्ति पर एक भोजन विशेषज्ञ होना चाहिए। डेनमार्क व इस्राइल में प्रति एक लाख जनसंख्या पर 30-40 पोषणविज्ञानी उपलब्ध हैं और इनकी संख्या जापान में प्रति एक लाख व्यक्ति पर 66 है।

पोषणविज्ञानी व भोजन विशेषज्ञ स्वास्थ्य संवर्धन तथा कुपोषण या जीवनशैली संबंधी बीमारियों से बचाव में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। पोषणविज्ञानी व्यक्तियों, समुदायों और संगठनों के लिए पोषण एवं स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का निर्धारण करते हैं। इससे भोजन, जीवनशैली व व्यवहार के पैटर्न में परिवर्तन कर बेहतरी की आवश्यक शर्तें पूरी की जा सकती हैं। सोशल मीडिया व सीमापार से आने वाली जानकारियां, डिजिटल व ई-कामर्स कुछ अच्छी चीजें विकसित कर रहे हैं जिनका प्रभाव अगली पीढ़ी के उपभोक्ताओं पर पड़ सकता है। लेकिन व्यक्ति आधारित पोषण योजना से आयु बढ़ने के कारण स्वास्थ्यरक्षा पर होने वाले खर्च में भी कमी लाई जा सकती है। नेशनल इंस्टीट्यूट आफ न्यूट्रीशन-एनआईएन ने पोषण निर्देशिकायें प्रकाशित की हैं, लेकिन कुछ ही लोग उनकी संस्तुतियों का पालन करते हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि पोषणविज्ञानियों पर एक दशक पहले तक समुचित ध्यान नहीं दिया जाता था, पर अब उनकी उपस्थिति अत्यन्त महत्वपूर्ण मानी जाती है। भारत सरकार ने अनेक कार्यक्रम तथा 'पोषण' जैसे अभियान चलाए हैं ताकि गरीबों में कुपोषण पर लगाम लगाई जा सके। दुनिया में आज व्यक्तिगत पोषण सेवा उद्योग का विकास हो रहा है। यह 2023 में 15 बिलियन डालर था जिसके 2030 तक 37.3 बिलियन डालर पहुंचने की आशा है। इस उद्योग में भारत का हिस्सा कम से कम चार प्रतिशत, यानी 1.48 करोड़ डालर या 12,150 करोड़ रुपये का होना चाहिए। भारत में पोषणविज्ञानियों व भोजन विशेषज्ञों का भविष्य बदल रहा है। सार्वजनिक व निजी क्षेत्र में भोजन विशेषज्ञों व पोषणविज्ञानियों के लिए कॅरियर के अनेक रास्ते खुल रहे हैं। भारत में 18-24 आयुवर्ग का सबसे बड़ा कामगार समूह है। इसे सिद्ध विशेषज्ञता तथा भोजन एवं भोजन उत्पादों के बारे में समुचित जानकारियों की जरूरत है ताकि वह स्वयं को जीर्ण रोगों से बचा सके।

योग्य, अनुभवी व पंजीकृत पोषणविज्ञानियों की बड़ी संख्या में जरूरत है ताकि वे अस्पतालों, डिस्पेंसरियों व जिम में समग्र पोषण को प्रोत्साहित करने के साथ ही व्यक्ति आधारित या कार्पोरेट वेलनेस को बढ़ावा दे सकें। निजी क्षेत्र में स्वास्थ्य केन्द्रों, वेलनेस सेंटरों व खाद्य तथा पोषण संबंधी उद्योगों में काम करने वाले क्लीनिकल पोषणविज्ञानियों की जरूरत है। सार्वजनिक क्षेत्र में सामान्य बेहतरी सुनिश्चित करने वाले पोषणविज्ञानियों व भोजन विशेषज्ञों की आवश्यकता सरकारी अस्पतालों, स्वास्थ्य विभागों तथा शोध संस्थानों में है। खेल पोषणविज्ञानी विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों के लिए विशेष आवश्यकतायें पूरी करने वाले भोजन की जानकारी देते हैं जिसमें खेलों की तैयारी कराने वाले, व्यायाम केन्द्रों तथा वेलनेस सेंटरों की बड़ी भूमिका है। व्यापक समुदाय की सेवा करने वाले पोषणविज्ञानियों के दृष्टिकोण से उनकी सेवा के कुछ विशिष्ट कारण हैं। इसके साथ ही इस बात के भी अनेक कारण हैं कि आजकल इस क्षेत्र पर बहुत ज्यादा जोर क्यों दिया जा रहा है। भारत की पोषण व भोजन समस्याओं का प्रबंधन करने के लिए आवश्यक वित्तीय, सामाजिक व तकनीकी उपकरण विकसित करना जरूरी है।

सरकार लोगों को स्वास्थ्य के महत्व के बारे में शिक्षित करने के अनेक कार्यक्रम चला रही है। सरकार द्वारा प्रस्तुत सभी विचारों पर गौर करने से स्पष्ट होता है कि पोषण के क्षेत्र पर अतीत में आवश्यकतानुसार ध्यान नहीं दिया गया है, जबकि यह भारत के लिए एक सर्वाधिक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। व्यक्ति-आधारित पोषण की अवधारणा को यथार्थ रूप देने के लिए एक विधिक ढांचा विकसित करने की भी जरूरत है। हमें गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य व पोषण सेवायें, कुशल फ्रंटलाइन वर्कर्स तथा क्रियान्वयन, पहुंच व डिलीवरी में सुधार करने की आवश्यकता है। सरकारी अस्पतालों व डिस्पेंसरियों में पेशेवर पोषणविज्ञानियों व भोजन विशेषज्ञों की कमी से पूरी स्वास्थ्य व्यवस्था प्रभावित होती है। सभी नागरिकों व खासकर बच्चों, महिलाओं तथा वृद्धों के स्वास्थ्य में सुधार के लिए उचित संख्या में पोषणविज्ञानियों तथा भोजन विशेषज्ञों की नियुक्ति सभी सार्वजनिक व निजी अस्पतालों, स्वास्थ्य विभागों, डिस्पेंसरियों, वेलनेस सेंटरों, आदि में होनी चाहिए।

डिजिटल युग में भारतीय संस्कृति

सोशल मीडिया पर भारतीय संस्कृति, परंपराओं और विरासत के बारे में सटीक और भरोसेमंद जानकारी के लिए तथ्यों की जांच आवश्यक है।

पीएच भार्गवी
(लेखिका, संस्कृति मंत्रालय से जुड़ी हैं)

सोशल मीडिया ने सूचना प्रसार को आसान बना दिया है, लेकिन इससे गलत सूचना भी फैल रही है। भारतीय संस्कृति को संरक्षित और सुरक्षित रखने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सटीक और विश्वसनीय जानकारी सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। गलत सूचना फैलाने के परिणामों, भारत के सांस्कृतिक महत्व और फर्जी खबरों के प्रसार को समझने के लिए तथ्य जांच आवश्यक है।

सोशल मीडिया ने वैश्विक कनेक्शन और विविध संस्कृतियों, परंपराओं और विरासत के संपर्क को सक्षम करके समाज को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया है। हालाँकिए गलत सूचनाओं और गलतफहमियों को रोकने, भारतीय संस्कृति, परंपराओं और विरासत की अखंडता को संरक्षित करने के लिए तथ्य.जांच की भी आवश्यकता है।

डिजिटल युग में, तथ्य.जांच महत्वपूर्ण है क्योंकि झूठी या भ्रामक जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तेजी से फैलती है। यह विशेष रूप से भारतीय संस्कृति, परंपराओं और विरासत के लिए चिंताजनक है। क्योंकि ऑनलाइन गलत सूचनाओं का खजाना मौजूद है। तथ्य.जांच जानकारी की सटीकता और प्रामाणिकता सुनिश्चित करती हैए जिससे व्यक्तियों को सूचित निर्णय और निर्णय लेने की अनुमति मिलती है। यह भारतीय संस्कृति की अखंडता को बनाए रखने में मदद करता है और झूठी कहानियों को कायम रहने से रोकता है। सोशल मीडिया के तेजी से विकास ने भारतीय संस्कृतिए परंपराओं और विरासत से संबंधित जानकारी की तथ्य.जांच की तत्काल आवश्यकता को प्रेरित किया है। तथ्य.जाँच तथ्य को कल्पना से अलग करने में मदद करती हैए सटीक और विश्वसनीय ज्ञान को जनता तक पहुँचाना सुनिश्चित करती हैए और आने वाली पीढ़ियों के लिए हमारी सांस्कृतिक विरासत की अखंडता की रक्षा करती है। सोशल मीडिया पर सांस्कृतिक गलतबयानी एक समस्या है। सोशल मीडिया पर सांस्कृतिक गलत बयानी रूढ़िवादिता और धारणाओं की विकृतियों को कायम रखती है। प्लेटफॉर्म की पहुंच संस्कृति, परंपराओं और विरासत के गलत प्रतिनिधित्व की अनुमति देती हैए जिससे समझ में गड़बड़ी होती है। सटीक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए तथ्य.जांच और सत्यापन महत्वपूर्ण हैं।

भारतीय संस्कृति के बारे में गलत सूचना और रूढ़ियां हानिकारक पूर्वाग्रहों और अज्ञानता को कायम रखती हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म समुदाय को हाशिए पर धकेलते हुए विकृत आख्यान बनाते हैं। गलत चित्रण के प्रसार से निपटने और विविध भारतीय विरासत की सराहना को बढ़ावा देने के लिए तथ्य.जाँच और आलोचनात्मक विश्लेषण आवश्यक है।

उदाहरण के लिएए भारतीय संस्कृति और परंपराओं के बारे में गलत जानकारी और गलत धारणाओं नेए विशेष रूप से योग के चित्रण मेंए इसके व्यावसायीकरण और इसके आध्यात्मिक और ध्यान संबंधी पहलुओं को कमजोर कर दिया है। डिजिटल युग में योग प्रथाओं की प्रामाणिकता और सांस्कृतिक महत्व को बनाए रखने के लिए इन गलत धारणाओं की तथ्य.जांच महत्वपूर्ण है।

सोशल मीडिया पर भारतीय संस्कृति, परंपराओं और विरासत के बारे में सटीक और भरोसेमंद जानकारी के लिए तथ्यों की जांच आवश्यक है। इन मंचों पर गलत सूचना भारत की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाती है और विश्वसनीयता को कमजोर करती है। तथ्य जांच नकारात्मक परिणामों से निपटने में मदद करती है और भारतीय संस्कृति की समृद्ध टेपेस्ट्री की रक्षा करती है। तथ्य.जाँच का अभाव रूढ़ियों और पूर्वाग्रहों को मजबूत करता हैए कुछ समुदायों को हाशिये पर धकेल देता है और उनकी पहचान को अतिसरलीकृत व्यंग्यचित्रों तक सीमित कर देता है। रूढ़िवादिता को खत्म करने और विविध संस्कृतियों के सटीक चित्रण को बढ़ावा देने के लिए तथ्य.जांच महत्वपूर्ण है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर गलत सूचना भारतीय विरासत को विकृत करती हैए रूढ़िवादिता और गलत धारणाओं को कायम रखती है। तथ्य.जांच और सत्यापन तंत्र की कमी से भारतीय संस्कृति के संरक्षण और प्रचार को खतरा है।

सटीक प्रतिनिधित्व, मिथकों को दूर करने, गलतफहमियों को सुधारने और सांस्कृतिक विनियोग का मुकाबला करने के लिए तथ्य.जांच को प्राथमिकता देना महत्वपूर्ण है। भारतीय संस्कृति की जांच सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भारतीय संस्कृति की तथ्य.जांच को बड़ी मात्रा में उत्पन्न और साझा की गई जानकारी के साथ.साथ भारतीय सांस्कृतिक परिदृश्य की जटिलता के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। गलत व्याख्या या गलत बयानी से बचने के लिए विभिन्न परंपराओंए रीति.रिवाजों और प्रथाओं को समझना महत्वपूर्ण है। गुमनामी और सामग्री साझाकरण के कारण सोशल मीडिया पर गलत सूचनाओं का तेजी से प्रसार इन चुनौतियों को और बढ़ा देता है।

भारतीय संस्कृति जातीयताओंए भाषाओंए धर्मों और परंपराओं का एक उल्लेखनीय मिश्रण हैए जिसके परिणामस्वरूप रीति.रिवाजों और मान्यताओं की एक समृद्ध श्रृंखला तैयार होती है। इसमें विभिन्न कलात्मक अभिव्यक्तियां, दिवाली, होली और नवरात्रि जैसे त्योहारों के साथ.साथ विविध व्यंजन, कपड़े की शैलियां और वास्तुशिल्प चमत्कार शामिल हैं। भारतीय संस्कृति का बहुरूपदर्शक इसकी जटिलता और सुंदरता को प्रदर्शित करता है।

अधिकतर विश्वसनीय स्रोतों का अभाव है। विश्वसनीय स्रोतों और विशेषज्ञता की कमी के कारण सोशल मीडिया पर भारतीय संस्कृतिए परंपराओं और विरासत की जानकारी की तथ्य.जांच महत्वपूर्ण है। गलत सूचना और विकृत समझ को रोकने के लिए सटीक और भ्रामक सामग्री में अंतर करना आवश्यक है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अक्सर स्व.घोषित विशेषज्ञ मौजूद होते हैं, जिससे मामला जटिल हो जाता है। विश्वसनीय स्रोतों से जानकारी की पुष्टि करकेए व्यक्ति भारतीय संस्कृति, परंपराओं और विरासत के बारे में सटीक ज्ञान को संरक्षित और बढ़ावा दे सकते हैं।

आप की बात

महिला-विरोधी सोच

देश दुनिया में भारत की अमिट छाप की मिसाल, संस्कृति व सभ्यता की विशेषता तथा कामकाजी महिलाओं से गौरवान्वित मणिपुर मे हुई शर्मनाक घटना से धूमिल होती नजर आ रही है। महिलाओ के साथ अत्याचार, अश्लीलता भरी वारदात व निर्वस्त्र कर घुमाने की घटनाओं से क़ानून व्यवस्था की भी पोल खुल गई! लेकिन सबसे बड़ा सवाल लोगों की महिला-विरोधी सोच पर है। भारत भूमि पर नारीशक्ति को देवी स्वरूपा माना जाता है और नारी सम्मानीय है। ऐसे में मणिपुर तथा कई अन्य प्रदेशों में महिलाओ को नग्न कर घुमाना कहां की मर्दागनी है? विडंबना है कि मणिपुर की घटना को राजनीतिक व चुनावी दृष्टिकोण से देखा जा रहा है, पर विपक्षी सरकारें अपने प्रदेशों में महिलाओं के साथ लगातार हो रही ऐसी जघन्य घटनाओं पर चुप हैं। आज देश में महिला-विरोधी सोच का मुकाबला करने के लिए केन्द्र सरकार तथा सभी राज्य सरकारों को देखना चाहिए कि निर्भया कांड के बाद जो कदम उठाने की बात कही गई थी, वह कहां तक पूरी हुई है। संकुचित राजनीति व चुनावी दृष्टिकोण से किसी राजनीतिक दल या महिलाओं का भला नहीं होगा। महिला-विरोधी सोच समाप्त करने के लिए देश में सभी स्तरों पर व्यापक कार्रवाई जरूरी है।

– **योगेश जोशी,** बड़वाह

घरेलू कामगार

घरेलू कामगार अपनी दो जून की रोटी जुटाने की खातिर अपने गांव ए कस्बे को छोड़कर शहरों की ओर जाते हैं। जहां उन्हें बर्तन मांजने, कपड़े धोने, झाड़ू-पोंछा जैसे परिश्रम पूर्ण कार्यों पर लगाया जाता है। घरेलू कामगारों में कई बार बाल श्रमिक भी होते हैं। यह लोग जी तोड़ मेहनत करके अपना काम करते हैं और जैसे तैसे अपना गुजारा करते हैं। हाल ही में इन पर होने वाले अत्याचारों की कई घटनायें उजागर होने के बाद मन व्यथित हो गया। अब वक्त आ गया है कि घरेलू कामगारों के लिए न्यूनतम वेतन, साप्ताहिक अवकाश और अन्य सेवाशर्तें तथा काम करने का समय निर्धारित किया जाए। कुछ समाजसेवियों को साथ लेकर ऐसी संस्थाएं बनाई जानी चाहिए जो इनके ऊपर होने वाली किसी भी प्रकार की ज्यादती का संज्ञान ले सके। यह गरीब वर्ग पुलिस तक जाकर कंप्लेंट करने का साहस नहीं कर पाते हैं तथा समृद्ध लोगों के इशारे पर पुलिस कई बार इनका ही उत्पीड़न करने में सहायक बन जाती है। अब तो शहरों में कामगारों को उपलब्ध करवाने के लिए कुछ लोगों ने धंधा खोल दिया है जिससे इनका शोषण और बढ़ गया है।

– **सुभाष बुड़ावन वाला,** रतलाम

यूनान में संकट

दक्षिणपूर्व यूरोप का देश ग्रीस या यूनान इन दिनों जंगलो में फैली आग से सबसे ज्यादा परेशान दिख रहा है। दो दिनों में उसके दो द्वीप रोड्स और कोर्फू में लगातार फैले आग के कारण वहां के निवासी एवं पर्यटक दोनों को हज़ारों की संख्या में निकालने का काम किया जा रहा है। रोड्स द्वीप से 19 हज़ार लोगों को निकलकर दूसरे स्थानों में ले जाय गया है। इसी तरह कोर्फू द्वीप से 15 हज़ार लोगों को निकालने का काम युद्धस्तर पर किया गया है। ग्रीस भीषण गर्मी से जूझ रहा है। पूरे देश में तापमान 40 से 45 डिग्री के बीच घूम रहा है और कुछ क्षेत्रों में लगभग एक सप्ताह से आग लगी हुई है। यूनानी राष्ट्रपति ने कहा कि आग के कारण देश में व्याप्त असाधारण स्थितियों को देखते हुए सोमवार को प्रस्तावित राष्ट्रीय अवकाश रद्द कर दिया गया है। ग्रीस के ये दोनों द्वीप पर्यटकों से साल भर खचाखच भरे रहते हैं। मगर जलवायु परिवर्तन के कारण अब धरती का हर कोना प्रभावित हो रहा है। ग्रीस समेत यूरोप व दुनिया के अन्य विकसित देश प्रकृति के अंधाधुंध दोहन और विलासी जीवनशैली का खामियाजा भुगत रहे हैं। जलवायु परिवर्तन का सामना सबको करना होगा।

जंग बहादुर सिंह, जमशेदपुर

ज्ञानवापी प्रकरण

वाराणसी स्थित ज्ञानवापी परिसर में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण-एएसआई की टीम से वैज्ञानिक पद्धति से पूरे परिसर के सर्वे कराने का काम अब शुरु हो गया है जिसे 30 लोगों की टीम पूरा कर रही है। अब परिसर में मौजूद इमारत की पश्चिमी दीवार की आयु एवं निर्माण की प्रकृति की वैज्ञानिक पद्धति से जांच की जा कर इसकी सही स्थिति का पता लगाया जाएगा। इसी तरह से मस्जिद के तीनों गुंबद के नीचे तथा पश्चिमी दीवार और तहखानों की जांच भी होगी। इस बीच कहीं उत्खनन सम्भव होगा तो यह भी किया जा सकेगा। इसी तरह पूरे परिसर में पाई गई कलाकृतियों की गणना कर उनकी सूची भी बनाई जाएगी। विश्वास है कि अब बाबा विश्वनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार व विस्तार प्रक्रिया का एक और अवसर शीघ्र ही सामने आ सकता है। उम्मीद है कि देर-सवेर वजूखाने में मिले बाबा भोलेनाथ के शिवलिंग को भी जांच में शामिल किया जाएगा। आज पूरे देश का हिंदू समाज इस सर्वे का स्वागत कर रहा है। मुस्लिम पक्ष के पास अब भी पुरानी गलतियों के प्रायश्चित का समय है।

– **मनमोहन राजावत,** शाजापुर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

हर जरूरतमंद को मिले पक्के आवास की सुविधाः मुख्यमंत्री

जनता दर्शन में सीएम योगी ने सुनीं 500 लोगों की समस्याएं, निस्तारण के लिए अफसरों को दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जिन भी जरूरतमंदों को अभी पक्का मकान नहीं मिल पाया है, उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना या मुख्यमंत्री आवास योजना के दायरे में लाकर पक्के आवास की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। राजस्व व पुलिस से संबंधित मामलों में प्रभावी कार्रवाई हो। साथ ही जमीन पर अवैध कब्जा करने वालों को कड़ा कानूनी सबक सिखाया जाए। अधिकारी जन कल्याण के कार्यों को सदैव प्राथमिकता पर रखें और हर पीड़ित की समस्या का त्वरित निस्तारण करना सुनिश्चित करें।

सीएम योगी ने उक्त निर्देश सोमवार को गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुनते हुए दिए। मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक खुद पहुंचे। सबकी समस्याओं को सुनते हुए आश्वस्त किया हर समस्या का समयबद्ध, पारदर्शी व संतुष्टिपरक निस्तारण किया जाएगा।

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने करीब 500 लोगों की समस्याएं सुनीं। इसमें बड़ी संख्या महिलाओं की रही। इस दौरान देवरिया से आई एक महिला ने आवास की समस्या बताई। इस पर मुख्यमंत्री ने तुरंत मंडलायुक्त को निर्देशित किया कि महिला की समस्या को संवेदनशीलता से देखें। महिला को प्रधानमंत्री आवास योजना या मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास उपलब्ध कराया जाए। जमीन कब्जा करने की शिकायतों पर उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में कड़ी कानूनी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे लोगों को सीएम ने भरोसा दिलाया कि पैसे के अभाव में किसी इलाज नहीं रुकने पाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस्टीमेट की प्रक्रिया को प्राथमिकता पर पूर्ण कराकर शासन को उपलब्ध कराएं। शासन से इलाज में भरपूर आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। जनता दर्शन में अपने परिजनों के साथ आए बच्चों को दुलारकर मुख्यमंत्री ने उन्हें आशीर्वाद देते हुए चॉकलेट दिया। बच्चों से उनकी पढ़ाई के बारे में पूछा और खूब पढ़ने के लिए प्रेरित भी किया।

योगी ने मानसरोवर मंदिर में किया रुद्राभिषेक

गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने मानसरोवर मंदिर में रुद्राभिषेक कर सभी नागरिकों के मंगलमय जीवन की कामना की। भोलेनाथ का विधि विधान से दर्शन, पूजन व रुद्राभिषेक करने के उपरांत मुख्यमंत्री ने सभी देव विग्रहों का दर्शन पूजन कर लोक कल्याण की प्रार्थना की।

सीएम व बीजेपी नेताओं ने जताया आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक के निधन पर शोक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी व अन्य पार्टी नेताओं ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक मदन दास देवी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शान्ति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने राष्ट्र सेवा में स्वयं को समर्पित कर देने वाले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के श्रेष्ठ प्रचारक मदन दास देवी के निधन पर ईश्वर से गोलोकवासी पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देने की प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की है। प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पूर्व संगठन मंत्री, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह-सरकार्यवाह रहे, अपनी सेवाओं से परिवर्तन के कार्य कर सकें ऐसे हजारों कार्यकर्ताओं को गढ़ने की अविरत साधना से कार्यकर्ताओं को गढ़कर राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करने वाले मदनदास देवी के निधन को राष्ट्र और संगठन की अपूरणीय क्षति बताते हुए प्रभु श्री राम से पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देने की प्रार्थना की।

एटीएस ने प्रदेशभर में चलाया आपरेशन रोहिंग्या, 74 को दबोचा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश में अवैध घुसपैठियों को लेकर काफी संजीदा हैं। इसको लेकर मुख्यमंत्री मंशा के अनुरूप यूपी पुलिस की विभिन्न विंग द्वारा समय समय पर अभियान भी चलाया जाता है। इसकी क्रम में उत्तर प्रदेश में अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्या को यूपी एटीएस ने गिरफ्तार किया है। पिछले कई दिनों से टीम इनकी फिराक में थी। एटीएस ने प्रदेश के अलग-अलग जिले से कुल 74 रोहिंग्या पकड़े हैं। जिसमें मथुरा से 31, अलीगढ़ से 17, गाजियाबाद से 4, हापुड़ से 13, मेरठ-सहारनपुर से 2-2 रोहिंग्या अरेस्ट किये हैं। इसके अलावा हापुड़ से 2 पुरुष बाल अपचारी और 1 महिला बाल अपचारी को दबोचा है

● मथुरा से 31, अलीगढ़ 17 गाजियाबाद 4, हापुड़ 13, मेरठ-सहारनपुर से 2-2 रोहिंग्या गिरफ्तार

जबकि मेरठ से एक पुरुष बाल अपचारी और एक महिला बाल अपचारी को पकड़ा है। मथुरा में सुबह तड़के यूपी एटीएस ने ताबड़तोड़ कार्रवाई कर अवैध रूप से जुग्गी झोपड़ियों में रह रहे रोहिंग्या मुसलमानों को गिरफ्तार किया है। एटीएस ने मथुरा पुलिस के साथ मिलकर थाना जैंत क्षेत्र में यहां रह रहे रोहिंग्या को दबोचा है। यूपी एटीएस और मथुरा पुलिस की करीब आठ घंटे तक चली इस कार्रवाई में 31 रोहिंग्या मुसलमान गिरफ्तार किए गए हैं। बांग्लादेश से भारत में घुसपैठ कर चुके रोहिंग्या मुसलमानों पर योगी सरकार ने शिकंजा कसना शुरू के दिया है, जिसका एक बड़ा उदाहरण मथुरा के थाना जैंत क्षेत्र में उस वक्त देखने को मिला जब यूपी एटीएस की टीम के साथ मथुरा पुलिस अधिकारियों के नेतृत्व में भारी पुलिस बल और पीएससी की बटालियन ने सुबह तड़के ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए कई रोहिंग्या मुसलमानों को हिरासत में लिया। ये मुसलमान सैकड़ों की तादाद में झुग्गियां बना कर लंबे समय से रह रहे थे। व्यस्कों से अधिक संख्या में बच्चे यहां देखने को मिले। मिली जानकारी के मुताबिक इन बच्चों को ट्रेंड करने के लिए एक मौलवी यहां इनको उर्दू के साथ.साथ तमाम तरह की तालीम दिया करता थे। यूपी एटीएस के मुताबिक बड़ी संख्या में मथुरा के थाना जैंत क्षेत्र के अलहपुर और कोटा गांव के बीच मुसलमान झुग्गी झोपड़ी बनाकर रह रहे थे। उन्हें यह भी जानकारी मिली कि यह सभी अवैध रूप से बांग्लादेश से बॉर्डर क्रॉस कर भारत आए और यहां पर जुग्गी झोपड़ियों में रह रहे हैं। इसके बाद एटीएस ने गोपनीय तरीके से जांच शुरू की, तो यह जानकारी सही साबित हुई। इसके बाद टीम मथुरा के एसएसपी शैलेश पांडे और एसपी सिटी मार्तंड प्रकाश सिंह के साथ एक टीम बनाई और आगरा दिल्ली नेशनल हाईवे पर अलाहपुर गांव के पास बनी झुग्गी झोपड़ियों पर पहुंचकर कार्यवाही शुरू की। यहां टीम ने तीन स्थानों पर कार्रवाई की। आधी रात को पहुंची टीम ने पहले तो सभी के कागज चेक किये और बाद में करीब 31 रोहिंग्या मुसलमानों को हिरासत में लिया।

राजनीति व सामाजिक क्षेत्र में विश्वास का बड़ा महत्वः सतीश महाना

● सीआईआई, युवा इकाई के 44 सदस्यीय दल ने किया विधानसभा का भ्रमण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि राजनीति और सामाजिक क्षेत्र में विश्वास का बड़ा महत्व होता है। जनता इसलिए विधानसभा में चुनकर भेजती है क्योंकि उसका हम पर विश्वास होता है। उन्होंने कहा कि जीवन में कभी किसी का भी विश्वास नही तोड़ना चाहिए। यदि एक बार विश्वाास टूट गया तो फिर सफल होने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

महाना ने यह बातें सोमवार को यूपी विधानसभा का भ्रमण करने आए सीआईआई (युवा इकाई) के एक 44 सदस्यीय दल के साथ हुई वार्ता के दौरान कही। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि एक साल में विधानसभा में कई तरह के नए प्रयोग किए हैं। महिला सदस्यों के लिए पहली बार एक दिन का विशेष सत्र का आयोजन किया गया। इसमे हर महिला सदस्य को सदन में अपनी बात रखने का अवसर मिला। महाना ने कहा कि अब प्रदेश भर से डाक्टर्स इंजीनियर व्यापारी और छात्र-छात्राएं आदि यहां इसे देखने आ रहे हैं। यूपी विधानसभा में कई बदलाव हुए हैं। इस दौरान इस बात का भी प्रयास किया गया है कि आम जनता विधानसभा के बारे में जान सके। हमारी विधानसभा देश की अग्रणी विधानसभाओं में से एक हो गयी है। देश की अन्य विधानसभाएं अब यूपी विधानसभा का अनुसरण कर रही है। उन्होंने कहा कि आप सब लोग युवा हैं और एक तरह से यूपी विधानसभा के ब्रांड एंबेसडर हैं। यूपी विधानसभा के बारे में जो महसूस किया है। वह यहां से जाकर अपने दोस्तों और परिवार के लोगों के साथ चर्चा करें ताकि उन्हें इसके बारे में पता चले। एक सवाल के जवाब में विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि विधायक का मतलब कानून बनाने वाले लोगों से होता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था के तहत विधायक जनता का प्रतिनिधित्व करता है। विधानसभा में जो भी कार्यवाही होती है उसका पालन करने के लिए विभिन्न समितियों की बैठक होती है। जिसमें सम्बन्धित समस्याओं का समाधान किया जाता है। विधानसभा अध्यक्ष ने दल के सदस्यों को बताया कि उत्तर प्रदेश विधनसभा के पास एक सम्प्रद्ध लाइब्रेरी है जो लोकसभा के बाद देश की सबसे बड़ी लाइब्रेरी है।

इस मौके पर सीआईआई (यंग इंडियन) की युवा शाखा की चेयरपर्सन रोली शाह ने बताया कि उन्होंने पूरी विधानसभा देखी साथ ही विधानसभा अध्यक्ष के साथ वार्ता के दौरान कई जानकारियां हासिल की। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने यूपी विधानसभा में जो नई तकनीक का बेहतरीन प्रयोग किया है। यह हम सबके लिए बेहद गर्व की बात है। आज का यह दौरा बेहद यादगार दौरा बन गया है।

सीआईआई (यंग इंडियन) के वात्सल्य डालमिया ने बताया कि आज यहां आकर बेहद गर्व का अनुभव हो रहा है। यहां का भ्रमण एक तरह से हम सबके लिए आंख खोलने वाला रहा। वात्सल्य ने कहा कि हम सब युवा उद्यमी है। सामाजिक कार्यों में तो लगे रहे है पर राजनीति का ज्ञान कम रहता है। यहां आकर मालूम हुआ कि हम सब सुशासन के लिए शासन की किस तरह से मदद कर सकते है। साथ ही एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन भी बेहतर ढंग से पूरा कर सकते है।

सावन के तीसरे सोमवार पर भी शिवभक्तों पर योगी सरकार ने कराई पुष्पवर्षा

● बाराबंकी के लोधेश्वर महादेव मंदिर और अयोध्या में सरयूतट पर हुआ शिवभक्तों का सम्मान

● काशी, मेरठ और सहारनपुर में भी बरसाए गए फूल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सावन में प्रदेश में शिवभक्त कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा का क्रम तीसरे सोमवार को भी जारी रहा। सावन के पिछले दो सोमवार को जहां काशी, मेरठ और सहारनपुर में पुष्पवर्षा की गई वहीं तीसरे सोमवार को रामनगर, बाराबंकी स्थित लोधेश्वर महादेव मंदिर में हेलीकॉप्टर द्वारा कांवरियों पर पुष्प वर्षा की गई। इसके अलावा अयोध्या में भी सरयूतट पर शिवभक्तों पर योगी सरकार ने पुष्पवर्षा कराई है। बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पिछले 6 साल से प्रदेश में शिवभक्तों का बिल्कुल खास तरीके से सम्मान किया जा रहा है। सरकार की ओर से ना सिर्फ कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा की जा रही हैए बल्कि उनकी सुविधाओं का भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है। खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मेरठ-दिल्ली हाईवे पर कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा कर चुके हैं, जिसके बाद से ही प्रदेश में शिवभक्तों का उत्साह देखने लायक है। वहीं प्रशासनिक अधिकारी भी जगह-जगह शिवभक्तों का सम्मान कर रहे हैं। प्रदेश के सभी बड़े शिवालयों में कांवड़ियों की सुरक्षा और सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। उत्तर प्रदेश में मौजूद एकमात्र ज्योतिर्लिंग मंदिर श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में शिवभक्तों की सुरक्षा और सुविधाओं की मॉनीटरिंग खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से की जा रही है।

मध्य प्रदेश में पूरी ताकत के साथ सपा चुनाव में उतरेगीः अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि मध्य प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के लिए अच्छी संभावनाएं हैं। हम पूरी ताकत के साथ चुनाव में उतरेंगे। आपसी तालमेल और एकजुटता से वहां चुनाव में अपेक्षित परिणाम आ सकते हैं। उन्होंने याद दिलाया कि सन् 2003 में समाजवादी पार्टी के 7 विधायक जीत दर्ज करा चुके हैं। इस बार पहले से अधिक समाजवादी विधायक जीत कर आयेंगे। सपा प्रमुख अखिलेश यादव सोमवार को पार्टी मुख्यालय लखनऊ में मध्य प्रदेश के समाजवादी पार्टी के नेताओं तथा पदाधिकारियों की बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। बैठक में मध्य प्रदेश के संभावित विधानसभा प्रत्याशियों के नामों पर भी चर्चा हुई। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के पास निष्ठावान कार्यकर्ता बड़ी संख्या में है। समाजवादी कारवां अब रूकने वाला नहीं है। गरीब, पिछड़े समाज की आबादी समाजवादी पार्टी की असली ताकत है।

सभी गजेटियर को 31 मार्च तक किया जाए अपडेटः दुर्गा शंकर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र के समक्ष गजेटियर के सम्बन्ध में प्रस्तुतीकरण किया गया। इस मौके पर मुख्य सचिव ने कहा कि विगत कई वर्षों से गजेटियर में कोई अपडेशन का कार्य नहीं हुआ। उन्होंने सभी जनपदों के गजेटियर को आगामी 31 मार्च 2024 तक अपडेट करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि गजेटियर एक स्टैण्डर्ड फारमेट पर होने के साथ-साथ पूरी तरह डिजिटलीकृत हों, जिससे गजेटियर को कभी भी अपडेट किया जा सके।

बैठक में बताया गया कि जिला गजेटियरों के डिजिटाइज़ेशन की योजना के अर्न्तगत उपलब्ध सभी 50 जनपदों के गजेटियरों की स्कैनिंग की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गयी है। विभागीय वेबसाईट तैयार करने का कार्य यूपीडेस्को के माध्यम से किया जा रहा हैए जिसे एक माह के भीतर लांच कर दिया जायेगा तथा 25 जनपदों में गजेटियरों का कार्य प्रगति पर है। उल्लेखनीय है कि जिला गजेटियर की विषयवस्तु में जनपद की सामाजिक, आर्थिक, भौगोलिक, सांस्कृतिक आदि सूचनाओं को एक स्थान पर सरल एवं सीधी भाषा में प्रस्तुत करने का एक माध्यम है तथा जन सामान्य के लिए सन्दर्भ ग्रन्थ एवं विशेषज्ञों के लिए सूचना स्रोत के रूप में महत्वपूर्ण संकलन है। जिला गजेटियर्स विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा प्रदेश के समस्त जिलों के जिला गजेटियर्स प्रकाशन का कार्य किया जाता है। गजेटियर्स के प्रकाशन में प्रयुक्त सभी विषयों की सूचनाओं का संकलन जिलाधिकारी द्वारा प्रेषित सूचनाओं से किया जाता है। सूचनाओं के संकलन के लिए जिले को प्रश्नावली प्रेषित की जाती है जिसके आधार पर जिले द्वारा सूचनाएं एकत्र कर विभाग को प्रेषित की जाती है। प्राप्त सूचनाओं के आधार पर ही गजेटियर का संकलन किया जाता है। बैठक में अपर मुख्य सचिव राजस्व सुधीर गर्ग, अपर मुख्य सचिव कृषि देवेश चतुर्वेदी, आयुक्त एवं सचिव राजस्व परिषद मनीषा त्रिघाटिया, सचिव पर्यावरण आशीष तिवारी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सपा, बसपा, कांग्रेस व रालोद के कई नेता भाजपा में शामिल

● पूर्व मंत्री साहब सिंह सैनी राजपाल सैनी, जगदीश सोनकर पूर्व सांसद अंशुल वर्मा व कई पूर्व विधायकों ने समर्थकों सहित थामा बीजेपी का दामन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लोकसभा चुनाव 2024 के नजदीक आता देख प्रदेश की राजनीति में पाला बदलने का क्रम काफी तेजी से शुरू हो गया है। अभी हाल ही भाजपा से प्रदेश की सबसे बड़े विपक्षी दल समाजवादी पार्टी को झटका देते हुए सपा के विधायक दारा सिंह चौहान व सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर को अपने पाले में कर लिया वहीं सोमवार को भाजपा ने एक बार फिर विपक्षी दल सपा व बसपा को जबरदस्त झटका देते हुए उनकी सरकारों में मंत्री रहे साहब सिंह सैनी, जगदीश सोनकर व राजपाल सैनी को अपने साथ ले लिया है।

भारतीय जनता पार्टी के राज्य मुख्यालय पर सोमवार को समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, राष्ट्रीय लोकदल तथा कांग्रेस छोडकर कई वरिष्ठ नेताओं ने बड़ी संख्या में अपने समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व बृजेश पाठक के समक्ष पूर्व मंत्री एवं विधायक मोरना (बसपा 2002-2007) पूर्व राज्यसभा सांसद (बसपा 2010-2016) राष्ट्रीय अध्यक्ष सामाजिक न्याय मंच राष्ट्रीय लोकदल के राजपाल सैनी, सपा से पूर्व मंत्री व 02 बार विधायक रहे साहब सिंह सैनी सहारनपुर, सपा के पूर्व मंत्री जगदीश सोनकर जौनपुर, पूर्व सांसद सपा अंशुल वर्मा हरदोई, मुगराबादशाहपुर (2017-2022) में बसपा, सपा से वि.स. प्रत्याशी 2022 मड़ियाहू पूर्व विधायक सपा सुषमा पटेल जौनपुर, पूर्व विधायक सपा गुलाब सरोज जौनपुर, कांग्रेस से वाराणसी की पूर्व महापौर प्रत्याशी 2017 (द्वितीय स्थान) वाराणसी से 2019 में सपा की पूर्व लोकसभा प्रत्याशी डॉ. शालिनी यादव, पूर्व से पूर्व जिलाध्यक्ष डा पियूष यादव वाराणसी, बसपा से प्रत्याशी विधानसभा तिन्दवारी दिलीप सिंह हमीरपुर, बसपा से पूर्व प्रत्याशी विधानसभा सिधौली डॉ. पुष्पेन्द्र पासी सीतापुर तथा बसपा से पूर्व प्रत्याशी खतौली विधानसभा शिवान सैनी मुजफ्फरनगर ने बड़ी संख्या में अपने समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष बृज बहादुर ने किया।

मीडिया चेयरमैन कांग्रेस राजीव बख्शी लखनऊ, बसपा से खैरागढ़ विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी, पूर्व चेयरमैन जिला सहकारी बैंक गंगाधर कुशवाहा आगरा, बसपा से आगरा दक्षिण विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी रवि भारद्वाज आगरा, सपा से पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष, हमीरपुर/पूर्व प्रत्याशी चरखारी जितेन्द्र मिश्रा हमीरपुर, सपा से पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सत्यपाल यादव हापुड, सपा से पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सुनीता यादव हापुड, सपा से ब्लाक प्रमुख सिंभावली शिवानी यादव हापुड, सपा

इस अवसर पर प्रदेश सरकार के मंत्री गिरीश यादव, कपिल देव अग्रवाल, जसवन्त सैनी, प्रदेश मंत्री शंकर गिरि व प्रदेश मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित सहित कई अन्य वरिष्ठ नेता व पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने वाले वरिष्ठ नेताओं और उनके समर्थकों का पार्टी में स्वागत करते हुए कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार की गरीब कल्याण को समर्पित योजनाओं और उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चल रही विकास की योजनाओं और सुदृढ़ कानून व्यवस्था से प्रभावित होकर भाजपा की रीति-नीति में विश्वास व्यक्त करते हुए आज पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वालों का स्वागत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विश्व में भारत की पहचान एक सशक्त राष्ट्र के रूप में बनी है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के हर वर्ग और तबके तक बिना भेदभाव के पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की लोकप्रियता पूरे विश्व में लगातार बढ़ रही है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश में आगामी लोकसभा चुनाव में सभी 80 सीटें जीतने के लक्ष्य के साथ हम सबको अपने.अपने क्षेत्रों में, अपने-अपने बूथों पर पार्टी को मजबूत करते हुए हर बूथ पर कमल खिलाने के लिए काम करना है। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सपा-बसपा और कांग्रेस छोड़कर आज कई महत्वपूर्ण नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है।

सत्ता पक्ष का संसद के सम्मुख प्रदर्शन एक शर्मनाक घटनाः बृजलाल खाबरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने कहा है कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में सम्भवत: पहली बार संसद के सम्मुख सत्ता पक्ष को प्रदर्शन करते देखा जा रहा है, इसे केंद्र की सत्ता पक्ष की विफलता ही कहा जाएगा।

विपक्ष तो हमेशा सरकार की विफलताओं और जनहित के मुद्दों को लेकर धरना प्रदर्शन करता रहा है लेकिन सत्ता पक्ष जब यह सब करने लगे तो यह समझ लेना चाहिए कि अब यह सरकार चलाने के काबिल नहीं रहे। इतना ही नहीं जिस प्रकार पिछले दिनों सदन का बहिष्कार भी सत्ता पक्ष द्वारा करते देखा गया वह मोदी सरकार के नकारापन को दर्शाता है।

हिस्ट्रीशीटर को पकड़ने गई पुलिस पर ग्रामीणों का हमला

शाहजहांपुर। हिस्ट्रीशीटर को पकड़ने गई पुलिस पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। हिस्ट्रीशीटर की बेटी ने पुलिसकर्मियों के हाथ पर काट लिया। घटना में एक दरोगा और एक पुलिसकर्मी मामूली रूप से जख्मी हो गए। कोर्ट से वारंट जारी होने के बाद पुलिस की एक टीम हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार करने के लिए गांव पहुंची थी। फ्लिहाल पुलिस हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार कर थाने ले आई है। साथ ही सरकारी कार्य में बाधा डालने समेत गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की जा रही है।

खुटार थाना क्षेत्र के गांव मैनिया निवासी रोशन सिंह पिछले काफी समय से शराब की तस्करी और अवैध शराब बनाता रहा है। रोशन सिंह थाने का हिस्ट्रीशीटर है और उसके उपर कोई गंभीर धाराओं में मुकदमे भी दर्ज हैं। एक मुकदमे में कोर्ट ने हिस्ट्रीशीटर रोशन सिंह के खिलाफ वारंट जारी किया था। रविवार शाम खुटार थाने की चार पुलिसकर्मियों की एक टीम रोशन सिंह को गिरफ्तार करने के लिए उसके गांव पहुंची।

परिवार को पुलिसकर्मियों ने पहले तो गिरफ्तारी वारंट दिखाया और रोशन सिंह के बारे में पूछताछ की। इस बीच रोशन सिंह भी घर के बाहर आ गया। पुलिस उसको पकड़कर थाने लाने के लिए चल दी। इस बीच रोशन सिंह के परिवार की एक महिला और अन्य ग्रामीणों के साथ पुलिस के सामने आ गई और हिस्ट्रीशीटर को पुलिस से छुड़ाने लगी। महिला और पुलिसकर्मियों के बीच हुई हाथापाई

इस बीच ग्रामीणों ने पुलिस की टीम को घेर लिया। इसी बीच महिला और पुलिसकर्मियों के बीच हाथापाई होने लगी। महिला ने पुलिसकर्मियों के हाथ पर काट लिया। जिससे दरोगा समेत दो पुलिसकर्मियों को मामूली चोटें आई हैं। उसके बाद भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार कर थाने ले आई। पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर समेत पुलिस पर हमला करने वाले ग्रामीणों को चिन्हित कर कार्रवाई शुरू कर दी है।दो पुलिसकर्मियों को आई चोटें

एसपी ग्रामीण संजीव कुमार वाजपेयी ने बताया कि, श्पुलिस की एक टीम वारंट के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार करने गई थी। आरोपी के परिवार ने ग्रामीणों के साथ पुलिस पर हमला कर दिया था। एक महिला ने पुलिसकर्मियों के हाथ पर काट लिया था। जिससे दो पुलिसकर्मियों को चोटे आई हैं। आरोपी समेत ग्रामीणों के खिलाफ एफ्आईआर दर्ज कर कार्रवाई बता दें कि, रोशन सिंह और उसका भाई क्षेत्र में अवैध शराब की तस्करी और अवैध शराब बनाकर बेचने के मामले में काफी चर्चित हैं। उसके खिलाफ थाने में कई मुकदमे भी दर्ज हैं।

अचीवर्स स्किल एकेडमी में जीडीए के पहले बैच को वितरित किए गए प्रमाण पत्र

लखीमपुर खीरी। अचीवर्स स्किल्स एंड एजुकेशनल अकैडमी में जीडीए का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 20 बच्चों का प्रशिक्षण पूरा होने पर उन्हें सोमवार को कंपनी के एमडी अभिषेक शुक्लाए प्रशिक्षक शिल्पी राज और अंजू शुक्ला द्वारा सर्टिफिक्रेट व प्राइस वितरित किया गए। अचीवर्स स्किल्स एंड एजुकेशनल एकेडमी के एमडी अभिषेक शुक्ला ने बताया कि प्रधानमंत्री कौशल विकास की पद्धति पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपनों को साकार करने और युवाओं को स्किल एजुकेशन देने के क्षेत्र में अचीवर्स स्किल एंड एजुकेशनल एकेडमी निरंतर काम कर रही है। यहां पर (जीडीए) जनरल ड्यूटी असिस्टेंट के साथ ही ब्यूटीशियन, कंप्यूटर कोर्स, महिलाओं के लिए सिलाई कढ़ाई, मेहंदी सहित एजुकेशन से संबंधित कोर्स कराए जाते हैं। जिनकी फीस बेहद कम रखी गई है। जिससे मध्यमवर्गीय और गरीब परिवार के बच्चे भी अपने हाथों को हुनरमंद बनाकर रोजगार प्राप्त कर सकें।

सावन से तीसरे सोमवार पर गोला पहुंचे डीएम, मेले की तैयारियों का लिया जायजा

- डीएम ने की पूजा अर्चना जिले की सुख.समृद्धि एवं खुशहाली की कामना

लखीमपुर खीरी। सावन के तीसरे सोमवार को डीएम महेंद्र बहादुर सिंह छोटी काशी गोला गोकर्णनाथ पौराणिक शिव मंदिर पहुंचेए जहां उन्होंने स्थानीय अधिकारियों संग सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लियाए संबंधित को जरूरी दिशा निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने ड्यूटी पर तैनात प्रशासनिक एवं पुलिस कार्मिकों की हौसला अफजाई की। डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने श्रद्धालुओं एवं कांवरियों को मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। निर्देश दिए कि श्रद्धालुओ को किसी प्रकार की परेशानी न होए इसे प्रत्येक दशा में सुनिश्चित कराया जाए। डीएम ने नगर पालिका परिषद ईओ से साफसफाई एवं प्रशासनिकए पुलिस अफसरों से सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में जरूरी जानकारी लेकर सर्व संबंधित को जरूरी निर्देश दिए।

डीएम ने परिवार संग ने पूरे विधि विधान से पूजन अर्चन करते हुए जलाभिषेक किया। जनपद की सुख.समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस मौके पर एसडीएम रत्नाकर मिश्राए विधेशए सीओ गोला राजेंद्र प्रसादए तहसीलदार विनोद कुमार गुप्ताए अधिशासी अधिकारी नगर पालिका जी लालए नायब तहसीलदार सर्वेश कुमारए अरुण सोनकर सहित प्रशासन एवं पुलिस महकमे के अफसर मौजूद रहे।

ANNOUNCEMENT

Everyone in public is informed unanimously that the permission has been extended by the Jt. CP Licensing Delhi for the work of breaking the hard rock in Aerospace Museum through controlled blasting by licensed blasters at AF Station, Dwarka Road, Delhi Cantt., Palam, New Delhi-110010. This work is done in the National interest executed by Military Engineer Services through ITD Cementation India Limited.

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि **श्रीमती सुमन लता** पत्नी श्री विनोद कुमार बंसल, जो पर फ्लैट नंबर 18 ग्राउंड फ्लोर पॉकेट–1, श्रेणी–प्रकार–ए सेक्टर–24, रोहिणी, दिल्ली में स्थित के मालिक हैं, उन्होंने इसे दनांक 07.10.2008 को पंजीकृत कन्वेन्स डीड के माध्यम से दिल्ली विकास प्राधिकरण से (एसआरओ–VII, आईएनए, नई दिल्ली) में दस्तावेज संख्या 20633 के माध्यम से प्राप्त किया है। दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा उनके पक्ष में जारी निष्पादित एसआरओ–VII, आईएनए, नई दिल्ली में दस्तावेज संख्या 20633 के तहत दिनांक 07.10.2008 को पंजीकृत आवंटन पत्र, कब्जा पत्र और कन्वेयंस डीड के मूल दस्तावेज गुम हो गए हैं, इस संबंध में एनसीआर नंबर 131/2010, दिनांक 17.01.2010 के तहत एफआईआर प्राथमिकी दर्ज की गई है। यदि कोई व्यक्ति उक्त संपत्ति पर किसी भी प्रकार का दावा/अधिकार/स्वामित्व/हित रखता है तो वह आज से **07 दिन** के भीतर अपनी आपत्तियों के बारे में नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप से सूचित कर सकता है, ऐसा न करने पर यह माना जाएगा कि उक्त संपत्ति सभी प्रकार के भार, ग्रहणाधिकार, शुल्क, विवाद आदि से मुक्त है।

लुसेम लीगल एलएलपी
प्लॉट नंबर 136, (बेसमेंट) उदय पार्क, नई दिल्ली–110049, संपर्क करें # 011-40046316

जिलाधिकारी के आदेश के बाद भी नहीं लिखा जा रहा मुकदमा

- मृतक की बहन द्वारा मना किए जाने के बाद भी दफ्ना दिया गया शव
- बहन का आरोप, उसके भाई की हुई है हत्या

सीतापुर। संदिग्ध हालात में हुई युवक की मौत का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। आरोप है कि युवक की हत्या की गई है। मामले को लेकर डीएम और एसपी से गुहार लगाने के बाद भी मुकदमा पंजीकृत नहीं किया जा रहा है ऐसे में आरोपी खुलेआम घूम रहे है। अब दफ्न किए गए शव का पोस्टमार्टम कराए जाने की मांग युवक की बहन की तरफसे की जा रही है। मामले में शव का पोस्टमार्टम कराया जाता है या नहीं यह तो बाद में पता चल सकेगा। फ्लिहाल मृतक युवक की बहन इंसाफ के लिए दर–दर भटक रही है। मृतक की बहन की तरफसे सोमवार को एक प्रार्थना पत्र एसपी घुले सुशील चंद्रभान को सौपा गया। जिसमें शव का पोस्टमार्टम कराय जाने की मांग की गई। यह मामला सीतापुर के थाना सदरपुर इलाके का है। जनपद गाजियाबाद के थाना खोड़ा कॉलोनी निवासिनी शिकायतकर्ता वसीम बानो पत्नी मोहम्मद कमर का आरोप है कि उनके भाई एराज अहमद खान पुत्र स्वर्गीय लईक अहमद खान की हत्या दिनांक 6 जुलाई 2023 को कर दी गई है। जबकि उन्हे सूचना देकर यह बताया गया कि उनके भाई एराज की मौत करंट लगने से हुई है। सूचना पाकर वह दिल्ली से पैत्रक गांव थाना व ग्राम सदरपुर पहुंची। उन्होने शव को दफ्न न किए जाने के लिए फोन पर कहा था लेकिन फ्रि भी उनके भाई के शव को दफ्ना दिया गया। उनके भाई एराज की हत्या उसकी पत्नी तंजीम उर्फ मन्नी व मन्नी का प्रेमी वकील और एराज का दामाद वकील के द्वारा की गई है।

परिवहन विभाग ने की प्रदूषण जॉच केन्द्रों की चेंकिग

- प्रदूषण, मॉडीफाइड साइलेसर, हूटर, प्रेशर हॉर्न, शीशे पर काली फिल्म वाले वाहनों पर कसा शिकंजा

लखीमपुर खीरी। मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुपालन में 31 जुलाई तक सड़क सुरक्षा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। पखवाड़ा के अष्टम दिवस सोमवार को एआरटीओ आलोक कुमार की अगुवाई एवं देखरेख में जिले के प्रदूषण जॉच केन्द्रों की चेंकिग व मानक से अधिक प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों की चेकिंग, मॉडीफाइड साइलेन्सर, हूटर, प्रेशर हॉर्न, शीशे पर काली फिल्म की चेकिंग हुई। संभागीय निरीक्षक (प्राविधिक) पंकज ने जनपद में स्थापित प्रदूषण जॉच केन्द्रों की चेकिंग करते हुए जॉच केन्द्र पर स्थापित उपकरणों को इस आशय से चेक किया कि उपकरण मानक अनुरूप हैं अथवा तथा नियमानुसार रखे जाने वाले रिकार्ड/अभिलेखों का अवलोकन किया।

सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन/ प्रवर्तन) आलोक कुमार ने यातायात निरीक्षक चिरंजीव मोहन यातायात उपनिरीक्षक मनीष पाठक के साथ संयुक्त रूप से जनपद के विभिन्न मार्गो पर चेकिंग की। मानक विरूद्ध (प्रेशर हार्न, हूटर, प्रदूषण एवं काली फिल्म आदि के अभियोग में) दर्जनों वाहनों का चालानए निरूद्ध की कार्यवाही की तथा दो पहिया वाहनों मानक के विपरीत मॉडिफाईड साईलेंसर लगे 02 वाहनों के विरूद्ध चालान की कार्यवाही करते हुए दोनों वाहनों से ऐसे साइलेंसर निकलवाए। जनमानस में पेम्फ्लेट्स, स्टीकर्स व हैंडबिल वितरित किये गये।

कछला गंगा से शिव जी की प्रतिमा कांधा पर रखकर पहुचे मंदिर, हजारों की संख्या में कावड़ियों ने किया जलाभिषेक

बरेली। सावन के तीसरे सोमवार को जिला के कोने - कोने से हजारों की संख्या में कावड़ियों ने शिव मंदिरों में जल अभिषेक किया। अलग-अलग क्षेत्रों से बरेली नाथ नगरी में कछला गंगा से जल लाकर श्री अलखनाथ मंदिर , धोपेश्वर नाथ मंदिर , त्रिवती नाथ, पशुपतिनाथ मंदिर, श्री बनखंडी नाथ मंदिर , मणिनाथ मंदिर , तपेश्वर नाथ मंदिर सहित शहर के सभी छोटे बड़े शिव मंदिरों में शिव भक्तों ने जलाभिषेक किया । बिहारीपुर सिविल लाइंस क्षेत्र से सड़कों की संख्या में कांवरियों ने कछला से जल लाकर बरेली पहुंचे और धोपेश्वर नाथ मंदिर में जलाभिषेक किया। कावड़ियों ने शिव जी की प्रतिमा कछला गंगा से पैदल कांधा पे रखकर धोपेश्वर नाथ मंदिर पहुंचे और जलाभिषेक किया। साथ में भारी संख्या में महिलाओं ने भी जलाभिषेक किया। कावड़िया ने बताया 2 दिन पहले कछला गंगा जल लेने गए थे कछला गंगा से पैदल कांवर लेकर बरेली आए और शिव मंदिर में जलाभिषेक किया।

सड़क दुर्घटना में दो कावड़िये घायल

बरेली । कछला से गंगाजल लेकर लौट रहे दो कावड़िये रास्ते में हुई सड़क दुर्घटना में घायल हो गए पुलिस ने उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया ।बिथरी चौनपुर थाना क्षेत्र के राम गंगा नगर कॉलोनी निवासी अमन पुत्र प्रेम प्रकाश और यश पुत्र भूपेंद्र को सोमवार दोपहर इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया जहां उनके घर वालों ने बताया कि अमन और यश कल शाम को एक मिनी लोडर से अपने कुछ साथियों के साथ कछला घाट गंगा जल लेने के लिए गए थे जहां से आज सुबह सभी वापस लौट रहे थे लेकिन श्याम गंज बाजार के पास पीछे से आ रहे एक मिनी ट्रक ने उनके मिनी लोडर को टक्कर मार दी जिससे यश और अमन घायल हो गए दुर्घटना के बाद टक्कर मारने वाला वाहन फरार हो गया सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने दोनों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया ।

12 ग्राम पंचायतों को योजना का मिलेगा लाभ, बदले जाएगें लाइन के जर्जर तार

सीतापुर। वह दिन दूर नहीं जब लो वोल्टेज और आए दिन टूट–टूटकर तार गिरने की समस्या से छुटकार मिलेगा। उपभोक्ताओं को बेहतर आपूर्ति सुनश्चित कराने के लिए योगी सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सरकार की तरफसे ओबिडेंस विद्युत योजना लागू की गई है। इसके तहत जर्जर तारों और खंभों को बदलने का काम किया जाएगा। इसके अलावा ट्रासंफर्मर भी बदले जाएगें। तहसील मिश्रिख क्षेत्र के 12 ग्राम पंचायतों को योजना के अंतर्गत पहले चरण में शामिल किया गया । योजना के अंतर्गत ग्रामीण फीडर में जहां नलकूप है वहां मीटर लगाए जाएगें। इसके अलावा आपूर्ति निर्बाध रुप से सुनश्चित करने के लिए जो जरुरी होगा उस पर कार्य प्राथमिकता से कराया जाना है। मौके पर एसडीओ मिश्रिख शैलेन्द्र पांडेय,जेई सुमित कुमार, नईम अहमद, अंकित शुक्ला, भास्कर मिश्रा, प्रधान सत्यपाल सहित बिजली विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

नगर आयुक्त ने ऑडिटोरियम का निरीक्षण किया

- नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा ने अंटा चौराहे के पास निर्माणाधीन ऑडिटोरियम का निरीक्षण किया

शाहजहांपुर। इस मौके पर स्थल पर बिल्डिंग में लगाये जाने वाले शीशो में टशन के शीशे लगाए जाने का फरमान सुनाया बिल्डिंग में सीढ़ियों के सामने अंडरग्राउंड बनी नाली को साफ कराये के बाद जाली से ढकवाये जाने एवं आगे की ओर खुली नाली को जाली से कवर किये जाने के निर्देश दिए । नगर आयुक्त ने बिल्डिंग के पीछे की ओर बाउंड्री वाल पर छोटी हुई रेलिंग का कार्य पूर्ण कराया जाने एवं विद्युत सुरक्षा संयंत्रों की सुरक्षा के लिए विभागों के अधिकारियों से वार्ताकर कर टेस्टिंग परीक्षण कराये जाने के बाद ही अग्रिम कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर कर्मचारियों ने बताया निर्माणाधीन ऑडिटोरियम के बेसमेंट में लगभग 30 से 35 चार पहिया वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था है। बिल्डिंग के मेन गेट के पास फूलदार वृक्ष लगये जाने एवं बिल्डिंग में अन्य निर्माण कार्य कराए। अधिशासी अभियंता निर्माण आशीष त्रिवेदी एवं अन्य अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

राज्य स्मार्ट सिटी मिशन के अन्तर्गत महत्वपूर्ण परियोजना इंटेलीजेन्स ट्रैफ्फिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) के आपरेशनल कंट्रोल रूम का महापौर श्रीमती अर्चना वर्मा वं नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा ने निरीक्षण किया निरीक्षण के समय महापौर ने आई0टी0एम0एस0 कंट्रोल रूम के माध्यम से होने वाले कार्यों की जानकारी ली। नगर में यातायात व्यवस्था को सुगम रखने हेतु सम्बंधित को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए । निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त एसके सिंह जी, अधिशासी अभियन्ता आशीष त्रिवेदी एवं तकनीकी टीम के सदस्यगण उपस्थित रहे।

PUBLIC NOTICE

Whereas, License no. 34-36 of 2007 dated 23.01.2007 (said License) was granted by the Director, Town & Country Planning, Haryana ("DTCP") to M/s Maximal Infrastructure Pvt. Ltd. & Others for development of Group Housing Colony.

And whereas, M/s Parcela Real Estate Pvt. Ltd., has applied for grant of permission of Change in Beneficial Interest of area measuring 7.2431 acres (equivalent to 74,062.922 sqm FAR) (said area) under the said license to DTCP, Haryana, Chandigarh.

And whereas, there is no third party right has been created by Parcela Real Estate Pvt. Ltd. in the said area, part of said license in any manner whatsoever. And whereas, vide office memo no. 24228 dated 21.07.2023, DGTCP, Haryana, has accorded in-principle approval for change in Beneficial interest for the said area in license no. 34-36 of 2007 in favour of M/s Parcela Real Estate Pvt. Ltd. And whereas, the office of Director General, Town & Country Planning, Haryana, Chandigarh has required seeking of objections are hereby invited against the proposed change in beneficial interest. Thus, any objection on the said Change in Beneficial Interest against the said area, may file in the office of STP/DTP, HUDA Complex, Sector-12, Faridabad and/or in the office of the undersigned at 13, Ajmer Road, Baluganj, Agra within 30 days of the publication of this Notice, failing which it shall be assumed that there are no objections to the proposed Change in Beneficial Interest.

For Parcela Real Estate Pvt. Ltd
Sd/- Authorised Signatory
Place: Agra Date: 25/07/2023

ICICI Bank शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्लॉट नं. 23, शाल टॉवर, तीसरी मंज़िल, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली– 110005

सार्वजनिक सूचना – प्रत्याभूत आस्ति की बिक्री हेतु निविदा–सह–ई–नीलामी
[नियम 8(6) का परंतुक देखें]
अचल संपत्तियों की बिक्री हेतु सूचना

अचल संपत्तियों के विक्रय के लिए ई–नीलामी विक्रय सूचना वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुन: निर्माण तथा प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 के अन्तर्गत सहपठित प्रतिभूति ब्याज प्रवर्तन नियमावली, 2002 की धारा 8(6) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए जारी की गई है ।

सर्वजन तथा व्यक्तिगत रूप से कर्जदार एवं ज़मानतदार को इस सूचना द्वारा सूचित किया जाता है कि नीचे दर्शाई गई अचल संपत्ति के संरक्षित ऋणदाता के पास बंधक/ अधिभारित है। उनका भौतिक अधिग्रहण आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड (संरक्षित ऋणदाता) द्वारा प्राधिकृत अधिकारी के रूप में कर लिया गया है एवं दर्शाए विवरण अनुसार उनके द्वारा "जहाँ है जैसी है", "जैसी है वैसी है" एवं "जिस भी स्थिति में है" के आधार पर अचल संपत्ति के विक्रय के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए जा रहे हैं :–

क्र. सं.	कर्जदार (रों)/ सह–कर्जदारों/ गारंटरों का नाम/ ऋण खाता संख्या	प्रत्याभूत आस्ति का विवरण, ऋणभारों सहित, यदि कोई	बकाया राशि (रु. में)	सुरक्षित मूल्य (रु. में) / धरोहर राशि जमा (रु. में)	संपत्तियों निरीक्षण की तिथि एवं समय	ई–नीलामी की तिथि एवं समय
(ए)	(बी)	(सी)	(डी)	(ई)	(एफ)	(जी)
1.	मेकशॉट इंजीनियर्स– मनोज कुमार, रिया रानी, रजनीश सिंह, अवंतिका कुशवाहा खाता संख्या– 629405042934	वाणिज्यिक स्थान नं. 405 ए चौथी मंजिल, वाणिज्यिक परिसर जिसे ऑर्बिट प्लाजा के नाम से जाना जाता है, प्लॉट नंबर सी–2 क्रॉसिंग्स रिपब्लिक डूंडाहेड़ा, एनएच–24, गाजियाबाद, सुपर एरिया 487 वर्ग फुट।	रु. 32,62,649/- (जुलाई 02, 2023 तक)	रु. 25,65, 000/- / रु. 2,56,500/-	अगस्त 22, 2023 को सु. 11:00 बजे से दोप. 12:30 बजे तक	सितंबर 05, 2023 को दोप.12:00 बजे से दोप. 01:00 बजे तक

ऑनलाइन नीलामी हमारी ई–नीलामी संस्था **मेसर्स नेक्सजेन सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड** की वेबसाइट **(URL Link- https://disposalhub.com)** पर संचालित होगी । बंधकदाताओं/ सूचना प्रेषितकर्ताओं को **सितंबर 04, 2023** को **शाम 05:00** बजे से पूर्व तक कुल बकाया राशि उस पर आगे ब्याज सहित भुगतान करने का अंतिम अवसर दिया जाता है, जिसमें विफल रहने पर इस/ इन संरक्षित संपत्ति/यों की बिक्री निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार की जाएगी।

संभावित बोलीकर्ता (बोलीकर्ताओं) को बयाना राशि (ईएमडी) डिमाण्ड ड्राफ्ट (डीडी) (सारणी **ई** संदर्भ) जो **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्लॉट नं. 23, शाल टॉवर, तीसरी मंज़िल, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली– 110005** में **सितंबर 04, 2023** तक **शाम 05:00** बजे से पूर्व जमा करना अनिवार्य है एवं इसके पश्चात् वे अपना प्रस्ताव उपरोक्त वर्णित वेबसाइट के माध्यम से ईएमडी के भुगतान साक्ष्य अर्थात बैंक डीडी पावती की स्कैन इमेज, **सितंबर 04, 2023** तक **शाम 05:00** बजे से पूर्व जमा करें। कृपया नोट करें कि संभावित बोलीकर्ता (बोलीकर्ताओं) वेबसाइट के माध्यम से उनके प्रस्ताव को जमा कराने में विफल रहने पर वे **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्लॉट नं. 23, शाल टॉवर, तीसरी मंज़िल, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली– 110005** में निविदा प्रलेखों की हस्ताक्षरित प्रति को **सितंबर 04, 2023** को **शाम 05:00** बजे से पूर्व तक जमा करवा सकते हैं। बयाना राशि का डिमाण्ड ड्राफ्ट/ पे ऑर्डर किसी भी राष्ट्रीयकृत/ शैड्यूल्ड बैंक द्वारा **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड** की **दिल्ली** शाखा के पक्ष में भुगतान हेतु होना चाहिए।

संपत्ति अवलोकन, ई–नीलामी के नियम एवं शर्तों तथा निविदा प्रक्रिया के संदर्भ में स्पष्टीकरण हेतु कृपया **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड** को फोन नंबर **9372730494/ 8584874809** पर संपर्क करें।

कृपया नोट करें कि मार्केटिंग एजेंसियाँ **1. मेसर्स नेक्सजेन सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, 2. ओजीओ असेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड व 3. हेक्टा प्रॉपटेक प्राइवेट लिमिटेड** इस संपत्ति की बिक्री में सुगमता हेतु सलंग्न हैं।

प्राधिकृत अधिकारी बिना किसी कारण दर्शाए किसी एक अथवा अधिक निविदा व बोली को निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं।

बिक्री के विस्तृत नियमों एवं शर्तों हेतु कृपया वेबसाइट **www.icicibank.com/n4p4s** पर संपर्क करें ।

तिथि : जुलाई 25, 2023 **प्राधिकृत अधिकारी**
स्थान : दिल्ली/एनसीआर **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड**

राष्ट्रीय सेमिनार का हुआ समापन

शाहजहाँपुर। एसएस कॉलेज में सामाजिक उद्यमिता पर चल रही संगोष्ठी के तीसरे और अंतिम दिन डीएन कॉलेज, मेरठ के वाणिज्य विभागाध्यक्ष प्रो. एस.के. शर्मा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुये कहा कि सामाजिक विकास आर्थिक विकास से भी ज्यादा महत्वपूर्ण होता है क्योंकि एक विकसित समाज ही स्थिर आर्थिक विकास को प्राप्त कर पाता है। इसलिए अर्थव्यवस्था के स्थायी विकास के लिए सामाजिक कल्याण और सीमान्त वर्ग का उत्थान आवश्यक है। इस दिशा में प्रत्येक नागरिक को अपनी क्षमता के अनुसार काम करना चाहिए, चूंकि उद्यमी सामाजिक आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं और बदले में लाभ अर्जित करते हैं। इसीलिए सामाजिक उद्यमिता के क्षेत्र में उनका दायित्व अन्य नागरिकों की अपेक्षा अधिक है। उद्यमियों से अपेक्षा की जाती है कि गरीब बच्चों की शिक्षा, गरीब लड़कियों के विवाह, पुनर्वास योजनाओं आदि पर विनियोग करें। इससे पूर्व समापन सत्र का शुभारंभ

स्वामी शुकदेवानंद सरस्वती जी के चित्र पर पुष्पांजलि से हुआ। वाणिज्य विभागाध्यक्ष प्रो ? अनुराग अग्रवाल ने मुख्य अतिथि का परिचय प्रस्तुत किया। प्राचार्य प्रो ? आर ?के ? आजाद ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि महाविद्यालय के छात्रों को विभिन्न विषयों पर ज्ञान से परिपूर्ण करने, अलग–अलग स्थानों से विद्वान आते हैं। इनसे प्राप्त ज्ञान ही छात्रों के लिए बौद्धिक संपदा है, जिसका प्रयोग करके वे सफल उद्यमी बन सकते हैं। डॉ ? रूपक श्रीवास्तव के संचालन में हुए कार्यक्रम के अंत में तीनों तकनीकी सत्रों में प्रथम, द्वितीय, तृतीय और सांत्वना पुरस्कार प्राप्त करने वाले 15 विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। पुरस्कृत होने वाले विद्यार्थियों में दशनीत कौर, श्रीजी सेठ, वैष्णवी रस्तोगी, अंश कपूर, अरमान महरोत्रा, दिव्यांशु अग्रवाल, कुशल गोयल, माणिक महरोत्रा, शान्तम अरोड़ा, शाश्वत शर्मा, निहारिका सिंह, गुनगुन सिंह, विनायक कपूर, शगुन कपूर, काली खन्ना सम्मिलित थे। अंत में डॉ0 देवेंद्र सिंह ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर डॉ. कमलेश बाबू गौतम, डॉ. गौरव सक्सेना, डॉ. विजय तिवारी, डॉ. अजय कुमार वर्मा, डॉ. संतोष प्रताप सिंह, डॉ ? सचिन खन्ना, कु. ब्रज लाली, अपर्णा त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

जैश इंडस्ट्रीज लिमिटेड

पंजी कार्यालय: 502, एनडीएम–II, एनएसपी, पीतमपुरा, दिल्ली–110034
सीआईएन: एल24302डीएल1985पीएलसी383771 वेबसाइट: www.jaschindustries.com ई–मेल: accounts@jasch.biz

30 जून, 2023 को समाप्त तिमाही के लिए समीक्षित इंड–एएस वित्तीय परिणामों का उद्धरण।
(सूचीकरण विनियमों के विनियम 47(1)(बी) के तहत पृथक्कृत और समेकित वित्तीय परिणाम) [रु. लाख में]

क्र. स.	विवरण	पृथक्कृत				समेकित	
		तिमाही समाप्त			वर्ष समाप्त	तिमाही समाप्त	वर्ष समाप्त
		30.06.23	31.03.23	30.06.22	31.03.23	30.06.23	31.03.23
		अलेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित
1	प्रचालनों से कुल आय	5653.55	5539.23	6199.01	23694.82	5653.55	23694.82
2	ब्याज, मूल्यहास एवं करों से पूर्व लाभ (ईबीआईटीडीए)	1044.06	1006.56	812.57	3110.13	1044.01	3109.64
3	अवधि हेतु शुद्ध लाभ कर तथा (अपवाद मदों से पहले)	930.77	897.00	720.84	2702.49	930.72	2702.00
4	अवधि हेतु शुद्ध लाभ कर से पहले (अपवाद मदों से बाद)	930.77	897.00	720.84	2697.26	930.72	2696.77
5	अवधि हेतु शुद्ध लाभ कर पश्चात (अपवाद मदों से बाद)	692.82	657.09	533.23	1994.60	692.77	1994.11
6	अवधि हेतु कुल समावेशी आय जिसमें अवधि हेतु लाभ (कर पश्चात) तथा अन्य समावेशी आय (कर पश्चात) सम्मिलित है	692.82	657.09	533.23	1994.60	692.77	1994.11
7	इक्विटी शेयर पूंजी	1133.00	1133.00	1133.00	1133.00	1133.00	1133.00
8	संचेय	10548.46	9855.64	8376.49	9855.64	10547.91	9855.15
9	प्रति शेयर अर्जन (रु.10/– प्रत्येक का) मूल एवं तनुकृत	6.11	5.80	4.71	17.60	6.11	17.60

नोट:

1. उपरोक्त सेबी (सूचीबद्ध दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 के विनियम 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंज के साथ दायर तिमाही वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का एक उद्धरण है। तिमाही वित्तीय परिणामों का पूरा प्रारूप बी.एस.ई. लिमिटेड के वेबसाइट **www.bseindia.com** और कंपनी की वेबसाइट **www.jaschindustries.com** पर उपलब्ध है।
2. कंपनी के वित्तीय परिणाम भारतीय लेखामानकों (इंडएएस) के अनुसार तैयार किए गए हैं।
3. पिछली अवधि के आंकड़ों को वर्तमान अवधि के वर्गीकरण के अनुरूप बनाने के लिए, जहां आवश्यक हो, पुनः समूहित किया गया है।

सोनीपत, 22 जुलाई 2023 हस्ता/– (जे.के. गर्ग)
प्रबंध निदेशक

पायनियर
नई दिल्ली, मंगलवार, 25 जुलाई, 2023

'या हुसैन-या हुसैन' की सदा से रात भर गूंजता रहा शहर, चला मजलिसों का दौर

- ताजिया जुलूस में भारी संख्या में उमड़ी भीड़
- आज बाकरगंज में छह ताजियों के बीच होगा मिलाप

संवाददाता। फतेहपुर

पीरनपुर और सैय्यदवाड़ा से उठने वाले ताजियों का जुलूस मोहर्रम की पांचवीं तारीख को लाला बाजार पहुंचा। धीरे-धीरे जुलूस पीलू तले चौराहे की ओर बढ़ा और प्रात: नौ बजे सभी ताजियों का मिलाप हुआ। इस दौरान ताजिया जुलूस में भारी तादाद में अकीदमंदों की भीड़ रही।

वहीं अलम व अखाड़ा हाथों में लोग या हुसैन, या हुसैन के नारे लगाते रहे। वहीं शिया समुदाय में लोगों ने मजलिसों का आयोजन किया। बताते चलें कि मोहर्रम की चार तारीख की रात शहर के सैय्यदवाड़ा मुहल्ले से मुसद्दक हुसैन उर्फमुच्छू, इसी मुहल्ले से अमीर उद्दीन, पनी मुहल्ले से हामिद अली, पीरनपुर से सुबराती व बुलाकी के ताजिये अपनी-अपनी इमाम चौक से ढोल-नगाड़ों के बीच उठाये गये थे। जो निर्धारित मार्गों पर गश्त करते करते रहे। सैय्यदवाड़ा मुहल्ले के दोनों ताजिये इमामबाड़े से उठकर लाला बाजार पुलिया पर काफी देर तक खड़े हुए। इसके अलावा हामिद अली का ताजिया मसवानी से चौगलिया लाला बाजार पहुंचा। जहां पर सुबराती व बुलाकी केताजियों से मिलान किया। ताजियो के आगे लगभग दर्जन भर से अधिक अलम व अखाड़ादार अपने-अपने अलम हाथों में लिये या हुसैन, या हुसैन के नारे लगाते रहे। उधर शिया समुदाय के लोगों में मजलिसों का दौर जारी रहा।

ताजियों के अलम का पहला मातमी जुलूस निकाला गया

मौदहा, हमीरपुर। आज सोमवार को मोहर्रम की पांचवी तारीख में ताजियों केआलम का पहला मातमी जुलूस कस्बा केगंधीगर इमामबाड़े से परंपरागत तरीके से निकाला गया। फातेहा और उसके बाद या हुसैन या हुसैन के नारे बुलंद करते हुए फिदाईन हुसैन आलम के साथ आगे बढ़ने लगे और कजयाना इमामबाड़ा जो 10 कदम पर है वहां पहुंचने केसाथ लंगर और सबीलो का सिलसिला शुरू हो गया। इसी केबाद गदाई, मांदा, चौधराना, दीवान सहीद सिजवाहिया नराहिया हुसैनगंज तीनबखरी हैदरिया कसौड़ा भुईयां रानी उपरौस फरिहा, मोहाली, कसौड़ा उपरौस, मराठीपुरा थाना चौराह बनेवटा नेशनल चौरा से देर रात उसी स्थान पर पहुंचा। ढोल ताशे ढाल नेजे साथ चलते थे।

अस्पताल में मरीज़ की मौत पर डीएम ने लिया संज्ञान

हमीरपुर। जिला अस्पताल से कानपुर रिफर हुये मरीज की मृत्यु लापरवाही से होने की मामले जांच एडीएम ने करके जिलाधिकारी को सौप दी है। एडीएम ने जिला अस्पताल पहुंचकर एंबुलेंस कर्मी, इमरजेंसी में तैनात चिकित्सक के बयान दर्ज किये। रविवार की सुबह सुमेरपुर के फैक्ट्री एरिया के निकट रेलवे ट्रैक पर एक 50 वर्षीय यात्री गंभीर हालत में मिला था। जो चलती ट्रेन से गिरकर घायल हुआ था। पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायल को जिला अस्पताल भेजा था। यहां से भी हालत नाजुक होने पर उसे कानपुर रेफर किया गया था। लेकिन कोतवाली से आया होमगार्ड उसे एंबुलेंस में शिफ्ट कराने केबाद अचानक लापता हो गया। जिसकेइंतजार करते हुए तीन घंटे निकल गए और घायल वृद्ध एंबुलेंस में तड़पता रहा और उसकी मौत हो गई। एडीएम ने बताया कि उन्होंने अपनी रिपोर्ट डीएम को सौंप दी है। रविवार से पुलिस शव की शिनाख्त की कोशिश में लगी है।

प्राकृतिक खेती से बदलेगी किसानों की तकदीर: सांसद पटेल

- चित्रकूट सांसद ने गोष्ठी में किसानों को दी योजनाओं की जानकारी

संवाददाता। चित्रकूट

बांदा-चित्रकूट सांसद आर के सिंह पटेल ने रविवार को रामनगर व मऊ में आयोजित किसान गोष्ठियों में किसानों को सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह स्वयं किसान केबेटे हैं और किसानों की समस्याओं को बखूबी समझते हैं। ऐसे में क्षेत्रीय किसान कभी भी समस्या होने पर सीधे उनसे सम्पर्क कर सकते हैं। जिसका निस्तारण प्राथमिकता से कराएंगे।

किसान गोष्ठियों में सांसद आर के सिंह पटेल ने कहा कि कृषि उत्पादन में वृद्धि केलिए कृषि प्रसार, कृषि निवेश तथा तकनीकी प्रबन्धन योजना केअन्तर्गत संचालित कृषि सूचना तंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत खरीफ कार्यक्रमों के सफल क्रियान्वयन, अधिक फसलोत्पादन तथा कृषकों को नवीनतम तकनीकी प्रदान किये जाने के उद्देश्य से जनपद, विकासखण्ड स्तरीय कृषि निवेश मेला एवं सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन योजनान्तर्गत किसान गोष्ठियों का आयोजन किया जा रहा है।

जिले में कृषि व कृषि आधारित अन्य गतिविधियां पशुपालन, बागवानी तथा कृषि आधारित उद्योगों को विकसित करने केउद्देश्य से जनपद, विकासखण्ड स्तरीय कृषि निवेश मेला एवं किसान गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन समस्त विकास खण्डों में किया जा रहा है। जिसमें पहाडी और मानिकपुर विकास खण्ड में इन मेलों का आयोजन किया जा चुका है।

सांसद ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनपद एवं विकासखण्ड स्तरीय कृषि निवेश मेला में विकासखण्ड के अन्तर्गत समस्त ग्रामों के किसानों को कृषि, उद्यान, पशुपालन, रेशम, सहकारिता, सिंचाई, विद्युत, एग्रो आदि विभागों के अधिकारी, बैंकर्स, एनजीओ एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक प्रतिभाग करते हुये कृषकों को नवीनतम कृषि की जानकारी प्रदान करें। जिससे कृषक अपनी उत्पादकता में वृद्धि कर अधिक लाभ प्राप्त कर सकें।

एसडीएम ने बाढ़ राहत चौपाल लगा किया ग्रामीणों से संवाद

जालौन, उरई। यमुना के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए बाढ़ संवेदनशील क्षेत्र में एसडीएम की अध्यक्षता में बाढ़ राहत चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीणों को बाढ़ से बचाव और बाढ़ आने पर जन धन हानि को रोकने के उपायों की जानकारी दी गई।

इन दिनों यमुना का जलस्तर दिन पर दिन बढ़ रहा है। ऐसे में तहसील क्षेत्र में यमुना पट्टी के कुछ गांव बाढ़ आने पर प्रभावित होते हैं। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए एसडीएम सुरेश कुमार की अध्यक्षता में तहसील क्षेत्र के बाढ़ संवेदनशील गांव मऊ कनार में बाढ़ राहत चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में एसडीएम ने स्थानीय लोगों से संवाद करते हुए बाढ़ के दौरान आने वाली समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने वहां उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि राहत चौपाल के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य है कि समस्त संभावित बाढ़ ग्रस्त गांवों में जाकर स्थानीय लोगों को बाढ़ से बचाव के लिए प्रशासन की तैयारियों के बारे में अवगत कराया जाए। राहत चौपाल के आयोजन के माध्यम से प्रशासन का प्रमुख उद्देश्य बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र के निवासियों को राहत पहुंचाना है। इसके अलावा बाढ़ के दौरान उन्हें सहयोग भी प्रदान करना है।

मोहर्रम को लेकर पुलिस ने ड्रोन कैमरों से सर्च अभियान चलाया

जालौन, उरई। मोहर्रम के पर्व को लेकर पुलिस ने सतर्कता बढ़ा दी है। रविवार की रात जहां पुलिस ने नगर की सड़कों पर पैदल गश्त किया तो सोमवार को पुलिस ने ड्रोन कैमरों की मदद से ताजिया मार्ग पर निरीक्षण करते हुए छतों पर सर्च अभियान चलाया। मोहर्रम के पर्व के दौरान कहीं किसी प्रकार की कोई अराजकता न फैले इसके लिए पुलिस ने सक्रियता बरतनी शुरू कर दी है। सोमवार को कोतवाल समीर सिंह ने पुलिस टीम के साथ ताजिया मार्ग पर छतों पर ड्रोन कैमरे की मदद से सर्च अभियान चलाया। मकान की छतों पर कहीं कोई ईंट, पत्थर अथवा लाठी, डंडे तो नहीं रखे हुए है इसकी चौकिंग की गई। समस्त ताजिया मार्ग पर किए गए निरीक्षण के दौरान कहीं कोई ऐसी सामग्री एकत्रित नहीं मिली। इससे पूर्व रविवार की शाम कोतवाल समीर सिंह के नेतृत्व में सड़क पर पैदल गश्त की गई। गश्त के दौरान पुलिस ने लोगों को सुरक्षा का अश्वासन दिया।

मड़वाई में नवनिर्मित आंगनबाड़ी केंद्र का राज्यमंत्री व जिलाधिकारी ने किया उद्घाटन

संवाददाता। कानपुर देहात

संवेदना एवं क्रियाशीलता से भरपूर जिलाधिकारी नेहा जैन ने अपने जन्म दिवस के अवसर पर अपने गोद लिए अकबरपुर तहसील क्षेत्र के गांव मड़वाई में नवनिर्मित आंगनबाड़ी केन्द्र का उद्घाटन महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिभा शुक्ला की अगुवाई में फीता काटकर किया।

इस अवसर पर उन्होंने नवनिर्मित आंगनबाड़ी केन्द्र में विद्यमान सुविधाओं को देखकर जिला कार्यक्रम अधिकारी राकेश यादव की भूरि-भूरि प्रशंसा की तथा उन्होंने इस आंगनबाड़ी केन्द्र को जिले के अन्य आंगनबाड़ी केन्द्रों के लिए मॉडल के रूप में प्रस्तुत करने के लिए कहा। उन्होंने अपने जन्म दिवस के अवसर पर आंगनबाड़ी केन्द्र के बच्चों को चॉकलेट, मिठाईयां वितरित किया, साथ ही बच्चों की प्रतिभा को निखारने के लिए अलग से पेटिंग किट भी प्रदान किया। उन्होंने बच्चों के संग समय व्यतीत करते हुए उनके ज्ञान का परीक्षण किया, बच्चों की जिज्ञासा और अपने प्रति स्नेह देखकर जिलाधिकारी अत्यधिक प्रसन्न हुई।

इस विशेष अवसर पर उन्होंने आंगनबाड़ी केन्द्र में पौधरोपण भी किया। इसके पश्चात जिलाधिकारी व राज्यमंत्री प्राथमिक विद्यालय मड़वाई गयी, जहां पर बच्चों ने जिलाधिकारी को उनके जन्मदिवस की शुभकामनाऐं दी। यहां पर उन्होंने जुलाई माह में जन्म हुए बच्चों के साथ केक काटा। यहां पर भी उन्होंने बच्चों को उपहार स्वरूप पेटिंग किट व चॉकलेट वितरित किया। इसके पश्चात जिलाधिकारी व राज्यमंत्री ने उच्च प्राथमिक विद्यालय मड़वाई का भी दौरा किया। वहां के बच्चों को भी पेटिंग किट, चॉकलेट, मिठाईयां आदि वितरित किया। उन्होंने सभी विद्यालयों में आर0ओ0 वाटर लगाने के निर्देश दिये, जिससे बच्चों को स्वच्छ जल मिल सके।

क्विक न्यूज

जीतेन्द्र मिश्रा सपा का दामन छोड़ भाजपा में हुए शामिल

हमीरपुर। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जितेन्द्र मिश्रा ने सपा छोड़ भाजपा का दामन थाम लिया। लखनऊ में भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, बृजेश पाठक की मौजूदगी में कई दिग्गज नेताओं की मौजूदगी में भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। सोमवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने उन्हें पार्टी का पटटा पहनाकर शामिल किया। जितेंद्र मिश्रा ने अपने राजनैतिक कैरियर की शुरुआत बहुजन समाज पार्टी से वर्ष 2006 में की थी। जिसके टिकट पर जितेंद्र मिश्रा की पत्नी गौरी मिश्रा जिला पंचायत सदस्य बनीं। इसी पार्टी से संजय दीक्षित चुने गए थे। जिन्होंने जिला पंचायत अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाली। 2012 में विधानसभा चुनाव में सपा को मिली जीत पर गौरी मिश्रा पाला बदल कर सपा में शामिल हो गईं। राजनीति का समय चक्र घूमा और गौरी मिश्रा जिला पंचायत अध्यक्ष बन गईं। वहीं सपा से पूरी निष्ठा से जुड़े रहने पर वर्ष 2017 में महोबा के चरखारी से विधानसभा का चुनाव लड़े। जिसमे जीतेन्द्र मिश्रा दूसरे नंबर रहे।

31 जुलाई तक खरीफ फसलों का करायें बीमा: राजकुमार

चित्रकूट। उप निदेशक कृषि राजकुमार ने किसानों से कहा कि जिले में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना खरीफ 2023-24 लागू हो गयी है। जिले में फसल बीमा को धान, अरहर, तिल, ज्वार, बाजरा की फसलों को अधिसूचित किया है। सोमवार को उपनिदेशक कृषि राजकुमार ने किसान भाइयों से कहा कि 31 जुलाई तक अपनी फसलों का बीमा करा सकते हैं। गैर ऋणी कृषक, जो केसीसी धारक नहीं है अपनी फसलों का बीमा जनसेवा केन्द्रों में करा सकते हैं अथवा विकासखण्ड स्तरीय राजकीय कृषि बीज भण्डारों पर अभिलेखों समेत खतौनी, आधारकार्ड, बैंक पासबुक, मोबाइल नम्बर, फोटो आदि समेत सम्पर्क कर फसलों को बीमित करा सकते हैं। ऋणी कृषक केसीसी धारक सम्बन्धित बैंक शाखा से फसलों को बीमित किया जाता है।

पांच माह से गायब बेटी की तलाश में है गरीब रामसखी

फतेहपुर। शहर कोतवाली क्षेत्र के मुराइन टोला मोहल्ला निवासी रामसखी पत्नी लल्लू प्रसाद उर्फ राम स्वरूप ने अपनी छोटी बेटी के ससुराली जनों पर उसे गायब कर देने या हत्या कर देने का आरोप लगाया है। राम सखी ने बताया कि उसने विगत 21 अक्तूबर दो हजार बीस को अपनी पुत्री गीता उर्फपप्पी की शादी रवि कुमार पुत्र शिव दयाल निवासी केजरी, थाना दिबियापुर जिला औरैया के साथ की थीं। बताया कि नवम्बर माह में वह गीता को फतेहपुर लिवा लाई थी किन्तु ससुराल से उसे लिवाने कोई नहीं आया, एक दिन दामाद ने गीता से स्वयं चली आने की बात कही जिसपर 29 जनवरी को वह अकेले ही ससुराल चली गई। बकौल रामसखी उसने जब ससुराल फोन करके बेटी से बात करना चाहा तो ससुरालीजनों ने उससे कहा कि उसकी कोई बेटी यहां नहीं है, अब दोबारा फोन न करना! बताया कि विगत दस जनवरी को वह केजरी गई किन्तु बेटी वहां नहीं मिली। रामसखी ने विगत पन्द्रह फरवरी को इस सन्दर्भ में सदर कोतवाली में तहरीर भी दी किन्तु पुलिस ने गीता का पता लगाने के बाबत कोई भी प्रयास नहीं किया।

दो गांजा सप्लायर पुलिस के हत्थे चढ़े, तमंचा व गांजा बरामद

जालौन, उरई। चौकी पुलिस ने प्रतापपुरा मार्ग से दो लोगों को पकड़ा है। जिनके पास से पुलिस ने 1.300 किग्रा गांजा, तमंचा व दो कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफरिपोर्ट दर्ज कर ली है। चौकी प्रभारी शशांक बाजपेयी को सूचना मिली कि औरैया रोड से ग्राम प्रतापपुरा के मार्ग पर दो संदिग्ध व्यक्ति बाइक से कोई नशीला पदार्थ लेकर जा रहे हैं। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने बाइक से जा रहे सुनील गिहर पुत्र बुद्धसिंह व अजय पुत्र विजय पाल निवासीगण गिहोर कॉलोनी थाना करहल जनपद मैनपुरी को रोककर जब उनकी तलाशी ली तो पुलिस ने उनके पास से 1.300 किग्रा गांजा समेत एक तमंचा व दो कारतूस बरामद किए।

घर के बाहर बने सैलाब में बालिका की डूबकर मौत

फर्रुखाबाद। लिहाजा ग्रामीणों की जान पर खतरा हर पल बना हुआ है। सोमवार को एक बालिका भी घर के बाहर खेलनें के दौरान सैलाब के गहरे पानी में समा गयी। जिससे उसकी मौत हो गयी। अमृतपुर थाना क्षेत्र के गाम कुम्हरौर निवासी रमेश वाल्मीकि के घर के चारो तरफबाढ़ का पानी भरा है। सोमवार को उसकी दो वर्षीय पुत्री रागिनी घर के बाहर खेल रह थी। परिजनों का ध्यान बच्ची की तरफ नही गया। उसी दौरान वह खेलते-खेलते मासूम रागिनी बाढ़ के पानी में गिर गयी। जब तक परिजनों का ध्यान उसकी तरफगया, उसका शव उतरानें लगा। हल्का इंचार्ज उदयवीर मौके पर पहुंचे जांच पड़ताल की। परिजनों में चीत्कार मच गयी। उन्होंने शव के पंचनामा की कार्यवाही की।

अन्ना पशुओं को तत्काल भेजें गौशाला: जिलाधिकारी

- सड़क सुरक्षा समिति बैठक की जिलाधिकारी ने की अध्यक्षता
- यातायात व परिवहन अधिकारियों को दिये निर्देश

संवाददाता। चित्रकूट

जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खंड सत्येंद्रनाथ से कहा कि प्रमुख चौराहों पर सिग्नल व्यवस्था, जेब्रा क्रॉसिंग, फुटपाथ आदि में परिवहन विभाग व यातायात विभाग ने जो जगह चिन्हित की है, वहां तत्काल कार्यों को करा दें। जिन मुख्य सड़कों पर पुलिया या पुल संकरे हैं, वहां भी साइन बोर्ड लगायें।

सोमवार को जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक की अध्यक्षता करते हुए सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन एवं यात्री कर अधिकारी परिवहन व यातायात विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि बिना हेलमेट, सीटबेल्ट, मोबाइल फोन का प्रयोग, रॉन्ग साइड ड्राइविंग, ओवर स्पीडिंग, ओवर लोडिंग, रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जाए। शासन के निर्देश पर सड़क सुरक्षा पखवाड़े में सभी संबंधित अधिकारियों से तालमेल कर अभियान चलाकर जन जागरूकता की जाये।

उन्होंने जिला विद्यालय निरीक्षक व बीएसए से कहा कि प्रार्थना के समय सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्य को निर्देश दें कि बच्चों को सड़क सुरक्षा की बाबत जानकारी दें। निबंध लेखन, पोस्टर प्रतियोगिता से प्रचार-प्रसार करायें। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी व यातायात अधिकारियों से कहा कि भारी वाहन नोइंट्री के बाद शहर में प्रवेश करते हैं, उनका चालान करें। सड़कों के अगल-बगल शहर में भारी वाहन खड़े होने पर कार्यवाही की जाए, क्योंकि खड़े वाहनों से तमाम हादसे होते हैं। इसे रोकने को प्रभावी कार्यवाही होनी चाहिए। एडीएम से कहा कि सभी खंड विकास अधिकारियों व अधिशासी अधिकारियों को सड़कों में घूम रहे अन्ना पशुओं को तत्काल गौशालाओं में भेजने को पत्र लिखें। किसी भी दशा में अन्ना पशु सड़कों पर नहीं मिलने चाहिए।

तबादले होने के तीन सप्ताह बाद भी नहीं पहुंचे डीएचओ

हमीरपुर। जिला उद्यान अधिकारी का तबादला तीन सप्ताह पूर्व फतेहपुर जिले में कर दिया गया था लेकिन उनके द्वारा अभी तक वहां कार्यभार नही संभाला गया है। जब कि फतेहपुर के सीडीओ ने विभाग के निदेशक व डीएम हमीरपुर को पत्र लिखकर डीएचओ को कार्य मुक्त करने को कहा है। जिला उद्यान अधिकारी डा. रमेश पाठक का तबादला चित्रकूट धाम मंडल से फतेहपुर के लिए 30 जून को कर दिया गया था। जिसके बाद उनको फिर से हमीरपुर का अतिरिक्त कार्यभार दे दिया गया। जबकि एक मंडल में सेवाकाल की समय अवधि पूरी होने के बाद कार्यभार नही मिलना चाहिए। कर्मियों के विरोध करने पर निदेशक ने हमीरपुर का अतिरिक्त कार्यभार हटा लिया था और उन्हें फतेहपुर का कार्यभार संभालने के आदेश कर दिए थे। इसके बाद भी कार्यभार न संभालने पर सीडीओ फतेहपुर सूरज पटेल ने 20 जुलाई को जिला उद्यान निदेशक व डीएम हमीरपुर को पत्र लिखकर कहा था कि डा.रमेश पाठक को शीघ्र कार्यमुक्त करें।

सदर विधायक ने गोद लिये तीन आंगनवाड़ी केंद्रों का किया निरीक्षण

उरई, जालौन। सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा ने बाल विकास परियोजना उरई शहर में अपने गोद लिये 3 आंगनबाड़ी केन्द्रों का भ्रमण कर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकत्री सुनीता वर्मा केन्द्र इन्द्रानगर वार्ड 11, आंगनबाड़ी कार्यकत्री सीमा देवी केन्द्र न्यू पटेल नगर वार्ड 16 एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्री अनीता गोयल केन्द्र सुशील नगर वार्ड 17 मौके पर उपस्थित मिली। सदर विधायक द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्रों की स्थिति संतोषजनक पाये जाने पर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की सराहना की गयी तथा मौके पर उपस्थित लाभार्थियों से आंगनबाड़ी केन्द्र से मिलने वाले अनुपूरक पुष्टाहार (ड्राई राशन) की जानकारी ली गयी व लाभार्थियों द्वारा बताया गया कि प्रत्येक माह ड्राई राशन मिलता है। साथ ही केन्द्रों पर उपलब्ध पुष्टाहार वितरण पंजिका का सत्यापन किया गया। आंगनबाड़ी केन्द्रों के निरीक्षण के दौरान इफ्तेखार अहमद जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा वर्तमान में चल रहे सम्भव अभियान के संबंध में आवश्यक जानकारी देते हुये आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को केन्द्र पर पंजीकृत गंभीर कुपोषित बच्चों की स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से चिकित्सीय जांच कराकर एनआरसी में भर्ती कराने के निर्देश दिये गय

पेज एक का शेष

मणिपुर पर संसद...

ने पूरक प्रश्न भी पूछे और संबंधित मंत्रियों ने उनके जवाब दिए। प्रश्नकाल के दौरान विपक्षी सदस्यों का हंगामा और नारेबाजी जारी रही। बाद में हंगामे के बीच ही विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेन्द्र सिंह ने डीएनए प्रौद्योगिकी (प्रयोग और लागू होना) विनियमन विधेयक 2019 वापस लेने का प्रस्ताव किया और सदन ने इसे ध्वनिमत से स्वीकार कर लिया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने राष्ट्रीय परिचर्या और प्रसूति विद्या आयोग विधेयक 2023 और राष्ट्रीय दंत चिकित्सा आयोग विधेयक 2023 पेश किए।राज्यसभा में भी मणिपुर मुद्दे पर विपक्ष का हंगामा और नारेबाजी जारी रही। सुबह सदन की कार्यवाही आरंभ होने पर तृणमूल कांग्रेस के नवनिर्वाचित सदस्य साकेत गोखले ने उच्च सदन की सदस्यता की शपथ ली। शून्यकाल में सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि उन्हें नियम 176 के तहत अल्पकालिक चर्चा के लिए 11 नोटिस मिले हैं। उन्होंने नोटिस देने वाले सभी सदस्यों के नाम के साथ उनके दल और उनके मुद्दों का उल्लेख किया और कहा कि उन पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। सभापति ने इसके बाद बताया कि उन्हें नियम 267 के तहत कार्यस्थगन प्रस्ताव के जरिए चर्चा कराने के लिए 27 नोटिस मिले हैं। उन्होंने जैसे ही उल्लेख करना आरंभ किया कि उन्हें विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे, जॉन ब्रिटास व एडी सिंह की ओर से नोटिस मिले हैं, सदन में तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने आपत्ति जताई और सभापति से पूछा कि ये सदस्य किस दल के हैं, उनका भी जिक्र किया जाना चाहिए।

धनखड़ ने डेरेक से अपनी सीट पर बैठने को कहा, लेकिन वह अपनी बात कहते रहे। तृणमूल नेता ने कहा कि आपने जैसे भाजपा के सदस्यों का नाम लिया, वैसे ही अन्य नोटिस देने वालों के दल का भी उल्लेख कीजिए। सभापति ने तृणमूल नेता की आपत्ति को अधिक तवज्जो नहीं देते हुए कहा कि श्रीमान डेरेक ओ ब्रायन, आप आसन को चुनौती दे रहे हैं। प्रश्नकाल के दौरान एक सदस्य ने पूरक प्रश्न पूछा जिसका जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने हंगामे के बीच जवाब भी दिया।

इसी बीच आसन के समीप आकर नारेबाजी कर रहे आम आदमी पार्टी के सदस्य संजय सिंह को सभापति ने उनके स्थान पर वापस जाने को कहा। किंतु, सिंह ने जब आसन की बात नहीं मानी तो सभापति ने उनके नाम का उल्लेख किया। आसन द्वारा किसी सदस्य के नाम का उल्लेख किए जाने पर उस सदस्य को तत्काल सदन से बाहर जाना होता है और वह पूरे दिन सदन की कार्यवाही में भाग नहीं ले सकता।

इसके बाद सदन के नेता पीयूष गोयल ने सिंह को मौजूदा सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित करने का प्रस्ताव करते हुए कहा कि आप सदस्य का आचरण सदन की गरिमा के अनुकूल नहीं है। हंगामे के बीच ही गोयल के प्रस्ताव को सदन ने ध्वनिमत से मंजूरी दे दी।

निलंबित किए जाने के बावजूद आप सदस्य सिंह सदन से बाहर नहीं गए। उपसभापति हरिवंश ने नियमों का हवाला देते हुए उनसे सदन के बाहर चले जाने को कहा। किंतु, उनकी इस अपील का कोई असर नहीं हुआ तो तीन बार के स्थगन के बाद उपसभापति ने बैठक को पूरे दिन के लिए स्थगित कर दिया।

उल्लेखनीय है कि संसद के मानसून सत्र की शुरुआत 20 जुलाई को हुई थी। 20 और 21 जुलाई को दोनों दिन सदन में मणिपुर हिंसा का मुद्दा छाया रहा और कार्यवाही बाधित हुई। आप सांसद संजय सिंह ने संसद के मानसून सत्र की शेष अवधि के लिए राज्यसभा से निलंबित किए जाने के बाद आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मणिपुर हिंसा के मामले पर संसद के भीतर बयान देने से भाग रहे हैं।

विपक्षी दलों का...

पिछले साल जुलाई में सांसदों ने पूरी रात धरना उस समय दिया था जब विपक्ष के 20 राज्यसभा सदस्यों को निलंबित कर दिया गया था। मानसून सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित किए गए संजय सिंह ने कहा कि उनका धरना लगातार जारी रहेगा।

विपक्ष के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि पार्टियों ने अपने नेताओं के बारी-बारी से धरना स्थल पर मौजूद रहने का पूरा खाका तैयार किया है। यह तय किया गया कि कौन-कौन से नेता अलग-अलग समय पर धरने में शामिल होंगे। उनका कहना है कि विपक्षी दलों में पूरी एकजुटता है। यह संजय सिंह के निलंबन के खिलाफ है। हम इस मांग को लेकर भी प्रदर्शन कर रहे हैं कि प्रधानमंत्री मोदी मणिपुर के विषय पर संसद के भीतर बयान दें। इंडिया के घटक दलों की मांग है कि प्रधानमंत्री मणिपुर के विषय पर संसद के भीतर बयान देकर चर्चा की शुरुआत करें। सूत्रों का कहना है कि गतिरोध खत्म करने के प्रयास के तहत रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ ही द्रमुक नेता टी आर बालू और तृणमूल कांग्रेस के नेता सुदीप बंदोपाध्याय से बात की तथा उन्हें इस बात से अवगत कराया कि सरकार मणिपुर पर चर्चा के लिए तैयार है। सूत्रों ने बताया कि विपक्ष का कोई नेता अपनी इस मांग से पीछे हटने को तैयार नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी को सदन में बयान देना चाहिए।

ज्ञानवापी परिसर...

वकील हुजेफा अहमदी ने एएसआई के काम पर तत्काल रोक लगाने के आग्रह वाली याचिका को पेश करते हुए कहा कि यह कार्य पीड़ित पक्ष को अपील दायर करने का समय दिए बिना जल्दबाजी में किया गया है। पीठ ने पहले कहा था कि मस्जिद समिति को उच्च न्यायालय के पास जाना चाहिए, लेकिन बाद में वह सोमवार को दोपहर में याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार हो गई। उसने सॉलिसिटर जनरस से एएसआई द्वारा किए जा रहे सर्वे कार्य की स्थिति बताने को भी कहा। पीठ ने स्पष्ट किया कि मस्जिद परिसर में कोई तोड़फोड़ या खुदाई कार्य नहीं किया जाना चाहिए। सॉलिसिटर जनरल ने पीठ को सूचित किया कि एएसआई मस्जिद परिसर में फिलहाल सिर्फ फोटोग्राफी और राडार-इमेजिंग कर रहा है तथा वहां कोई तोड़फोड़ या खुदाई नहीं की जा रही है।वाराणसी की एक अदालत ने शुक्रवार को काशी विश्वनाथ मंदिर के पास स्थित मां श्रृंगार गौरी-ज्ञानवापी मस्जिद मामले में हिंदू पक्ष की मांग को स्वीकार करते हुए वजूखाने (जहां लोग नमाज से पहले हाथ-मुंह धोते हैं) को छोड़कर पूरे ज्ञानवापी परिसर का पुरातात्विक एवं वैज्ञानिक सर्वेक्षण करने की अनुमति दे दी थी। जिला न्यायाधीश ए के विश्वेश ने एएसआई को सर्वेक्षण कार्यवाही की वीडियो क्लिप और तस्वीरों के साथ चार अगस्त तक अदालत में एक रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया था। अहमदी ने शीर्ष अदालत से कहा कि पूरे परिसर के एएसआई सर्वेक्षण का निर्देश देते हुए एक आदेश पारित किया गया था, जो हमारे अनुसार उच्चतम न्यायालय के आदेश के विपरीत है। इस पर पीठ ने अहमदी से पूछा, आप इसे (याचिका को) वापस क्यों नहीं लेते और इलाहाबाद उच्च न्यायालय का रुख क्यों नहीं करते? जवाब में वरिष्ठ वकील ने कहा कि एएसआई ने मस्जिद परिसर के इस आग्रह को ठुकराते हुए सर्वेक्षण शुरू कर दिया है कि चूंकि मामला शीर्ष अदालत में विचाराधीन है, इसलिए सर्वे कार्य को कुछ समय के लिए रोक दिया जाए।

कनाडा में...

आर्डर की ऑडियो रिकॉर्डिंग प्राप्त कर ली है। पुलिस ने बताया कि नाथ के आने के बाद हमलावरों ने उस पर हमला कर दिया और गंभीर रूप से घायल अवस्था में छोड़कर वे वाहन लेकर फरार हो गए।घटनास्थल पर कई लोग सहायता के लिए आगे आए और मदद की गुहार लगाई। नाथ को ट्रामा सेंटर ले जाया गया जहां उसे 14 जुलाई को मृत घोषित कर दिया गया।

दिल्ली सरकार...

आपका एक साल का बजट परियोजना के लिए देय राशि से अधिक है। शीर्ष अदालत ने कहा कि हमें अंतिम आदेश पारित करने के लिए केवल इसलिए बाध्य होना पड़ा, क्योंकि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीटी) सरकार ने परियोजना में योगदान देने से हाथ खड़े कर दिए थे। हम वरिष्ठ अधिवक्ता से पूछते हैं कि अगर 1100 करोड़ रुपए का बजट गत तीन साल में विज्ञापन पर खर्च किया जा सकता है तो निश्चित तौर पर अवसंरचना से जुड़ी परियोजना के लिए भी योगदान दिया जा सकता है।

दिल्ली सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने शीर्ष अदालत को गत तीन साल में विज्ञापन के लिए आवंटित राशि की जानकारी दी। सिंघवी ने पीठ को आश्वस्त किया कि परियोजना के लिए भुगतान कर दिया जाएगा, लेकिन साथ ही राशि का भुगतान तार्किक समय और किस्तों में करने की अनुमति देने का अनुरोध किया। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्रीय परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) इस परियोजना को अमली जामा पहना रहा है और यह केंद्र और संबंधित राज्य की संयुक्त परियोजना है। दिल्ली-मेरठ गलियारे का निर्माण किया जा रहा है और केजरीवाल सरकार ने इसमें अपने हिस्से की राशि देने पर सहमति जताई थी, परंतु इसने धन की कमी का हवाला देते हुए बाकी दो परियोजनाओं के लिए राशि देने से इनकार कर दिया था।

पाक उच्चतम न्यायालय ने वकील की हत्या मामले में इमरान खान की गिरफ्तारी पर रोक लगाई

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने क्वेटा में एक वरिष्ठ वकील की हत्या से जुड़े मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की सोमवार को पेशी के बाद नौ अगस्त तक उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी।

डॉन अखबार की खबर के अनुसार, न्यायमूर्ति याह्या अफरीदी की अगुवाई वाली तीन सदस्ईय पीठ ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के प्रमुख खान की मामले को रद्द करने के अनुरोध वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए निर्देश जारी किए।

वरिष्ठ वकील अब्दुल रज्जाक शार की छह जून को बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा में अज्ञात लोगों ने हत्या कर दी थी, जब वह बलूचिस्तान उच्च न्यायालय में एक महत्वपूर्ण सुनवाई के लिए अदालत जा रहे थे। एक दिन बाद, पुलिस ने मामला दर्ज किया और वकील के बेटे की शिकायत पर प्राथमिकी में खान को नामजद किया।

शार ने बलूचिस्तान उच्च न्यायालय में खान के खिलाफ एक याचिका दायर की थी, जिसमें राजद्रोह से संबंधित अनुच्छेद छह के तहत पूर्व प्रधानमंत्री के खिलाफ कार्यवाही का अनुरोध किया गया था। संघीय सरकार और खान की पार्टी ने इस घटना को लेकर एक-दूसरे पर दोषारोपण करते हुए हत्या में भूमिका होने का आरोप लगाया था।

डॉन न्यूज की खबर के अनुसार प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के सहयोगी अताउल्लाह तरार ने आरोप लगाया था कि राजद्रोह के मामले में जवाबदेही से बचने के लिए खान के इशारे पर शार की हत्या की गई। वहीं, खान की पार्टी के प्रवक्ता रऊफ़ हसन ने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह पर हत्या में भूमिका होने का आरोप लगाया था।

आतंकवाद रोधी अदालत (एटीसी) ने मामले में खान के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था, जिसे बाद में बलूचिस्तान उच्च न्यायालय ने बरकरार रखा था।

एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार, खान (70) ने हत्या के मामले में खुद को आरोपी बनाए जाने के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख किया था। शीर्ष अदालत ने 20 जुलाई को मामले की पिछली सुनवाई के दौरान, खान को प्राथमिकी और गिरफ्तारी वारंट को रद्द करने से पहले व्यक्तिगत रूप से पीठ के सामने पेश होने का आदेश दिया था। सोमवार की सुनवाई के दौरान खान अपने वकीलों के साथ उच्चतम न्यायालय में पेश हुए।

इमरान खान की बहनों, रिश्तेदार को भगोड़ा घोषित करने की प्रक्रिया शुरू

लाहौर। पाकिस्तान की एक अदालत ने यहां ऐतिहासिक कोर कमांडर हाउस पर हमले से जुड़े एक मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की दो बहनों तथा एक रिश्तेदार को भगोड़ा घोषित करने की प्रक्रिया सोमवार को शुरू की।

खान को मई में कथित भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तार किए जाने के बाद यह हमला किया गया था। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय से नौ मई को पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) प्रमुख खान की गिरफ्तारी के बाद पार्टी समर्थकों की भीड़ ने जिन्ना हाउस के नाम से पहचाने जाने वाले कोर कमांडर हाउस में तोड़फोड़ की थी और उसे आग लगा दी थी।

अदालत के एक अधिकारी ने सुनवाई के बाद पीटीआई-भाषा से कहा, लाहौर की आतंकवाद-रोधी अदालत (एटीसी) ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की दो बहनों- अलीमा खान और डॉ. उज्मा तथा उनके रिश्तेदार हसन नियाजी तथा पीटीआई के 19 अन्य नेताओं को भगोड़ा अपराधी घोषित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। वे लाहौर कोर कमांडर हाउस पर हमले में कथित संलिप्तता के मामले में लगातार अदालत की सुनवाई में भाग नहीं ले रहे थे।

एटीसी ने 16 अगस्त को अखबारों में एक विज्ञापन जारी करने का आदेश देते हुए कहा कि आरोपी अगली सुनवाई पर अदालत में उपस्थित रहें, अन्यथा उन्हें भगोड़ा अपराधी घोषित कर दिया जाएगा।

पीटीआई के जिन नेताओं पर भगोड़ा अपराधी घोषित होने की तलवार लटक रही हैं उनमें सीनेटर आजम स्वाति और पूर्व मंत्री मुराद सईद, अली अमीन गांदापुर, फारुख हबीब, मियां असलम और हम्माद अजहर शामिल हैं।

पाकिस्तान में नौ मई को भ्रष्टाचार के एक मामले में अर्द्धसैन्य रेंजर्स द्वारा खान (70) की गिरफ्तारी के बाद सरकार-विरोधी अभूतपूर्व प्रदर्शन हुए थे। खान को बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया था।

प्रदर्शनों के दौरान रावलपिंडी में सैन्य मुख्यालय समेत कई सैन्य प्रतिष्ठानों और सरकारी इमारतों में तोड़फोड़ की गई या उनमें आग लगा दी गई। पुलिस तथा अन्य सुरक्षा एजेंसियों के 100 से अधिक वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया था।

पाकिस्तानी मूल के ब्रिटिश कट्टरपंथी उपदेशक पर आतंकवाद संबंधी आरोप

भाषा। लंदन

कट्टरपंथी इस्लामी उपदेशक अंजेम चौधरी पर आतंकवाद से संबंधित अपराधों का आरोप लगाया गया है और उसे सोमवार को लंदन की अदालत में पेश किया जाएगा। चौधरी के पास ब्रिटेन और पाकिस्तान की दोहरी नागरिकता है।

मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने 56 वर्षीय चौधरी पर रविवार को एक प्रतिबंधित संगठन की सदस्यता लेने और एक प्रतिबंधित संगठन के समर्थन में सभाओं को संबोधित करने का आरोप लगाया था। एक प्रतिबंधित संगठन की सदस्यता के आरोप में संबंधित आतंकवाद रोधी जांच में एक कनाडाई नागरिक खालिद हुसैन (28) को भी गिरफ्तार किया गया है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने सोमवार को कहा, एक प्रतिबंधित संगठन की कथित सदस्यता की जांच कर रहे मेट्रोपॉलिटन पुलिस के आतंकवाद रोधी जांचकर्ताओं ने सोमवार, 17 जुलाई को पूर्वी लंदन में 56 वर्षीय एक व्यक्ति और हीथ्रो हवाई अड्डे पर 28 वर्षीय एक कनाडाई नागरिक को गिरफ्तार किया। बयान में कहा गया, उन्हें आतंकवाद रोधी अधिनियम 2000 की धारा 41 के तहत पकड़ा गया है। जांचकर्ताओं को हिरासत वारंट दिए गए, जिससे उन्हें दोनों गिरफ्तार व्यक्तियों को सोमवार, 24 जुलाई तक हिरासत में रखने की अनुमति मिल गई। लंबी पूछताछ के बाद, दोनों व्यक्तियों को हिरासत में भेज दिया गया और सोमवार को उन्हें लंदन में वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया जाएगा।

इज़राइल की संसद के बाहर, प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार द्वारा न्यायिक प्रणाली में सुधार करने की योजना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान इजरायली पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछार का इस्तेमाल किया। यह प्रदर्शन योजना के एक महत्वपूर्ण हिस्से पर संसद में मतदान के लिए निर्धारित होने से कुछ घंटे पहले हुआ।

'अंजू 20 अगस्त को भारत लौटेगी, उससे शादी की कोई योजना नहीं'

भाषा। पेशावर

पाकिस्तान के दूर दराज के गांव में फेसबुक के जरिए बने अपने पुरुष मित्र से मिलने आई भारतीय विवाहिता महिला अंजू वीजा की अवधि पूरी होने पर 20 अगस्त को स्वदेश लौट जाएगी। यह जानकारी अंजू के पाकिस्तानी मित्र नसरुल्ला ने सोमवार को दी जिससे मिलने वह यहां आई हुई है। नसरुल्ला ने इसके साथ ही अंजू से प्रेम संबंध होने की दावों को भी खारिज कर दिया।

नसरुल्ला (29) ने कहा कि उसकी 34 वर्षीय अंजू से विवाह करने की कोई योजना नहीं है। अंजू का जन्म उत्तर प्रदेश के कैलोर गांव में हुआ था और वह राजस्थान के अलवर में रहती थी। नसरुल्ला और अंजू की दोस्ती 2019 में फेसबुक के माध्यम से हुई थी।

पेशावर से करीब 300 किलोमीटर दूर कुल्शो गांव से फोन पर पीटीआई-भाषा से की गई बातचीत में नसरुल्ला ने कहा, अंजू पाकिस्तान आई हुई है और हमारी शादी करने की कोई योजना नहीं है।

उन्होंने कहा, वह 20 अगस्त को वीजा अवधि समाप्त होने पर अपने देश लौट जाएगी। अंजू मेरे घर में परिवार की अन्य महिलाओं के साथ दूसरे कमरे में रहती है।

अंजू वैध वीजा पर पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा सूबे के कबायली जिले ऊपरी दीर में नसरुल्ला से मिलने आई है।

पाकिस्तान के आंतरिक मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग को भेजे गए आधिकारिक दस्तावेज के मुताबिक कार्यालय सूचित करता है कि उसने अंजू को केवल ऊपरी दीर जिले के लिए 30 दिनों का वीजा मंजूर करने का फैसला किया है।

नसरुल्ला शेरिंगल स्थित विश्वविद्यालय से विज्ञान में स्नातक है और पांच भाइयों में सबसे छोटा है। उसने स्थानीय अधिकारियों को दिए हलफनामे में कहा कि उनकी दोस्ती में प्रेम का कोई कोण नहीं है और अंजू 20 अगस्त को भारत लौट जाएगी। हलफनामे के मुताबिक वह ऊपरी दीर जिले से भी बाहर नहीं जाएगी।

जिला पुलिस अधिकारी मुश्ताक ने कहा, वीजा दस्तावेजों के मुताबिक वह 20 अगस्त को वापस लौट जाएगी। मुश्ताक ने रविवार को अंजू से अपने कार्यालय में पूछताछ की और उसके दस्तावेजों की जांच के आधार पर अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी किया गया। नसरुल्ला ने कहा कि जिला प्रशासन ने उन्हें पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की है और अंजू उसके परिवार के साथ सुरक्षित है। पश्तून बहुल गांव के लोग चाहते हैं कि अंजू सुरक्षित भारत लौट जाए क्योंकि वे नहीं चाहते कि इस घटना से उनके समुदाय की बदनामी हो। अंजू के पति व राजस्थान निवासी अरविंद ने उम्मीद जताई है कि जल्द उसकी पत्नी वापस आ जाएगी।

अंजू की 15 साल की बेटी और छह साल का बेटा है।

ईरानी सेना की आधिकारिक वेबसाइट द्वारा जारी की गई यह तस्वीर देश के मध्य भाग में ईरान की वायु सेना के अभ्यास को दिखाती है। ईरान ने रविवार को एक वार्षिक वायु सेना अभ्यास शुरू किया, क्योंकि फारस की खाड़ी क्षेत्र में वाणिज्यिक जहाजों को जब्त करने से इस्लामिक गणराज्य को रोकने के लिए अमेरिका क्षेत्र में और अधिक लड़ाकू विमान भेज रहा है।

सुलावेसी द्वीप के पास इंडोनेशियाई नौका पलटने से 15 लोगों की मौत

जकार्ता। इंडोनेशिया में सुलावेसी द्वीप के पास एक नौका पलटने से कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई। बचावकर्ताओं ने सोमवार को यह जानकारी दी। नौका में क्षमता से अधिक लोग सवार थे। प्राधिकारियों ने बताया कि नौका में सवार 33 अन्य लोग बच गए। बुटोन तलाश एवं बचाव अभियान के प्रमुख मोहम्मद अराफाह ने बताया कि नौका दक्षिणपूर्व सुलावेसी प्रांत में बुटोन सेंट्रल रीजेंसी के लांतो गांव से लागिली गांव जा रही थी। लकड़ी की नौका में 20 लोगों के बैठने की क्षमता थी, लेकिन उसमें क्षमता से अधिक लोग सवार थे। खोज और बचाव दल को 15 शव मिले और छह लोगों को बचाया गया, लेकिन बाद में नौका में सवार सभी लोगों का पता चलने के बाद बचाव अभियान रोक दिया गया।

कम्बोडिया में हुन सेन की एक और प्रचंड चुनावी जीत क्या उनके बेटे की ताजपोशी भी इतनी ही सहज होगी!

एपी। क्वींसलैंड

(द कन्वरसेशन) 24 दिसंबर, 2021 को कंबोडिया के 70 वर्षीय प्रधान मंत्री हुन सेन ने कंबोडियन पीपुल्स पार्टी, जिसने 1979 से दक्षिण पूर्व एशियाई देश पर शासन किया है, की एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में उनके सबसे बड़े बेटे, 45 वर्षीय हुन मानेट को सर्वसम्मति से भावी प्रधान मंत्री के रूप में चुना गया।

देश के ताकतवर नेता के राजनीतिक उत्तराधिकारी को लेकर चल रही वर्षों की अटकलों के बाद, यह एक आश्चर्यजनक और प्रेरणाहीन विकल्प दोनों था। आश्चर्य और प्रेरणा की ऐसी ही कमी पिछले रविवार को कंबोडिया के आम चुनाव में देखने को मिली। दक्षिण पूर्व एशिया के निम्न मानकों के हिसाब से भी, यह अब तक की स्मृति में सबसे खराब दिखावटी चुनाव में से एक था। 17 कमज़ोर और बेअसर विपक्षी दलों के मिश्रण के ख़िलाफ़, हुन सेन की पार्टी ने तुरंत दावा किया कि उसने तूफानी जीत हासिल की है। पूरी घटना दमित नागरिकों पर एक राजनीतिक वास्तविकता थोपने के लिए बनाई गई एक विशाल आत्मविश्वासी चाल से ज्यादा कुछ नहीं थी - जो उनकी सहमति के बिना तैयार की गई और उनकी मंजूरी के बिना लागू की गई।

हुन सेन द्वारा अपने बेटे को सत्ता हस्तांतरित करना अब सुनिश्चित हो गया है। एकमात्र प्रश्न है कि कब। ताकतवर नेता ने पिछले सप्ताह कहा था कि यह कुछ ही हफ्तों में हो सकता है। इस वर्ष के चुनाव प्रचार के दौरान हेरफेर और कदाचार की सामान्य प्रवृत्ति दिखाई दी, जिसका उद्देश्य मतपेटी में कुछ, यदि कोई हो, आश्चर्य की गारंटी देना था। मई में, राष्ट्रीय चुनाव समिति ने प्रमुख विपक्षी कैंडललाइट पार्टी को चुनाव में प्रतिस्पर्धा करने से रोक दिया क्योंकि वह आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने में विफल रही थी। विडंबना यह है कि यह दस्तावेज़ वर्षों पहले एक पुलिस छापे में उससे लिया गया था। जून की शुरुआत में, नेशनल असेंबली ने गैर-मतदाताओं को पद की दौड़ में कभी भी शामिल होने से रोकने के लिए चुनाव कानून में संशोधन किया, साथ ही चुनाव बहिष्कार का आह्वान करने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए दंड का प्रावधान किया। नवोदित विपक्ष के लिए, बहिष्कार चुनावी प्रक्रिया को बदनाम करने के उद्देश्य से एक नई और हताश रणनीति रही है। जून के अंत में, हुन सेन का फेसबुक की मूल कंपनी मेटा के साथ सार्वजनिक रूप से झगड़ा हुआ था, जब इसके निरीक्षण बोर्ड ने राजनीतिक विरोधियों को हिंसा की धमकी देने पर उनके खाते को निलंबित करने की सिफारिश की थी। और पिछले हफ्ते, सरकार ने रेडियो फ्री एशिया सहित कई समाचार संगठनों की वेबसाइटों को ब्लॉक कर दिया। हुन सेन के कंबोडिया में यह सब सामान्य कवायद थी। असुविधाजनक सच्चाई यह है कि ऐसे चुनाव हुन सेन के लिए कभी भी मजबूत पकड़ के साथ सत्ता पर बने रहने के एक साधन से अधिक नहीं रहे हैं, जबकि उनके विरोधियों के लिए कभी भी सत्ता हासिल करने का अवसर नहीं है। जनवरी 1985 में वियतनामी सेना ने उन्हें नेता के रूप में स्थापित किया था, उम्रदराज़ ताकतवर नेता ने धीरे-धीरे लेकिन व्यवस्थित रूप से राजनीतिक व्यवस्था को अपनी इच्छा के अनुसार मोड़ लिया है।

सत्तावादी राजनीति के क्षेत्र में मेरे शोध के आधार पर, दो महत्वपूर्ण कारक सामने आते हैं। हुन सेन ने जो पहला काम किया वह कैमरून में पॉल बिया, इराक में सद्दाम हुसैन और युगांडा में ईदी अमीन जैसे अन्य ताकतवर लोगों की ''प्लेबुकै का अनुसरण करके सत्ता को निजीकृत करना था। सत्तावाद के चार दशकों के दौरान उनके कार्यों में: उन्होंने उस प्रक्रिया के द्वारपाल के रूप में कार्य किया जिसके द्वारा लोगों को उच्च पद पर नियुक्त किया जाता है पार्टी, सेना और सरकार में उच्च-स्तरीय पदों पर रिश्तेदारों को नियुक्त किया राज्य सुरक्षा तंत्र पर नियंत्रण कर लिया और सैन्य कमान की सामान्य श्रृंखला के बाहर अपना स्वयं का अर्धसैनिक समूह बनाया और सत्तारूढ़ दल के भीतर निर्णय लेने की प्रक्रिया पर एकाधिकार स्थापित कर लिया, साथ ही यह भी नियंत्रित किया कि इसकी कार्यकारी समिति में कौन प्रवेश करता है और कौन बाहर निकलता है।

ICICI Bank
शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, शाल टावर, प्लॉट नंबर 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली—110007

सार्वजनिक सूचना :
बिल्डर निरसन

आपको सूचना दी जाती है कि इंद्रराज सिंह कठेरिया/अविनाश सिंह कठेरिया (कर्जदार/रों) ने सुविधा अनुबंध संख्या एलबीजीयूआर00002440784 तथा पता एफ—जी04, रेसीजोन रेजीडेंसी, मयूर विहार, देहरादून के माध्यम से आवास ऋण सुविधा प्राप्त की है। कर्जदार अनुबंध के नियम एवं शर्तों के अनुसार बिल्डर को संविदात्मक राशि का भुगतान करने में असफल रहे हैं।

बैंक उसकी सूचना कर्जदार को पत्र दिनांकित 28 अप्रैल, 2023 के माध्यम से दे चुका है, जिसमें सूचित किया गया है कि रेसीजोन बिल्डवेल प्रा. लि.ने उपरिवर्णित सम्पत्ति का आबंटन निरस्त कर दिया है। अतएव आपसे अनुरोध किया जाता है कि बिल्डर के साथ यह मामला इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 दिन के भीतर सुलझा लें।

कृपया आगे सूचित हों कि उक्त सम्पत्ति का आबंटन निरस्त होने के बाद आईसीआईसीआई बैंक बिल्डर द्वारा किसी अन्य आबंटन के लिए बाध्य तथा/अथवा जिम्मेदार नहीं होगा।

दिनांकित : 25 जुलाई, 2023 — वास्ते आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड
स्थान : दिल्ली/एनसीआर — हस्ता./—

PUBLIC NOTICE
Mrs. Anu Mehra M/o Mr. Karan Mehra W/o Sanjeev Mehra R/o House No. 149, Sector-29, Noida Distt. Gautam Buddh Nagar (U.P.) have applied for" Marriagebility Certificate: for his son, Objections, if any to the issuance may be Filed on any day upto 28.07.2023 in the office of the undersigned.
City Magistrate
Marriage Officer Noida
Gautam Bugh Nagar (U.P.) India

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि खंडेलवाल हॉस्पिटल एवं यूरोलॉजी सेंटर प्रा० लि०, B-15&16, ईस्ट कृष्णा नगर, दिल्ली-110051, दिनाँक 1 जनवरी 2018 से पहले के सभी IPD रिकार्ड्स नष्ट करने जा रहा है। इच्छुक व्यक्ति 7 दिनों के अंदर सम्पर्क करें:
खंडेलवाल हॉस्पिटल एवं यूरोलॉजी सेंटर प्रा० लि०
B-15&16. ईस्ट कृष्णा नगर, दिल्ली-110051
011 42408561
हस्ता०/-
संदीप कपूर
एडवोकेट(D/379/85)
M-6, लाजपत नगर-II, नः दि०-24

सार्वजनिक नोटिस
मेरे मुवक्किल मैसर्स नरेश सिंघल एंड कंपनी ने मुझे आपके दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित सार्वजनिक नोटिस प्राप्त करने का निर्देश दिया है। आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि श्री नरेश सिंघल पुत्र श्री कुंदन लाल लीजहोल्ड आवासीय प्लॉट नंबर 60, के मालिक है। जिसका क्षेत्रफल 450 वर्ग मीटर, है, जो ब्लॉक – बी, सेक्टर – 31, नोएडा, जिला में स्थित हैं। गौतमबुद्धनगर, उ.प्र. आज तक और श्री ए.एस. जैन पुत्र श्री पी. डी. के पक्ष में नोएडा द्वारा जारी अपना मूल कब्जा प्रमाणपत्र दिनांक 22/02/1991 को खो दिया है/गुम कर दिया है। जैन एवं मूल रजि. एसपीए दिनांक 15/05/1995 श्री ए.एस. जैन पुत्र श्री पी. डी. द्वारा निष्पादित। जैन श्रीमती सुधा सिंघल पत्नी श्री नरेश चंद सिंघल दस्तावेज संख्या–972 रजिस्ट्रार कार्यएसआर–नोएडा–II के पक्ष में, हमारे ग्राहक घोषणा कर रहे हैं कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपति पर कोई अधिकार नहीं है, वही संपति वर्तमान में डॉयचे बैंक द्वारा वितापोषित है और अब उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड द्वारा पुनः वितपोषित किया जाएगा। शाखा एफ–20, सेक्टर 20, नोएडा, उत्तर प्रदेश।
यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपति में अधिकार, स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 15 दिन के भीतर और या अधोहस्ताक्षरी से संपर्क करें, उसके बाद किसी भी दावे पर विचार नही किया जाएगा ।
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate F-211, Sector-3, Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचना दी जाती है कि निम्नलिखित गाड़ी नंबर वाली कारें जो कि अपनी लाइफ पूरी कर चुकी हैं पेट्रोल कारें 15 साल, डीजल कारें 10 साल। पाइन व्यू टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा एम् सी डी ड्राइव में जब्त की गई थी और अभी तक किसी के द्वारा भी क्लेम नहीं की गयी है। इन सभी गाड़ी मालिकों को सूचित किया जाता है कि कंपनी के ऑफिस में आ कर गाड़ी की स्क्रैप वैल्यू क्लेम कर लें। अन्यथा ये सभी गाड़ियां अगले तीन दिन में स्क्रैप कर दी जाएंगी।

DL2CAH4015,	SB308IN-	MA3EVB11S-
DL6CJ1326,	2119157,	01389280,
DL9CC7620,	DL1LF6402,	NCN378,
MEELZL306-	DL1W0608,	DL9CQS5884,
CEC00214,	DL4SAU1769,	DL3CAW7689,
DL1LF5730,	PB08AX2765,	DL4CAJ2264,
DL1LJ5247,	DL4SBD3087,	UP14AN8526,
HR12C8334,	DL4SB6906,	DL3CV3089,
DL3CAT1078,	DL4SAB4449,	DL4CAH6339,
DL1K1708,	DL8SAJ1180,	HP15B2960,
DL1LJ4270,	DL4SAQ8566,	DL4CAJ0256,
HR38E7912,	DL4SAK5451,	DL9CS2062,
DL1LH6240,	DL4SBF6071,	CG12K5314,
DL1LD5243,	DL4SBH0877,	UP21X4201,
DL1LJ0494,	DL10CE2434,	DL8CAA9604,
DL1LH5665,	DL8CX1970,	DL3CAT1698,
DL8SAF0905,	046854,	DL9CQS1907,
DL8SAB4945,	DL1LH5514,	DDD2576,
DIT3855,	DL1LF4074,	DL4CAH6556,
DL8SA2542,	DL1LF0786,	DL4CNC2525,
DL8SH4259,	DL9CR7781,	UK07DR2990,
DL4CAE9279,	HR70F0200,	DL4CNB6309,
DL1K0407,	DL9CQS6622,	DL1LJ7604,
1524335,	DL4CND3229,	DL9CS4829,
DL7CD5786,	DL4CAD9854,	DL3CBM8404,
HR18A2406,	DL10CB4796,	DL8CZ2046,
DL1LJ6825,	HR06F0767,	DL1CL4085,
JK02BB0677,	DL6SAA4366,	DL8CN1132,
DL4ST1903,	DL8SAE3552,	DL9CJ9386,
DL4SQ7164,	DL8SAJ9173,	PB08BC6644,
DL4SAE7053,	DL8SAE1298,	DL4SAQ2271,
DL4SA1936,	DL8SW3730,	DL4SBG4648,
DL4SAB5446,	HR280411,	DL4SAK5411,
DL8SAG7399,	DL8SL1579,	HR35A0501,
DL6SF8396,	DL4CM2894,	DL8SV2332,
DL4SAX5914,	HR26BX1496,	DL3SA0980,
DL8SNA1633,	DL8CQ2833,	RJ13SC9790,
DL4SNA0609,	DL1LH2357,	DL4SAW4398,
DL5CD6866,	DL1LJ4093,	DL4SS2412,
UP82AL4851,	HR51Z0080,	DL8SAH9063,
UP16R2223,	DL8CX8111,	DL7CF6138,
DL9CC1133,	HR47B9213,	HR58B8007,

भौतिक कब्ज़े की सूचना
ICICI Bank
शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंज़िल, प्लॉट नंबर– 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली– 110005
जबकि
अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे वर्णित कर्ज़दारों को माँग सूचनाएँ निर्गमित की थीं, जिसमें उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि को प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।
कर्ज़दार/सह–कर्ज़दार/ज़मानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे हैं, अतएव एतद् द्वारा कर्ज़दार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा भौतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है। एतद् द्वारा विशेष रूप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र. सं.	कर्ज़दार/ सह–कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ भौतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	सुमन सिंघल/ मोहित सिंघल/ LBGHZ00002865036/ LBGHZ00002891317	प्लॉट नंबर III-F1/21, ग्राउंड फ्लोर, नेहरू नगर, गाजियाबाद/ जुलाई 20, 2023	दिसंबर 17, 2021 रु. 30,41,459/–	दिल्ली/ एनसीआर

उपरोक्त दर्शाए गए कर्ज़दार/सह–कर्ज़दार एवं ज़मानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें, अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात् अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जाएगी जो पूर्णत: नियम 8 और 9 प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के अंतर्गत है।
दिनांक : जुलाई 25, 2023 — प्राधिकृत अधिकारी
स्थान : दिल्ली/एनसीआर — आईसीआईसीआई बैंक लि.

भौतिक कब्ज़े की सूचना
ICICI Bank
शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंज़िल, प्लॉट नंबर– 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली– 110005
जबकि
अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे वर्णित कर्ज़दारों को माँग सूचनाएँ निर्गमित की थीं, जिसमें उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि को प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।
कर्ज़दार/सह–कर्ज़दार/ज़मानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे हैं, अतएव एतद् द्वारा कर्ज़दार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा भौतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है। एतद् द्वारा विशेष रूप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र. सं.	कर्ज़दार/ सह–कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ भौतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	दीपक बवेजा/ पूनम/ LBPNP00005130571/ LBPNP00005130574/ LBDEL00005335489	खेवट नंबर 1760, खाता नंबर 2045, खसरा नंबर एन 76, किला नंबर 29, शिव कॉलोनी सफीदों जींद/ जुलाई 20, 2023	अगस्त 30, 2021 रु. 29,53,979/-	दिल्ली

उपरोक्त दर्शाए गए कर्ज़दार/सह–कर्ज़दार एवं ज़मानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें, अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात् अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जाएगी जो पूर्णत: नियम 8 और 9 प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के अंतर्गत है।
दिनांक : जुलाई 25, 2023 — प्राधिकृत अधिकारी
स्थान : दिल्ली — आईसीआईसीआई बैंक लि.

सार्वजनिक सूचना
ICICI Bank
शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लि., तृतीय तल, प्लॉट नंबर 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली—110005
निम्नलिखित कर्जदार/रों ने उनके द्वारा बैंक से प्राप्त की गई ऋण सुविधाओं के मूलधन और ब्याज के भुगतान में चूक की है और ये ऋण अनार्जक आस्तियों (एनपीए) के रूप में श्रेणीबद्ध किए गए हैं। उनको, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 (2) के अधीन एक सूचना उनके अंतिम ज्ञात पतों पर प्रेषित की गई थी, हालांकि यह सुपुर्द नहीं की जा सकी और इसलिए एतद्द्वारा उनको इस सार्वजनिक सूचना द्वारा अधिसूचित किया जा रहा है।

क्र. सं.	कर्जदार/सह–कर्जदार/गारंटर का नाम (ऋण खाता संख्या) एवं पता	प्रत्याभूत आस्ति/प्रवर्तित की जाने वाली आस्ति का सम्पत्ति पता	प्रेषित सूचना की तिथि/सूचना की तिथि तक बकाया राशि	एनपीए तिथि
1.	मनोज कुमार शर्मा, कल्पना शर्मा, सी—22—एफ, दिल्ली पुलिस अपार्टमेंट, मयूर विहार फेज—1, नई दिल्ली, दिल्ली—110091 खाता नंबर :— LBDEL00001133502	मकान नंबर सी—22—एफ, प्रथम तल, दिल्ली पुलिस अपार्टमेंट, प्लॉट नंबर 9, मयूर विहार फेज—1, दिल्ली—110091	29—05—2023 रू. 31,52,210.74/—	09—10—2022
2.	मनोज कुमार शर्मा, कल्पना शर्मा, सी—22—एफ, दिल्ली पुलिस अपार्टमेंट, मयूर विहार फेज—1, नई दिल्ली, दिल्ली—110091 खाता नंबर :— LBDEL00001511047	मकान नंबर सी—22—एफ, प्रथम तल, दिल्ली पुलिस अपार्टमेंट, प्लॉट नंबर 9, मयूर विहार फेज—1, दिल्ली—110091	29—05—2023 रू. 10,79,625.33/—	11—09—2022
3.	नीरज गुप्ता, मालिनी गुप्ता, 812, जी 3, भू तल, एचआईजी फ्लैट, शालीमार गार्डन, दिल्ली, गाजियाबाद—201002 खाता नंबर :— LBDEL00000376508	फ्लैट नंबर 812/जी 3, एचआईजी, भू तल, शुभम अपार्टमेंट—4, स्थित प्लॉट नंबर 812, शालीमार गार्डन एक्सटेंशन—1, ग्राम पसोंडा, परगना लोनी, उत्तर प्रदेश, गाजियाबाद—201010	12—06—2023 रू. 36,20,372.13/—	05—01—2018
4.	राकेश कुमार सिंघल, रचना गुप्ता, डी 1/यूजी 4, आशीर्वाद अपा., दिलशाद कालोनी, दिल्ली—110095 खाता नंबर :— LBNOD0000980619	फ्लैट नंबर एफ—2, प्रथम तल, एमआईजी, छत के अधिकार नहीं, प्लॉट नंबर बी—1/99 पर निर्मित, डीएलएफ दिलशाद गार्डनएक्सटेंशन—2, ग्राम ब्रह्मपुर उर्फ भोपुरा, परगना लोनी, तहसील एवं जिला उत्तर प्रदेश, गाजियाबाद—201010	12—06—2023 रू. 80,92,458/—	05—08—2005

सूचना प्रदान करने हेतु वैकल्पिक कदम उठाए जा रहे हैं। उपरोक्त कर्जदार/रों तथा/अथवा उनके गारंटरों (जैसा लागू है) को बकाया राशि का भुगतान इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 60 दिन के भीतर करने की सलाह दी जाती है, अन्यथा आगे वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002, के प्रावधानों के अनुसार आगे कदम उठाए जाएंगे।
तिथि : 25 जुलाई, 2023 — प्राधिकृत अधिकारी
स्थान : दिल्ली/एनसीआर — आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

पायनियर
नई दिल्ली, मंगलवार, 25 जुलाई 2023

रामनवमी हिंसा: न्यायालय ने एनआईए को जांच सौंपने के आदेश के खिलाफ बंगाल की याचिका खारिज की

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में इस साल रामनवमी के दौरान हिंसा की घटनाओं की जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को सौंपने के कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली राज्य सरकार की एक याचिका पर विचार करने से सोमवार को इनकार कर दिया।

प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि एनआईए अधिनियम की धारा 6(5) के तहत केंद्र द्वारा मई में जारी अधिसूचना की वैधता को मामले में चुनौती नहीं दी गई है।

एनआईए अधिनियम की धारा 6(5) के अनुसार अगर केंद्र सरकार को लगता है कि किसी अनुसूची के तहत कोई अपराध किया गया है जिसकी इस अधिनियम के अंतर्गत जांच की जानी आवश्यक है, तो वह स्वत: संज्ञान लेते हुए एजेंसी को इसकी जांच करने का निर्देश दे सकती है।

पीठ ने कहा, इस अदालत का अधिकार यह निर्धारित करना होगा कि क्या धारा 6 (5) के तहत केंद्र सरकार द्वारा अपने अधिकार क्षेत्र का इस्तेमाल धारा 6 (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के लिए पूरी तरह से असंगत है ताकि इस अदालत द्वारा हस्तक्षेप की आवश्यकता हो।

पीठ ने कहा कि एनआईए द्वारा की जाने वाली जांच की सटीक रूपरेखा का इस स्तर पर अनुमान नहीं लगाया जा सकता है या उसे प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता है। पीठ ने कहा, इस पृष्ठभूमि में और, विशेष रूप से धारा 6 (5) के तहत जारी अधिसूचना की वैधता को चुनौती की गैरमौजूदगी में हम विशेष अनुमति याचिका पर विचार करने के इच्छुक नहीं हैं।

पीठ ने स्पष्ट किया कि उच्च न्यायालय द्वारा 27 अप्रैल के आदेश में की गई टिप्पणियों को इस सवाल तक ही सीमित रखा जाना चाहिए कि क्या विशेष कानून के तहत एनआईए द्वारा क्षेत्राधिकार का प्रयोग उचित था।

पश्चिम बंगाल सरकार ने जांच को एनआईए को स्थानांतरित करने के उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देते हुए कहा था कि किसी भी विस्फोटक का इस्तेमाल नहीं हुआ था और यह निर्देश राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी द्वारा दायर राजनीति से प्रेरित जनहित याचिका पर पारित किया गया।

उच्च न्यायालय ने 27 अप्रैल को, रामनवमी उत्सव के दौरान और उसके बाद हावड़ा के शिबपुर और हुगली के रिसड़ा में हिंसा की घटनाओं की एनआईए से जांच कराने का आदेश दिया था। यह आदेश शुभेंदु अधिकारी की जनहित याचिका और इन दो स्थानों पर हुई हिंसा की एनआईए जांच के अनुरोध संबंधी तीन अन्य याचिकाओं पर पारित किया गया था।

शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में कहा कि हिंसा के संबंध में राज्य पुलिस ने छह प्राथमिकी दर्ज की थी। पीठ ने पश्चिम बंगाल की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन की दलीलों पर गौर किया कि राज्य पुलिस ने रामनवमी उत्सव के दौरान हुई कथित घटनाओं के बाद उचित कार्वाई की थी, इसलिए एनआईए को जांच स्थानांतरित करने का उच्च न्यायालय का निर्देश उचित नहीं था और इससे पुलिस का मनोबल गिरेगा।

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म आधारित गिग वर्कर्स के कल्याण के लिए विधेयक पारित करने वाला पहला राज्य

जयपुर। राज्य सरकार ने ओला, स्विगी, उबर, जोमेटो जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से गिग वर्कर्स के रूप में जुड़े लाखों युवाओं को सौगात दी है। इनगिग वर्कर्स के हितों का संरक्षण कर अब उन्हें सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जाएगी। इस सम्बन्ध में मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत की पहल पर राज्य विधान सभा ने सोमवार को राजस्थान प्लेटफॉर्म आधारित गिग कर्मकार रजिस्ट्रीकरण और कल्याणद्ध विधेयक-2023 पारित किया है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से आजीविका अर्जित कर रहे लाखों गिग वर्कर्स के कल्याण के लिए विधेयक पारित करने वाला राजस्थान देश का पहला राज्य बना है। इसके माध्यम से बनने वाले अधिनियम के अंतर्गत राजस्थान प्लेटफॉर्म आधारित गिग कर्मकार कल्याण बोर्ड की स्थापना की जाएगी। साथ हीएराजस्थान प्लेटफॉर्म आधारित गिग कर्मकार सामाजिक सुरक्षा और कल्याण निधिका गठन किया जाएगा। यह बोर्ड प्लेटफॉर्म आधारित गिग वर्कर्सका पंजीकरणसुनिश्चित करेगा।

मणिपुर: केन्द्रीय मंत्री आरके रंजन सिंह के आवास पर फिर हुआ हमला

भाषा। इंफाल

केंद्रीय मंत्री आर.के. रंजन सिंह के यहां स्थित आवास के बाहर महिलाओं की एक रैली ने उस वक्त उग्र रूप धारण कर लिया, जब प्रदर्शनकारियों ने उस पर (आवास पर) पथराव किया। प्रदर्शकारी, मंत्री से जातीय हिंसा प्रभावित राज्य में स्थिति पर संसद में बयान देने की मांग कर रहे थे। केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री सिंह के आवास पर दो महीने में हुआ यह दूसरा हमला है।

इस बीच, मणिपुर विश्वविद्यालय के छात्रों ने राज्य में शांति बहाल करने की मांग करते हुए दिन में एक रैली निकाली। पुलिस ने उन्हें तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे क्योंकि युवक उस इलाके से गुजर रहे थे, जिसमें उन्हें रैली करने की अनुमति नहीं थी।

कांगपोकपी जिले में चार मई को हुई एक घटना का वीडियो सामने आने के कुछ दिन बाद ए घटनाएं हुई हैं। वीडियो में, भीड़ द्वारा दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाते हुए देखा जा सकता है। वीडियो के सामने आने के बाद देशभर में रोष व्याप्त हो गया। मंत्री के आवास पर जिस समय हमला हुआ, तब वहां कोई भी मौजूद नहीं था और मकान को ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचा।

इंफाल शहर के कोंगबा इलाके में स्थित मंत्री के आवास पर तैनात सुरक्षाकर्मियों ने इंटरनेट सेवाएं बहाल करने की भी मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर कर दिया। एक प्रदर्शनकारी ने कहा, हम मांग करते हैं कि मंत्री राज्य की स्थिति के बारे में संसद में बोलें। हम चाहते हैं कि इंटरनेट सेवाएं बहाल की जाएं। हम लोगों को बताना चाहते हैं कि हमारे साथ क्या हो रहा है।

अधिकारियों ने तीन मई को जातीय समुदायों के बीच झड़पें शुरू होने के बाद पहली बार पूर्वोत्तर राज्य में इंटरनेट सेवाओं पर प्रतिबंध लगाया था। शांति और लोक व्यवस्था में किसी भी तरह के खलल को रोकने के लिएै इंटरनेट पर लगी पाबंदी समय-समय पर बढ़ाई गई है। इससे पहले, 15 जून की रात भीड़ ने मंत्री के आवास पर हमला कर उसे आग के हवाले करने की कोशिश की थी।

मणिपुर विश्वविद्यालय के छात्रों के एक वर्ग ने पूर्वोत्तर राज्य में शांति बहाल करने की मांग को लेकर इंफाल शहर में एक रैली निकाली। मणिपुर विश्वविद्यालय छात्र संघ द्वारा आयोजित रैली यहां कांचीपुर स्थित विश्वविद्यालय के प्रवेश द्वार से शुरू हुई।

पुलिस ने कहा कि उनके पास करीब दो किलोमीटर दूर काकवा जाने की अनुमति थी। हालांकि, छात्र काकवा से आगे और विश्वविद्यालय के द्वार से लगभग चार किलोमीटर दूर सिंगजामेई तक रैली करना चाहते थे। जब प्रदर्शनकारियों ने काकवा पार कर सिंगजामेई जाने की कोशिश की, तभी पुलिस ने उन्हें तितर बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे, जिसके चलते अधिकारियों और छात्रों के बीच तीखी बहस हुई। छात्रों ने पुलिस कार्वाई का विरोध करते हुए कहा कि वे निहत्थे थे और शांतिपूर्ण रैली करना चाहते थे। मणिपुर में अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की बहुसंख्यक मेइती समुदाय की मांग के विरोध में पर्वतीय जिलों में तीन मई को आदिवासी एकजुटता मार्च के आयोजन के बाद राज्य में भड़की जातीय हिंसा में अब तक 160 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

इंडिया की जगह भारत लिखने के साथ असम के सीएम ने विपक्ष पर तंज कसा

भाषा। गुवाहाटी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने विपक्ष के गठबंधन पर तंज कसते हुए सोमवार को कहा कि उन्होंने अपने ट्विटर परिचय में इंडिया की जगह भारत कर दिया है जो कांग्रेस से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में जाने की उनकी यात्रा को दर्शाता है।

विपक्षी दलों ने बेंगलुरू में हुई बैठक के बाद 18 जुलाई को अपने गठबंधन का ऐलान किया था जिसका नाम इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलांयस (इंडिया) रखा था। इसके बाद शर्मा ने अपने ट्विटर पर दिए अपने परिचय से चीफ मिनिस्टर ऑफ असम, इंडिया में बदलाव करते हुए चीफ मिनिस्टर ऑफ असम, भारत कर दिया।

उन्होंने ट्विटर पर कहा, (ट्विटर पर) मेरे पिछले परिचय में मैंने असम, इंडिया का उल्लेख किया था। मैं इंडियन नेशनल कांग्रेस से भारतीय जनता पार्टी में जाने की अपनी यात्रा को अपडेट करना भूल गया था। अब मैंने अपने परिचय में गर्व से बदलाव करते हुए इसे असम, भारत कर दिया है। कांग्रेस के कुछ मित्र मुझसे पूछ रहे हैं कि मैंने अपने परिचय में बदलाव क्यों किया है। मुझे उम्मीद है कि यह स्पष्टीकरण उन्हें संतुष्ट कर देगा।

ट्विटर परिचय में बदलाव करते हुए शर्मा ने कहा कि सभ्यतागत संघर्ष इंडिया और भारत के इर्द-गिर्द केंद्रित है। उन्होंने कहा, औपनिवेशिक विरासतों से खुद को मुक्त कराने के लिए संघर्ष करना चाहिए। शर्मा पर पलटवार करते हुए कांग्रेस ने कहा कि उन्हें यह प्रधानमंत्री को बताना चाहिए जिन्होंने सरकारी योजनाओं के स्किल इंडिया और स्टार्ट-अप इंडिया जैसे नाम दिए हैं।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि मोदी ने अलग-अलग राज्यों के मुख्यमंत्रियों से टीम इंडिया के तौर पर साथ में काम करने के लिए कहा था तथा वोट इंडिया संबंधी अपील भी की थी। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा, इंडिया भारत है और भारत इंडिया है।

न्यायालय ने ईडी से टीएमसी सांसद अभिषेक, उनकी पत्नी के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर पर ब्योरा मांगा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को यह बताने का निर्देश दिया कि क्या पश्चिम बंगाल में कथित कोयला घोटाले से जुड़े धनशोधन मामलों में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद अभिषेक बनर्जी और उनकी पत्नी रुजिरा बनर्जी के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया गया है। न्यायमूर्ति एस के कौल और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की पीठ ने ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू से इस बारे में जानकारी तब मांगी जब वह दंपति की विदेश यात्रा की अनुमति से संबंधित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। शीर्ष अदालत ने मौखिक टिप्पणी में कहा कि विदेश यात्रा करना भी एक अधिकार है जब तक कि यह मानने का कारण न हो कि आरोपी भाग जाएगा। पीठ ने कहा, जांच लंबित है, जरूरत होने पर आप उन्हें बुला सकते हैं। आपने किस आधार पर उनके खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी किया है।

अनुराग ठाकुर ने ओपन हाइमर फिल्म को मंजूरी देने पर सीबीएफसी से स्पष्टीकरण मांगा

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने निर्देशक क्रिस्टोफर नोलन की फिल्म ओपनहाइमर के एक आपत्तिजनक दृश्य को गंभीरता से लेते हुए केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से स्पष्टीकरण मांगा और सुधारात्मक कदम उठाने का निर्देश दिया।

माना जा रहा है कि ठाकुर ने सीबीएफसी से वह डिलीट किया गया दृश्य मांगा है, जिसमें फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहा कलाकार एक दृश्य के दौरान सेक्स करते हुए कथित तौर पर भगवद गीता का श्लोक पढ़ते प्रतीत होता है। ठाकुर ने बोर्ड से इस दृश्य के साथ फिल्म को मंजूरी देने के लिए जिम्मेदार व्यक्ति की जवाबदेही तय करने का भी निर्देश दिया है।

सूचना आयुक्त उदय महुरकर ने नोलन को खुला पत्र लिखकर दृश्य को हिंदू धर्म को आहत करने वाला हमला करार दिया और निर्देशक से दुनियाभर में फिल्म से यह दृश्य हटाने का अनुरोध किया।

फिल्म में भौतिकविद रॉबर्ट ओपनहाइमर की भूमिका निभा रहे सिलियल मर्फी को मनोवैज्ञानिक जीन टेटलर (फ्लोरेंस प्यू) के साथ सेक्स करते हुए दिखाया गया है और उसी दौरान वह ओपनहाइमर से संभवत: संस्कृत की एक पुस्तक का श्लोक पढ़ने को कहती है, जिसका शीर्षक और कवर पृष्ठ दिखाई नहीं देता।

टेटलर के अनुरोध पर भ्रमित ओपनहाइमर टेटलर द्वारा बताया गया श्लोक पढ़ता है, जिसका अर्थ है ... मैं ही मृत्यु, सृष्टि का संहारक हूं।

जून में विधानसभा का विशेष सत्र बुलाना स्पष्ट रूप से अवैध था : पुरोहित

चंडीगढ़। पंजाब के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित ने मुख्यमंत्री भगवंत मान को सोमवार को एक और पत्र लिखकर पिछले महीने आहूत दो-दिवसीय विशेष विधानसभा सत्र को स्पष्ट रूप से अवैध करार दिया।

पुरोहित की ओर से मान को यह पत्र एक सप्ताह के भीतर दूसरी बार लिखा गया है। पुरोहित ने यह पत्र तब लिखा, जब दो दिन पहले मान ने कहा था कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि राज्यपाल यह नहीं जानते कि 19-20 जून को बुलाया गया सत्र वैध था या अवैध। राज्यपाल ने अपने पत्र में यह भी कहा कि उन्हें भ्रष्टाचार की शिकायतें भी मिल रही है और उन्होंने मुख्यमंत्री को याद दिलाया कि राज्यपाल, राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त संवैधानिक प्राधिकारी होता है। मान के शनिवार को दिए बयान के संदर्भ में उन्होंने कहा, आपकी जानकारी के लिए बता दूं कि प्रमुख संवैधानिक विशेषज्ञों में से एक से राय ली गई है। इस राय का सार आपकी जानकारी के लिए संलग्न है, जो साफ तौर पर कहता है कि इस प्रकार से बुलाया गया सत्र साफ तौर पर अवैध था।

कोच्चि में भारतीय तटरक्षक बल के एक एडवांस लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच) एमके-III ने केरल तट के पास निजी टैंकर से संदिग्ध स्ट्रोक और आंशिक पक्षाघात से पीड़ित एक नाविक को निकालने में मदद की।

नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार-2022 के कार्यक्रम में शामिल हुईं।

केएनपी में छह चीतों के रेडियो कॉलर स्वास्थ्य परीक्षण के लिए हटाए गए

भाषा। भोपाल

मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में छह चीतों के रेडियो कॉलर केएनपी के पशु चिकित्सकों और नामीबिया व दक्षिण अफ्रीका के विशेषज्ञों द्वारा उनके स्वास्थ्य परीक्षण के लिए हटा दिए गए हैं। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

इस साल मार्च से अब तक श्योपुर जिले के केएनपी में पांच वयस्क चीते और तीन शावकों की मौत हो चुकी है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में यह भी कहा गया कि नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका के विशेषज्ञों के साथ कूनो की पशु चिकित्सा टीम द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण के उद्देश्य से छह चीतों के रेडियो कॉलर हटाए गए हैं। मध्य प्रदेश के मुख्य वन्यजीव वार्डन असीम श्रीवास्तव ने कहा कि कुल 11 चीते (छह नर और पांच मादा) वर्तमान में बोमा (बाड़े) के अंदर हैं तथा चार और चीतों को उनके स्वास्थ्य परीक्षण के लिए बोमा में लाने का प्रयास किया जा रहा है। हम अपनी पशु चिकित्सक टीम और नामीबिया तथा दक्षिण अफ्रीका के विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में यह पूरा अभियान चला रहे हैं।

उन्होंने बताया कि केवल उन्हीं चीतों के रेडियो कॉलर हटाए जा रहे हैं जिनका पशु चिकित्सकों की टीम के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य परीक्षण आवश्यक है। रेडियो कॉलर हटाने के पीछे के कारण के बारे में पूछे जाने पर श्रीवास्तव ने कहा कि यह पूरी तरह से टीम के अधिकार क्षेत्र में है और सब कुछ उनके मार्गदर्शन के अनुसार किया जा रहा है। केएनपी में चीतों की मौत के संभावित कारण के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मुझे कोई जानकारी नहीं है क्योंकि मैंने उनकी रिपोर्ट नहीं देखी है। यह अभी तक वहां (केएनपी) से मेरे पास नहीं आई है। उन्होंने बताया कि सभी चीते स्वस्थ हैं। विज्ञप्ति में कहा गया है कि जिन चीतों के रेडियो कॉलर हटा दिए गए हैं उनकी पहचान गौरव, शौर्य, पवन, पावक, आशा और धीरा के रूप में की गई है। शनिवार को जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में यह भी कहा गया कि नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका के विशेषज्ञों के साथ कूनो की पशु चिकित्सा टीम द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण के उद्देश्य से छह चीतों के रेडियो कॉलर हटाए गए हैं। देश में चीतों को फिर से बसाने की योजना प्रोजेक्ट चीता के तहत नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से रेडियो कॉलर पहने 20 चीतों को केएनपी लाया गया था। इनमें से नामीबियाई चीता ज्वाला से चार शावक केएनपी में पैदा हुए थे। इन 24 चीतों में से तीन शावकों सहित आठ चीतों की मौत हो चुकी है।

अधिकारी चीतों में से एकमात्र जीवित शावक की गिनती नहीं कर रहे हैं। उनके मुताबिक केएनपी में चीतों की मौजूदा संख्या 15 है। पर्यावरण मंत्रालय ने 16 जुलाई को कहा कि नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से लाए गए 20 वयस्क चीतों में से पांच की मौत प्राकृतिक कारणों से हुई जबकि रेडियो कॉलर जैसे कारकों को मौत के लिए जिम्मेदार ठहराने वाली मीडिया की खबरें वैज्ञानिक सबूत के बिना, अटकलों और अफवाहों पर आधारित थीं। मंत्रालय ने यह भी कहा कि चीता परियोजना का समर्थन करने के लिए कई कदमों की योजना बनाई गई है जिसमें बचाव, पुनर्वास, क्षमता निर्माण और व्याख्या की सुविधाओं के साथ चीता अनुसंधान केंद्र की स्थापना भी शामिल है। उ च च त म न्यायालय ने 20 जुलाई को कहा कि केएनपी में एक साल से भी कम समय में आठ चीतों की मौत एक अच्छी तस्वीर पेश नहीं करती है और केंद्र से कहा कि वह इसे प्रतिष्ठा का मुद्दा न बनाए और जानवरों को विभिन्न अभयारण्यों में स्थानांतरित करने की संभावना तलाशे।

हवाई अड्डों के लिए विशेष सुरक्षा एजेंसी की व्यवहार्यता पर गौर करना चाहिए

भाषा। नई दिल्ली

संसद की एक समिति ने नागर विमानन क्षेत्र के निकट भविष्य में तेजी से आगे बढ़ने की उम्मीद जताते हुए सरकार से सिफारिश की है कि वह हवाई अड्डों की सुरक्षा के लिए विशेष एजेंसी स्थापित किए जाने की व्यवहार्यता पर गौर करे।

परिवहन, संस्कृति और पर्यटन विभाग संबंधी स्थाई संसदीय समिति ने सोमवार को संसद में पेश अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) हवाई अड्डों पर सुरक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और सीआईएसएफ द्वारा तैनात कुल 353 इकाइयों में से 66 इकाइयां (18.7 प्रतिशत) केवल हवाई अड्डों पर तैनात हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि समिति यह भी नोट करती है कि सुरक्षा प्रदान करने की सीआईएसएफ की जिम्मेदारी व्यापक दायरे में फैली हुई है, क्योंकि यह हवाई अड्डों सहित देश भर में 353 प्रतिष्ठानों को सुरक्षा प्रदान करता है।

इसमें कहा गया है, यह भी ज्ञात है कि नागर विमानन क्षेत्र में तेजी से वृद्धि हुई है और निकट भविष्य में इसके तेजी से बढ़ने की उम्मीद है, जिससे विमान पत्तनों में सुरक्षा प्रदान करने के लिए तैनात जनशक्ति की आवश्यकता में वृद्धि होगी। इसलिए, समिति सिफारिश करती है कि गृह मंत्रालय के परामर्श से नागर विमानन मंत्रालय सिर्फ हवाई अड्डों के लिए विशेष सुरक्षा एजेंसी स्थापित करने की व्यवहार्यता की जांच करे।

कमेड़ा में भूस्खलन से सड़क बही, बदरीनाथ यात्रा प्रभावित

भाषा। देहरादूनागोपश्वर

उत्तराखंड के चमोली जिले में गौचर के पास कमेड़ा में रातभर भारी बारिश के बाद सोमवार को हुए जबरदस्त भूस्खलन से ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग का लगभग 100 मीटर हिस्सा बह गया जिससे हिमालई धाम की तीर्थयात्रा प्रभावित हुई।

यहां जारी एक सरकारी बयान में कहा गया है कि यह मार्ग बदरीनाथ धाम को जाने वाले तीर्थयात्रियों और वाहनों के लिए दो से तीन दिन तक बाधित रहेगा। बयान में कहा गया है कि मार्ग को जल्द से जल्द बहाल करने के लिए संबंधित विभाग एवं एजेंसियां युद्धस्तर पर काम कर रही हैं। मार्ग खुलने में दोतीन का दिन का समय लगने की संभावना को देखते हुए पुलिस ने कर्णप्रयाग और बदरीनाथ जाने वाले वाहनों को वैकल्पिक रास्तों का प्रयोग करने की सलाह दी जिसके बाद सुबह से इंतजार में खड़े वाहन गंतव्य की ओर खाना हो गए। रूद्रप्रयाग की पुलिस अधीक्षक विशाखा अशोक भदाणे ने स्वयं मौके पर पहुंचकर मलबा साफ करने में लगी एजेंसियों के अधिकारियों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि मार्ग के खुलने में लंबा समय लगने के मददेनजर सड़क पर वाहनों का अनावश्यक रूप से खड़ा रहना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि श्रीनगर की ओर से रूद्रप्रयाग पहुंच रहे वाहन चालकों को इस संबंध में पहले से सूचित किया जा रहा है।

इस बाधित मार्ग के विकल्प के रूप में बदरीनाथ और हेमकुंड जाने वाले बड़े वाहनों को रुद्रप्रयाग से पोखरी, कर्णप्रयाग और चमोली होते हुए गंतव्य पर पहुंचने को कहा जा रहा है जबकि छोटे वाहनों को चोपता, गोपेश्वर होते हुए जाने की सलाह दी जा रही है। क्षेत्र में बारिश के कारण अन्य वैकल्पिक मार्ग बीचबीच में बाधित चल रहे हैं जिस कारण वाहनों को इन मार्गों से नहीं भेजा जा रहा है।

वैकल्पिक मार्गों से जा रहे तीर्थयात्रियों को पोखरी में प्रशासन के निर्देश पर हल्की भोजन सामग्री भी वितरित की जा रही है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, सोमवार सुबह भारी बारिश के कारण गौचर भट्टनगर में भी एक पुश्ता टूट गया जिससे सड़क किनारे खड़े पांच वाहन मलबे में दब गए। मलबे को साफ किया जा रहा है। घटना में कोई व्यक्ति घायल नही हुआ। उधर, तीन दिन पहले शुक्रवार को भूस्खलन के कारण सड़क धंसने से गैरसैंण के पास कालीमाठी में अवरुद्ध हुआ कर्णप्रयाग-नैनीताल राष्ट्रीय राजमार्ग भी अभी तक नहीं खुल पाया है।

इसके अलावा, नंदप्रयाग और छिनका में भी बोल्डर (भारी पत्थर) गिरने के कारण यातायात अवरुद्ध है।

बारिश के कारण भूधंसाव ग्रस्त जोशीमठ के सिंहधार वार्ड में दैनिक विहार त्रिदंडी आश्रम की दीवार ढह गई। आश्रम के संतोष बाबा ने बताया कि शनिवार देर रात बारिश के चलते दीवार ढह गई।

यह आश्रम जेपी कालोनी के ठीक ऊपर है, जहां इस साल की शुरुआत में अचानक जमीन से पानी निकला था और मकान धंस गए थे। उस दौरान आश्रम के खेतों में और आसपास दरारें आ गई थीं।

पट्टादाताओं ने गो फर्स्ट के 54 विमानों का पंजीकरण रद्द करने के लिए आवेदन किया है

भाषा। नई दिल्ली

पट्टादाताओं ने विमानन कंपनी गो फर्स्ट के 54 विमानों का पंजीकरण रद्द करने की मांग की है और विमानन नियामक डीजीसीए मई में उड़ानें रद्द करने की एयरलाइन की घोषणा के बाद से स्थिति पर नजर रख रहा है। सरकार ने सोमवार को यह जानकारी दी। नकदी की कमी से जूझ रही सस्ते परिवहन वाली विमानन कंपनी गो फर्स्ट ने 3 मई को अपनी उड़ानें बंद कर दी और वह स्वैच्छिक दिवाला समाधान प्रक्रिया से गुजर रही है। राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में, नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री वीके सिंह ने कहा कि नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को गो फर्स्ट को पट्टे पर दिए गए कुल 54 विमानों के पंजीकरण रद्द करने के लिए पट्टादाताओं से आवेदन प्राप्त हुए हैं। डीजीसीए द्वारा आवेदनों पर आगे की कार्वाई, राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण, दिल्ली और माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष मामलों के नतीजे के आधार पर होगी। मंत्री ने यह भी कहा कि 2 मई को गो फर्स्ट द्वारा अपनी उड़ानें रद्द करने और दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता 2016 (आईबीसी) के तहत दिवालियापन के लिए दायर आवेदन की घोषणा के बाद से नियामक स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है। उन्होंने कहा, गो फर्स्ट द्वारा परिचालन के निलंबन के मद्देनजर, एयरलाइंस को हवाई किराए को स्वयं विनियमित करने और उचित मूल्य स्तर बनाए रखने और उन क्षेत्रों में नई उड़ानें शुरू करने की सलाह दी गई है, जहां पर्याप्त संख्या में गो फर्स्ट उड़ानें हैं।

पायनियर
नई दिल्ली, मंगलवार, 25 जुलाई, 2023

भारत ने वेस्टइंडीज को 365 रन का लक्ष्य दिया

भाषा। पोर्ट ऑफ स्पेन

भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट के चौथे दिन दूसरी पारी दो विकेट पर 181 रन पर घोषित करके मेजबान टीम को 365 रन का लक्ष्य दिया। कप्तान रोहित शर्मा ने 57 जबकि इशान किशन ने 52 रन की पारी खेली।

इससे पहले भारत के 438 रन के जवाब में वेस्टइंडीज की टीम पहली पारी में 255 रन ही बना सकी थी और 183 रन से पिछड़ गई थी।

वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट के चौथे दिन रविवार को यहां बारिश के कारण दूसरे सत्र में सिर्फ तीन ओवर का खेल हो पाया लेकिन भारत चाय तक अपनी कुल बढ़त को 301 रन तक पहुंचाने में सफल रहा।

दूसरी पारी में भारत ने तूफानी शुरुआत करते हुए लंच से पहले सिर्फ 12 ओवर में एक विकेट पर 98 रन बनाए। बारिश के कारण लंच का ब्रेक जल्दी लेना पड़ा। लंच के बाद तीन ओवर में भारत ने 20 रन जोड़कर स्कोर दो विकेट पर 118 रन तक पहुंचाया। मेहमान टीम ने इस दौरान सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (30 गेंद में 38 रन) का विकेट गंवाया। इसके बाद दोबारा बारिश होने लगी और खेल रोकना पड़ा।

बारिश के कारण खेल रोके जाने के समय शुभमन गिल 10 जबकि इशान किशन आठ रन बनाकर खेल रहे थे।

पांचवें दिन भी बारिश की भविष्यवाणी की गई है और ऐसे में भारत वेस्टइंडीज को दूसरी पारी में आउट करने के लिए पर्याप्त समय चाहेगा जिससे की श्रृंखला में क्लीनस्वीप कर सके।

जायसवाल दूसरे सत्र में आउट होने वाले एकमात्र बल्लेबाज रहे। उन्होंने दूसरे सत्र के पहले ओवर में जोमेल वारिकन की गेंद को स्लॉग स्वीप करने की कोशिश में विकेटकीपर जोशुआ डा सिल्वा को कैच थमाया।

कप्तान रोहित शर्मा (44 गेंद में 57 रन) ने भी दो जीवनदान का फायदा उठाते हुए सिर्फ 35 गेंद में अपना सबसे तेज टेस्ट अर्धशतक बनाया। रोहित ने शेनन गैब्रिएल की गेंद पर फाइन लेग पर अल्जारी जोसेफ को कैच थमाया। उन्होंने जायसवाल के साथ पहले विकेट के लिए 98 रन की साझेदारी की। इससे पहले मोहम्मद सिराज ने 23.4 ओवर में 60 रन पर पांच विकेट चटकाते हुए वेस्टइंडीज के निचले क्रम को ध्वस्त किया।

वेस्टइंडीज ने दिन की शुरुआत पांच विकेट 229 रन से की और 26 रन जोड़कर बाकी पांच विकेट भी गंवा दिए जिससे पूरी टीम 255 रन पर सिमट गई और भारत ने 183 रन की बढ़त हासिल की। मोहम्मद शमी और चोटिल जसप्रीत बुमराह की गैरमौजूदगी में कैरेबियाई सरजमीं पर भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई कर रहे सिराज ने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई। वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों को सुबह के सत्र में उनका सामना करने में काफी दिक्कतें आईं। भारत को दिन की पहली सफलता पदार्पण कर रहे मुकेश कुमार ने दिलाई। मुकेश ने दिन के पहले ही ओवर में एलिक अथानाजे (37) को पगबाधा किया। तीसरे दिन बारिश के कारण ओवरों के नुकसान की भरपाई करने के लिए रविवार को मैच आधा घंटा जल्दी शुरू हुआ। सिराज ने दिन की पहली सफलता जेसन होल्डर (15) के रूप में हासिल की जिन्होंने स्विंग होती फुल लेंथ गेंद पर विकेटकीपर इशान किशन को कैच थमाया।

सिराज ने इसके बाद अल्जारी जोसेफ (04) को पगबाधा किया। मैदानी अंपायर ने उन्हें आउट नहीं किया था लेकिन डीआरएस लेने पर फैसला भारत के पक्ष में गया।

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी : 438 रन

वेस्टइंडीज पहली पारी : क्रेग ब्रेथवेट बो अश्विन 75, तेगनारायण चंद्रपाल का अश्विन बो जडेजा 33, किर्क मैकेंजी का इशान बो मुकेश 32, जर्मेन ब्लैक्वुड का रहाणे बो जडेजा 20, एलिक अथानाजे पगबाधा बो मुकेश 37, जोशुआ डा सिल्वा बो सिराज 10, जेसन होल्डर का इशान बो सिराज 15, अल्जारी जोसेफ पगबाधा बो सिराज 04, केमार रोच का इशान बो सिराज 04, जोमेल वारिकन नाबाद 07, शेनन गैब्रिएल पगबाधा बो सिराज 00, **अतिरिक्त :** 18, **कुल : 115.4 ओवर में सभी विकेट खोकर:** 255 रन, **विकेट पतन :** I-71, 2-117, 3-157, 4-178, 5-208, 6-229, 7-233, 8-244, 9-255

गेंदबाजी : सिराज 23.4-6-60-5, उनादकट 16-3-44-0, अश्विन 33-10-61-1, मुकेश 18-6-48-2, जडेजा 25-10-37-2

भारत दूसरी पारी: यशस्वी जायसवाल का डा सिल्वा बो वारिकन 38, रोहित शर्मा का जोसेफ बो गैब्रिएल 57, शुभमन गिल नाबाद 29, इशान किशन नाबाद 52,**अतिरिक्त:** 05 **कुल: 24 ओवर में दो विकेट पर:** 181 रन पारी घोषित **विकेट पतन:** I-98, 2-102 **गेंदबाजी:** रोच 4-0-46-0, जोसेफ 4-0-37-0, होल्डर 4-0-26-0, गैब्रिएल 6-0-33-1, वारिकन 6-0-36-1

हाई परफोरमेंस कोच के पद के लिए अनदेखी से ओलंपिक पदक विजेता विजय कुमार स्तब्ध

भाषा। नई दिल्ली

ओलंपिक रजत पदक विजेता पिस्टल निशानेबाज विजय कुमार स्तब्ध हैं कि भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने हाई परफोर्मेंस कोच के पद के लिए उनके नाम की अनदेखी की और उन्हें इस बारे में सूचित करने की जरूरत भी नहीं समझी गई।

साइ ने 21 जुलाई को अधिसूचना जारी करके एथलेटिक्स, निशानेबाजी, तलवारबाजी, कबड्डी और तीरंदाजी में पांच हाई परफोर्मेंस कोच की नियुक्ति की।

साइ ने फरवरी-मार्च में इस पद के लिए विज्ञापन दिया था और 2012 लंदन ओलंपिक खेलों के रजत पदक विजेता तथा पांच बार के राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता विजय ने पद के लिए आवेदन किया था।

साइ ने इस पद के लिए राइफल कोच मनोज कुमार के नाम की सिफारिश की है जो पेरिस ओलंपिक निशानेबाजी रेंज में ट्रेनिंग कर रही भारतीय टीम के साथ जुड़े हुए हैं।

हिमाचल प्रदेश पुलिस में उपाधीक्षक विजय ने कहा, मैंने पद (परफोर्मेंस कोच) के लिए आवेदन किया था। इस तरह की अटकलें थी कि साक्षात्कार हुए हैं (पद के लिए)। आज किसी ने फोन पर बताया कि सूची जारी हो गई है। जब मैंने सूची देखी (साइ की वेबसाइट पर) तो मैं हैरान और स्तब्ध था।

उन्होंने कहा, उनकी (साइ की) पात्रता में मैं पूरी तरह फिट था। इसमें कहा गया था कि अगर आप ओलंपिक पदक विजेता हैं तो आपको सीधे नियुक्ति मिलेगी। जहां तक मुझे पता है, मेरे अलावा किसी अन्य ओलंपिक पदक विजेता ने प्रतिनियुक्ति के आधार पर पद के लिए आवेदन नहीं किया था।

विजय ने कहा, पहले हाई परफोर्मेंस कोच की नियुक्ति अनुबंध के आधार पर होती थी लेकिन हाल में साइ ने अन्य संस्थानों से विशेषज्ञों के लिए प्रतिनियुक्ति के आधार पर जुड़ने और अपनी सेवाएं देने का रास्ता खोला है। इसलिए इस आधार पर मैंने पद के लिए आवेदन किया था।

उन्होंने कहा, मैं स्तब्ध था कि देश के लिए इतना सब कुछ हासिल करने के बावजूद मेरा नाम सूची में नहीं था। मुझे लगता है कि जिस व्यक्ति के नाम की सिफारिश की गई उसके नाम टीम स्पर्धा में कोई अंतरराष्ट्रीय पदक है लेकिन एशियाई, राष्ट्रमंडल खेलों में पदक नहीं है।

अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) की वेबसाइट पर मनोज के परिचय के अनुसार उन्होंने 2005 में चार विश्व कप और एशियाई चैंपियनशिप में हिस्सा लिया लेकिन कोई पदक नहीं जीता।

विजय ने कहा, मुझे पद्म श्री, खेल रत्न (देश का सर्वोच्च खेल सम्मान) और अर्जुन पुरस्कार से नवाजा जा चुका है।

विजय से जब यह पूछा गया कि क्या इस शीर्ष पद के लिए विशेषज्ञों की छंटनी करने के लिए किसी पैनल का गठन किया गया था तो उन्होंने कहा कि सिर्फ ऑनलाइन आवेदन देना था।

उन्होंने कहा, मुझे मेरे ईमेल पर कोई जवाब या पावती नहीं मिली, कोई पुष्टि नहीं की गई। मुझे लगता है कि किसी को भी पुष्टि वाला ईमेल नहीं मिला। आवेदन किसी मिस्टर माधव को भेजा जाना था जो साइ कोचिंग प्रकोष्ठ के प्रभारी हैं।

पांच हाई परफोर्मेंस कोच की नियुक्ति की अनुशंसा करने वाले पत्र पर वनावे माधव पोपट के हस्ताक्षर हैं जो साइ के कोचिंग विभाग में सहायक निदेशक (कोचिंग) हैं।

विजय ने कहा, मैं अपना विरोध दर्ज कराऊंगा। मैं एक सीनियर महिला निशानेबाजी कोच और साइ की कर्मचारी से पूछता था और वह मुझे आश्वासन देती रही कि साक्षात्कार एक या दो महीने में होंगे। इसके बाद अचानक यह अधिसूचना आ गई।

उन्होंने कहा, मैं साइ के महानिदेशक (संदीप प्रधान) और खेल मंत्री (अनुराग ठाकुर) को पत्र लिखूंगा। उच्च अधिकारियों की जानकारी में यह बात दिलाई जानी चाहिए कि एक औसत से कमतर व्यक्ति जिसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कुछ हासिल नहीं किया है, पद के लिए उसके नाम की सिफारिश की गई है। बताइए मैं कौन सी पात्रता पूरी नहीं करता। प्रधान ने इस मामले में फोन या एसएमएस पर प्रतिक्रिया नहीं दी जबकि साइ के उप महानिदेशक शिव शर्मा ने कहा कि इस मुद्दे पर बात करने के लिए वह सही व्यक्ति नहीं हैं।

जोकोविच ने टोरंटो टूर्नामेंट से नाम वापिस लिया

टोरंटो। विम्बलडन फाइनल में कार्लोस अल्काराज से हारने के बाद नोवाक जोकोविच ने अतिरिक्त आराम के लिए नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट से भी नाम वापिस ले लिया है। टेनिस कनाडा ने रविवार को घोषणा की कि जोकोविच थकान के कारण इस टूर्नामेंट में भाग नहीं लेंगे। तेईस बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन 36 वर्ष के जोकोविच को अमेरिकी ओपन की तैयारी इस हार्डकोर्ट टूर्नामेंट से शुरू करनी थी। उन्हे पिछले रविवार को विम्बलडन फाइनल में अल्काराज ने पांच सेटो में हराया। चार बार नेशनल बैंक खिताब जीत चुके जोकोविच ने कहा , कनाडा में मुझे हमेशा अच्छा लगता है लेकिन अपनी टीम से सलाह लेने के बाद मैंने तय किया कि यही फैसला सही है। जोकोविच की जगह अब अमेरिका के क्रिस्टोफर यूबैंक्स को मिली है जो विम्बलडन में अप्रत्याशित प्रदर्शन करके क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे थे।

जमशेदपुर एफसी ने जापान के मिडफील्डर रेई तचिकावा से अनुबंध किया

जमशेदपुर। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) टीम जमशेदपुर एफसी ने सोमवार को जापान के मिडफील्डर रेई तचिकावा से एक साल के अनुबंध की घोषणा की। यह 25 वर्षीय मिडफील्डर पिछले सत्र में माल्टा की टीम साइरंस एफसी की ओर से खेला था। पिछले सत्र में तचिकावा ने इस टीम की ओर से 23 मैच में दो गोल किए। जापान के तचिकावा को माल्टा प्रीमियर लीग में चार साल खेलने का अनुभव है। साइरंस एफसी से पहले वह दो साल के लिए सेटा लूसिया टीम से जुड़े थे।

आईसीसी ने अंपायर शिक्षा पाठ्यक्रम शुरू किया

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को अपने अंपायरों के लिए शिक्षा पाठ्यक्रम की शुरुआत की जिसे आईसीसी अंपायर फाउंडेशन सर्टिफिकेट नाम दिया गया है। यह प्रवेश स्तर का पाठ्यक्रम है जिसमें अंपायरिंग के बुनियादी पहलुओं पर ध्यान दिया जाएगा जिससे कि नए अंपायर क्लब स्तर के मुकाबलों में अधिकारी की भूमिका निभाने से पहले खेल के बारे में जानकारी हासिल कर सकें। यह कोर्स ऑनलाइन और मुफ्त होगा। यह आईसीसी के प्रशिक्षण और शिक्षा कार्यक्रम का हिस्सा है जबकि आईसीसी कोचिंग पाठ्यक्रम लेवल दो सहित आगे के पाठ्यक्रम इस साल शुरू होंगे।

ला सेला ओपन में दीक्षा संयुक्त 16वें स्थान पर रही

डेनिया (स्पेन)। भारत की दीक्षा डागर ने तीसरे और आखिरी दौर में 72 के स्कोर के साथ स्पेन में ला सेला ओपन गोल्फ में संयुक्त 16वां स्थान हासिल किया। इस साल चेक लेडिज ओपन का खिताब जीतने वाली दीक्षा ने तीन दौर के मुकाबले में 70, 71 और 72 का कार्ड खेला। खराब मौसम के कारण इस टूर्नामेंट को 72 की जगह 54 होल का कर दिया गया था। भारत की अन्य खिलाड़ियों में अमनदीप ढाल (73-72-71) संयुक्त 35वें, वाणी कपूर (74-68-78) संयुक्त 59वें और रिदिमा दिलावरी (74-72-80) संयुक्त 71वें स्थान पर रही। दीक्षा इस परिणाम के बाद 2023 रेस टू चेस्टा डेल सोल ऑर्डर ऑफ मेरिट में पांचवे स्थान पर है।

भारतीय महिला और पुरूष टीमों की नजरें स्पेन में अच्छे प्रदर्शन पर

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय महिला और पुरूष हॉकी टीमें स्पेन के टेरासा में मंगलवार से शुरू हो रहे स्पेनिश हॉकी महासंघ की सौवीं वर्षगांठ वाले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेंगी।

टूर्नामेंट में भारतीय पुरूष टीम का सामना इंग्लैंड, नीदरलैंड और मेजबान स्पेन से होगा जबकि महिला टीम इंग्लैंड और स्पेन से खेलेगी।

पुरूष टीम के लिए यह टूर्नामेंट तीन से 12 अगस्त तक चेन्नई में होने वाली हीरो एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी की तैयारी का सुनहरा अवसर है।उसके बाद चीन के हांगझोउ में एशियाई खेल होने हैं।

भारतीय पुरूष टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा , स्पेन में टूर्नामेंट से हमें कठिन प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ खुद को आंकने का मौका मिलेगा। इससे हमें पता चलेगा कि किन क्षेत्रों में सुधार की जरूरत है जिससे एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी और एशियाई खेलों की तैयारी पुख्ता होगी।

दूसरी ओर महिला टीम की कप्तान सविता ने कहा , स्पेन दौरे से हमें एशियाई खेलों की तैयारी में मदद मिलेगी। वहां फोकस रणनीति पर अमल करने और टीम भावना के साथ अच्छे प्रदर्शन पर होगा।

उन्होंने कहा , हम अपनी शैली में खेलेंगे लेकिन पिछले दौरे की कमियों की भरपाई भी करेंगे।

विराट का गले लगाना सपने जैसा था : मुकेश कुमार

भाषा। पोर्ट आफ स्पेन

इतने साल से विराट कोहली के मैदानी कारनामों को विस्मित भाव से देखते आए मुकेश कुमार के लिए यह सपने जैसा था जब उनके पहले विकेट पर भारत के पूर्व कप्तान ने उन्हें गले लगा लिया।

अपने 30वें जन्मदिन से कुछ महीने पहले ही टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले बिहार के गोपालगंज जिले के मुकेश कुमार पिछले सात साल में बंगाल की अंडर 23 टीम से लेकर भारत ए के लिए खेल चुके हैं।

मोहम्मद सिराज के साथ बीसीसीआई टीवी से बातचीत में उन्होंने कहा , मुझे जब विकेट मिला तो विराट भैया भागकर आए और मुझे गले लगा लिया। मैं किसी और दुनिया में ही चला गया। इतने साल तक टीवी पर जिसे मैं देखता आया, उसने मुझे गले लगाया। अद्भुत अनुभव था।

उन्होंने कहा , जब आप और जेडी (उनादकट) भाई गेंदबाजी कर रहे थे तो रोहित भाई ने कहा था कि इस पिच पर तुरंत विकेट नहीं मिलेंगे। मेहनत करनी पड़ेगी। मानसिक रूप से वह तैयार था लेकिन जब टीम बैठक में मैच से एक दिन पहले उसे पदार्पण के बारे में बताया गया तो उसे कुछ समय लगा। उन्होंने कहा , जब मुझे पता चला कि मैं सच में खेल रहा हूं तो मैं स्तब्ध रह गया। मैं हमेशा से खेलने के लिए तैयार था और इसलिए ही टीम बैठक में गया था। मुझे ऐसा लग रहा था कि शायद मौका मिल सकता है। मुकेश ने कहा , यहां सुबह थी और भारत में शाम हो रही थी। मैं शाम को होटल पहुंचा तो मां से बात की। मैंने कहा कि मां मैं देश के लिए खेल रहा हूं। मेरे सभी रिश्तेदार भी बहुत खुश हैं जिन्होंने शुरू से मेरा साथ दिया।

जर्मनी ने महिला फुटबॉल विश्व कप में मोरक्को को 6-0 से रौंदा

भाषा। मेलबर्न

अलेक्जेंड्रा पोप के दो गोल की मदद से जर्मनी ने सोमवार को फीफा महिला विश्व कप 2023 के अपने शुरुआती मैच में मोरक्को को 6-0 से करारी शिकस्त दी।

पोप ने दोनों गोल मैच के पहले हाफ में किए जबकि टीम ने दूसरे हाफ में चार और गोल दागे जिसमें मोरक्को के खिलाड़ियों के दो आत्मघाती गोल भी शामिल है। मौजूदा टूर्नामेंट में यह किसी भी टीम के लिए सबसे बड़ी जीत है। जर्मनी विश्व कप का दो बार का चैंपियन है जबकि मोरक्को पहली बार इसमें भाग ले रहा है।

पोप ने मैच के 11वें और 39वें मिनट में गोल कर टीम को 2-0 से आगे कर दिया। पोप के अंतरराष्ट्रीय करियर का यह 63वां और 64वां गोल था। वह जर्मनी के लिए सबसे ज्यादा गोल करने वाली खिलाड़ियों की सूची में तीसरे स्थान पर है।

जर्मनी के लिए कालरा बुहल ने 46वां मिनट में गोल किया। इसके बाद हानाने अत इल हज और यासमिन मराबेत ने दो आत्मघाती गोल कर जर्मनी की बढ़त को 5-0 कर दिया।

लिया स्लेर ने 90वें मिनट में टीम के लिए छठा गोल किया।

जर्मनी की टीम ग्रुप एच में अपना अगला मैच कोलंबिया जबकि मोरक्को की टीम दक्षिण कोरिया के खिलाफ खेलेगी। ए दोनों मुकाबले रविवार को होंगे।

श्रीलंका की पहली पारी 166 रन पर सिमटी

एपी। कोलंबो

लेग स्पिनर अबरार अहमद (69 रन पर चार विकेट) और तेज गेंदबाज नसीम शाह (41 रन पर तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी से पाकिस्तान ने दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन सोमवार को यहां चाय के विश्राम से पहले श्रीलंका की पहली पारी को 166 रन पर समेट दिया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का श्रीलंका का फैसला गलत साबित हो गया। बारिश के कारण मैच एक घंटा विलंब से शुरू हुआ लेकिन शुरू होते ही सलामी बल्लेबाज निशान मदुशंका (4) तीसरे ओवर में रन आउट हो गए। कप्तान दिमुथ करूणारत्ने ने शाहीन अफरीदी की गेंद कवर में खेली और रन लेने के लिए दौड़े लेकिन शान मसूद के थ्रो ने गिल्लियां बिखेर दी जबकि मदुशंका क्रीज तक नहीं पहुंचे थे। कुसल मेंडिस छह रन बनाकर अफरीदी की गेंद पर कवर में कैच दे बैठे। नसीम शाह ने एंजेलो मैथ्यूज (नौ) और क-रूणारत्ने (17) को लगातार दो ओवरों में आउट किया।

श्रीलंका ने 36 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे। धनंजय डिसिल्वा और दिनेश चांदीमल ने पांचवें विकेट के लिए 85 रन की साझेदारी करके श्रीलंका को मैच में वापसी कराने की कोशिश की। नसीम ने श्रीलंका के पूर्व कप्तान चांदीमल को 34 रन पर आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। डिसिल्वा 57 रन बनाकर अबरार का शिकार बने। इन दोनों की साझेदारी टूटने के बाद पाकिस्तान के गेंदबाज फिर से मैच पर हावी हो गए। रमेश मेंडिस (27) ने पुछल्ले बल्लेबाजों के साथ टीम के स्कोर को 160 के पार पहुंचाया। श्रीलंका का आखिरी विकेट गिरने के साथ ही चाय के विश्राम की घोषणा कर दी गई। दो मैचों की श्रृंखला में पाकिस्तान I-0 से आगे है।

भारत की करमन कौर थांडी ने दूसरा आईटीएफ डब्ल्यू60 खिताब जीता

नई दिल्ली। भारत की करमन कौर थांडी ने अमेरिका में इवान्सविले प्रतियोगिता जीतकर अपने करियर का दूसरा डब्ल्यू60 आईटीएफ टेनिस खिताब जीता।

करमन ने रविवार को कड़े मुकाबले में यूक्रेन की यूलिया स्टारोडुब्तसेवा को तीन सेट में 7-5 4-6 6-1 से हराकर आईटीएफ महिला विश्व टूर पर अपना दूसरा एकल खिताब जीता। इस टूर्नामेंट की कुल इनामी राशि 60 हजार डॉलर थी। इस जीत के साथ सानिया मिर्जा के बाद करमन अमेरिका में पेशेवर खिताब जीतने वाली सिर्फ दूसरी भारतीय महिला टेनिस खिलाड़ी बन गईं। करमन ने अपना पहला डब्ल्यू60 आईटीएफ खिताब पिछले साल सेगुने में जीता था। यह करमन के करियर का चौथा खिताब है। इवान्सविले में करमन ने पहले दौर में मैक्सिको की मारिया फर्नांडा नवारो को हराया और फिर अगले दौर में स्थानीय खिलाड़ी मारिबेला जमारिप्पा को शिकस्त दी।

मुंबई सिटी एफसी ने बेंगलुरु एफसी के जएश राणे को उधार लिया

भाषा। मुंबई

इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम मुंबई सिटी एफसी ने सोमवार को बेंगलुरु एफसी के मिडफील्डर जएश राणे को 2023-24 सत्र के अंत तक उधार (लोन) पर लेने की घोषणा की।

तीस साल के जएश के साथ बेंगलुरु एफसी ने 2021-22 सत्र से पहले करार किया था। मिडफील्ड में अपनी काबिलियत के साबित कर चुके जएश आईएसएल के अनुभवी खिलाड़ियों में शामिल है। उन्हें 103 मैचों का अनुभव है। इस करार के बाद वह अपने गृहनगर मुंबई में वापसी कर रहे हैं।

मुंबई सिटी के मुख्य कोच डेस बकिंघम ने यहां जारी विज्ञपति में कहा, हमें जएश को टीम में शामिल करने की बहुत खुशी हो रही है। वह अनुभवी खिलाड़ी है और उसने इस लीग में सफलता हासिल की है। उसे इस बात की गहरी समझ है कि मुंबई सिटी का क्या मतलब है और हम किस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं।

जएश ने कहा, यह मेरे लिए गर्व की बात है कि मुझे अपने घर (शहर) और अपने लोगों का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला है। मैं बेंगलुरु एफसी को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं यहां मुंबई सिटी के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हूं।

क्रिस्टियाना के गोल से इटली ने महिला विश्व कप में अर्जेंटीना पर I-0 से जीत दर्ज की

ऑकलैंड (न्यूजीलैंड)। क्रिस्टियाना गिरेली की गोल की मदद से इटली ने सोमवार को अर्जेंटीना पर I-0 से जीत के साथ फीफा महिला विश्व कप 2023 में अपने अभियान की शुरुआत की।

ग्रुप जी की इन दोनों टीमों के बीच बराबरी के मुकाबले में क्रिस्टियाना ने मैच के 87वें मिनट में हेडर से गोल कर गतिरोध को तोड़ा। उनका यह प्रयास मैच को जीतने वाला साबित हुआ। वह 83वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान में उतरी थी।

इटली ने शुरुआती हाफ में दो बार गेंद को अर्जेंटीना के गोल पोस्ट में डाला लेकिन दोनों बार उसके प्रयास को ऑफसाइड करार दिया गया।

एशियाई खेलों में पदार्पण करेगी भारतीय महिला सॉफ्टबॉल टीम

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय सॉफ्टबॉल संघ (एसबीएआई) ने सोमवार को 16 सदस्यीय भारतीय महिला टीम की घोषणा की जो चीन के हांगझोउ में एशियाई खेलों में पदार्पण करेगी।

चीन में 23 सितंबर से शुरू हो रहे खेलों में सॉफ्टबॉल पदार्पण करेगा। एसबीएआई ने बताया कि टीम , एक स्टैंडबाय और तीन रिजर्व का चयन संभावित खिलाड़ियों की सूची में से ट्रायल के बाद किया गया। दिल्ली में जून जुलाई में दो सप्ताह का कोचिग सह ट्रायल शिविर लगाया गया था।

भारतीय महिला टीम की एशियाई चैम्पियनशिप में लगातार भागीदारी को देखते हुए सॉफ्टबॉल एशिया ने उसे वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रवेश दिया।

इसे फरवरी में सॉफ्टबॉल एशिया की कार्यकारी समिति ने मंजूरी दी।

एसबीएआई अध्यक्ष नीतल नारंग ने कहा , एशियाई खेलों में भारतीय महिला सॉफ्टबॉल टीम के भाग लेने से हमारे खिलाड़ियों को उपमहाद्वीप की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ खुद को साबित करने का मौका मिलेगा। इससे खेल की लोकप्रियता भी बढेगी।

टीम : ऐश्वर्य रमेश पुरी, ऐश्वर्य सुनील बोडके, मोनाली मानसिंह नातू, स्वप्निल सी वेनाडे, साई अनिल जोशी, अंजलि पल्लीक्कारा, स्टेफी साजी, रिंटा चेरियन, ममता जी, गंगा सोना, ममता मिन्हास, संदीप कौर, कुमारी मनीषा, ईशा, स्वेतासिनी साबर, नित्या मालवी, प्रियंका बघेल (स्टैंडबाय)

रिजर्व : मनीषा कुमारी, प्रीति वर्मा, चित्रा।

जापान ओपन में सिंधू, प्रणय कर नजरें लय हासिल करने पर, सात्विक-चिराग की जोड़ी एक और खिताब की दावेदार

भाषा। तोक्यो

कोरिया ओपन में खिताब जीतने वाली सात्विकसाइराज रंकीरेड्डी और चिराग सेठी की पुरुष युगल जोड़ी इस साल के अपने स्वप्निल प्रदर्शन को जारी रखना चाहेगी तो वहीं अनुभवी पीवी सिंधू और एचएस प्रणय मंगलवार से शुरू हो रहे जापान ओपन 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट से अपनी पुरानी लय हासिल करने की कोशिश करेंगे।

राष्ट्रमंडल खेलों के विजेता सात्विक और चिराग की भारतीय जोड़ी ने रविवार को कोरिया ओपन के पुरुष युगल फाइनल में फजर अल्फियान और मोहम्मद रियान आर्दियांतो की इंडोनेशिया की शीर्ष वरीय जोड़ी पर 17-21 21-13 21-14 की जीत दर्ज की थी। भारतीय जोड़ी की यह लगातार 10वीं जीत थी। यह जोड़ी इस साल स्विस ओपन, एशियन चैंपियनशिप और इंडोनेशिया ओपन जीतकर अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में हैं। तीसरी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी जापान ओपन में अपने अभियान का आगाज इंडोनेशिया के लियो रोली कार्नांडो एवं डेनियल मार्थिन की जोड़ी के खिलाफ करेगी। पेरिस ओलंपिक से एक साल पहले भारतीय बैडमिंटन जगत में सबसे ज्यादा चिंता की बात सिंधू के लचर फॉर्म पर है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन चोट से उबरने के बाद अपने पुराने रंग में नहीं लौट पाई है। वह इस साल 12 बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर स्पर्धाओं में से छह में पहले दौर में बाहर होने के बाद वह विश्व रैंकिंग में 17वें नंबर पर खिसक गई हैं। वह पिछले सप्ताह अपने नए कोच मोहम्मद हाफिज की देख रेख में कोरिया ओपन के पहले दौर में निचली रैंकिंग वाली पाई यू-पो से हार गई थी। सिंधू यहां शुरुआती दौर में झांग ई मैन के खिलाफ मैदान में उतरेंगी तो उन्हें अपने प्रदर्शन में काफी सुधार करना होगा। चीन की इस खिलाड़ी के खिलाफ सिंधू की जीत-हार का रिकॉर्ड 2-2 है। सिंधू ने 20वीं रैंकिंग पर काबिज झांग को मलेशिया ओपन में शिकस्त दी थी।

मलेशिया मास्टर्स का खिताब इस साल मई में जीतने वाले प्रणय भारत के शीर्ष रैंकिंग के एकल खिलाड़ी है। पिछले कुछ टूर्नामेंटों में खराब प्रदर्शन के बाद हालांकि उनकी रैंकिंग में गिरावट आई है और वह 10वें पायदान पर खिसक गए है। आठवीं वरीयता प्राप्त प्रणय अपने अभियान का आगाज चीन के गैरवरीय खिलाड़ी ली शी फेंग के खिलाफ करेंगे। विश्व रैंकिंग के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत चीनी ताइपे के चोउ तिएन चान के खिलाफ पहले दौर का मुकाबला खेलेंगे।

पूर्वी क्षेत्र ने मध्य क्षेत्र को छह विकेट से हराया

भाषा। पुडुचेरी

मणिशंकर मुरासिंह, आकाशदीप और शाहबाज अहमद के तीन-तीन विकेट के दम पर पूर्वी क्षेत्र ने देवधर ट्रॉफी मैच में सोमवार को यहां मध्यक्षेत्र को छह विकेट से हराया।

हरफनमौला मुरासिंह ने 10 ओवर में 29 रन खर्च किए जबकि बाएं हाथ के स्पिनर शाहबाज अहमद और तेज गेंदबाज आकाशदीप ने क्रमश: 30 और 35 रन दिए जिससे पूर्वी क्षेत्र की टीम 50 ओवर में 207 रन पर आउट हो गई। एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने वाले रिंकू सिंह ने 63 गेंद में 54 रन बनाए लेकिन उन्हें मध्य क्षेत्र के दूसरे बल्लेबाजों का साथ नहीं मिला। लक्ष्य का पीछा करते हुए पूर्वी क्षेत्र ने उत्कर्ष सिंह की 104 गेंद में 89 रन की पारी से 46.1 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। उत्कर्ष ने पहले विकेट के लिए अभिमन्यु ईश्वरन (38) के साथ 91 रन की साझेदारी कर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। उन्होंने अपनी पारी में 11 चौके और तीन छक्के जड़े।

टीम के लिए सुभ्रांशु सेनापति ने नाबाद 33 रन का योगदान दिया।

इससे पहले मध्य क्षेत्र के सलामी बल्लेबाज आर्यन जुयाल (नाबाद 39) को रिटायर हर्ट होना पड़ा। जबकि शाहबाज और आकाशदीप ने शुरुआती चार विकेट झटक कर पूर्वी क्षेत्र का दबदबा बनाया।

बल्लेबाजी के लिए मुश्किल पिच पर रिंकू को भी बड़े शॉट खेलने में परेशानी हुई। मुरासिंह की गेंद पर आउट होने से पहले वह अपनी पारी में सिर्फ दो छक्के ही लगा सके। टीम ने 31 रन के अंदर आखिरी चार विकेट गंवा दिए।